पूर्वांचल केশৰী (অসমীয়া দৈনিক) PURVANCHAL KESARI (ASSAMESE DAILY)
GOOD LUCK PUBLICATIONS
House No. 30, D. Neog Path, ABC, Guwahati - 781005
Mob: 94350 14771, 97070 14771

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in | हिंदी दैनिक | गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

विकसित भारत समाचार

वर्ष : 10 | अंक : 178 | गुवाहाटी | शुक्रवार, 26 जनवरी, 2024 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

ओलंपिक मूल्य शिक्षा कार्यक्रम शुरू — पेज 2
भाजपा असम की उन सभी सीटों पर जीत हासिल करेगी जहां से राहुल की... — पेज 3
मोदी चुनाव का नहीं, विकास का बिगुल फूंकता है — पेज 5
मेरे बयान को गलत तरीके से पेश किया गया, मैंने कौम ने संन्यास से किया... — पेज 7

यह युगांतरकारी परिवर्तन का समय : राष्ट्रपति

नई दिल्ली। गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने राष्ट्र को संबोधित किया। पचहत्तरवें गणतंत्र दिवस शुभकामनाएं देते हुए राष्ट्रपति ने कहा कि यह एक युगांतरकारी परिवर्तन का कालखंड है। उन्होंने कहा कि गणतंत्र दिवस, हमारे आधारभूत मूल्यों और सिद्धांतों को स्मरण करने का एक महत्वपूर्ण अवसर है। उन्होंने कहा कि कल वह दिन है जब हम संविधान के प्रारंभ होने का जश्न मनाएंगे। इसकी प्रस्तावना *हम, भारत के लोग* शब्दों से शुरू होती है, जो दस्तावेज के विषय अर्थात् लोकतंत्र पर प्रकाश डालती है। भारत में लोकतांत्रिक व्यवस्था पश्चिमी लोकतंत्र की अवधारणा से कहीं अधिक पुरानी है। यही कारण है कि भारत को *लोकतंत्र की जननी* कहा जाता है। राष्ट्रपति ने कहा कि हमारे गणतंत्र की मूल भावना से एकजुट होकर 140 करोड़ से अधिक भारतवासी एक कुटुंब के रूप में रहते हैं। दुनिया के सबसे बड़े इस कुटुंब के लिए, सह-अस्तित्व की भावना, भूगोल द्वारा थोपा गया बोझ नहीं है, बल्कि सामूहिक उल्लास का सहज स्रोत है, जो हमारे गणतंत्र दिवस के उत्सव में अभिव्यक्त होता है। राष्ट्रपति ने कहा कि अपने योगदान से सार्वजनिक जीवन को समृद्ध बनाने के लिए, मैं कर्पूरी ठाकुर जी को अपनी श्रद्धांजलि अर्पित करती हूं। मैं यह उल्लेख करना चाहूंगी कि सामाजिक न्याय के लिए अनवरत युद्धरत रहे, श्री कर्पूरी ठाकुर जी की जन्म शताब्दी का उत्सव कल ही संपन्न हुआ है। कर्पूरी जी पिछड़े वर्गों के सबसे महान पक्षकारों में से एक थे जिन्होंने अपना सारा जीवन उनके कल्याण के लिए समर्पित कर दिया था। उनका जीवन एक संदेश था। अपने योगदान से सार्वजनिक जीवन को समृद्ध बनाने के लिए मैं कर्पूरी जी को अपनी श्रद्धांजलि अर्पित करती हूं। राम मंदिर का जिक्र कर उन्होंने कहा कि इस सप्ताह की शुरुआत में, हमने अयोध्या में निर्मित गौरवशाली नए मंदिर में भगवान श्री राम की मूर्ति की ऐतिहासिक प्राण-प्रतिष्ठा देखी। जब इस घटना को व्यापक परिप्रेक्ष्य से देखा जाएगा, तो भविष्य के इतिहासकार इसे भारत की अपनी सभ्यतागत विरासत की निरंतर पुनः खोज में एक मील का पत्थर मानेंगे। उचित न्यायिक प्रक्रिया और देश की सर्वोच्च अदालत के फैसले -शेष पृष्ठ दो पर

सूचना

सभी एजेंटों, हॉकरों, पाठकों और विज्ञापनदाताओं को **विकसित भारत समाचार** परिवार की ओर से गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएं। इस उपलक्ष्य में 26 जनवरी को कार्यालय में अवकाश रहेगा। हम 28 जनवरी के अंक के साथ आपकी सेवा में प्रस्तुत होंगे।

– **संपादक**

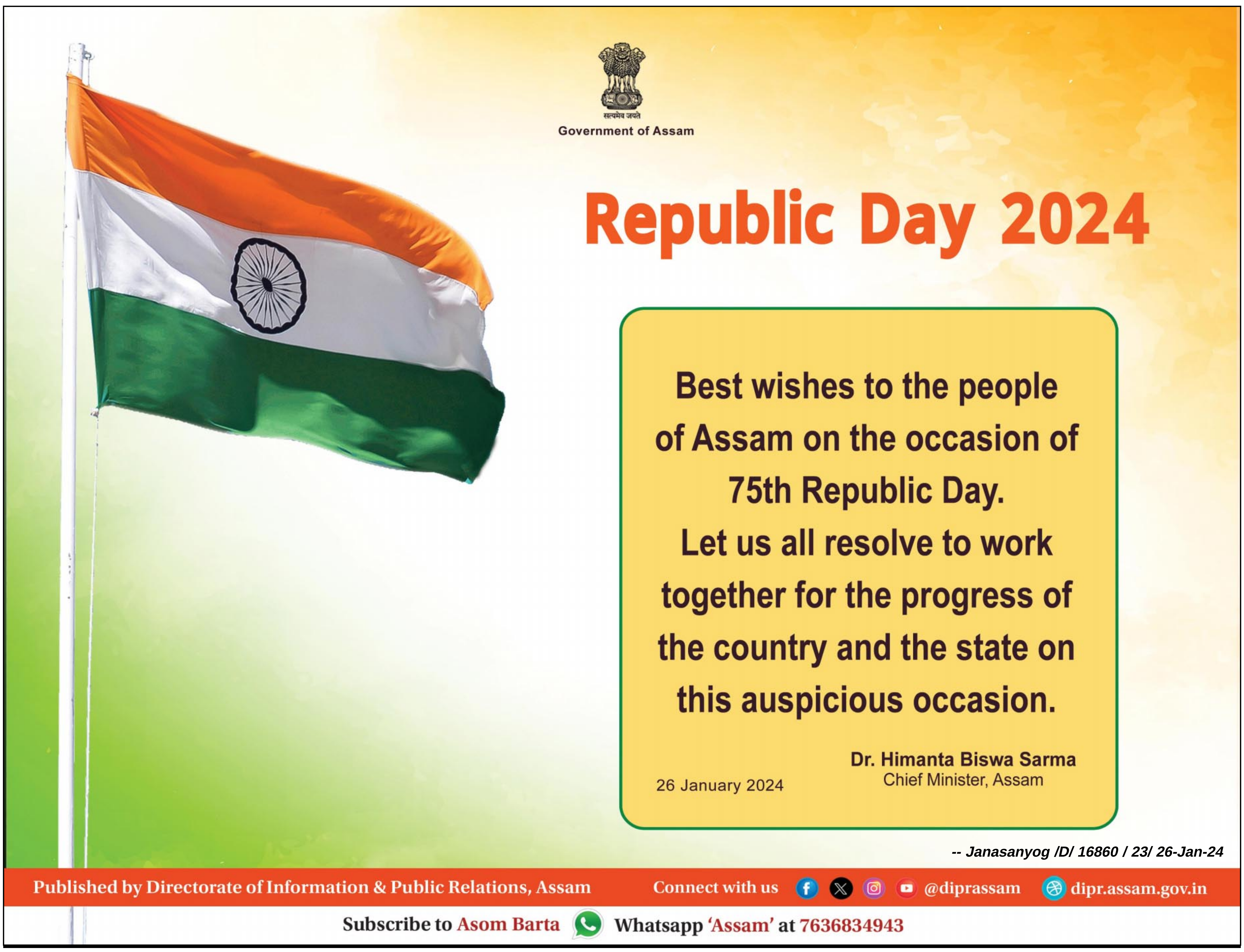

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact
97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

सीएम ने हाई-परफॉर्मेंस स्पोर्ट्स ट्रेनिंग एंड रिहैबिलिटेशन सेंटर का किया उद्घाटन

ओलंपिक मूल्य शिक्षा कार्यक्रम शुरू

गुवाहाटी (हि.स.)। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने आज यहां सरुसजाई खेल परिसर में उच्च प्रदर्शन खेल प्रशिक्षण और पुनर्वास केंद्र का उद्घाटन किया। उन्होंने छात्रों को महत्वपूर्ण खेल आयोजनों में खेलने के लिए आवश्यक मूल्यों को आत्मसात करने में मदद करने के लिए ओलंपिक मूल्य शिक्षा कार्यक्रम भी शुरू किया। गौरतलब है कि असम सरकार ने क्रमश: गुवाहाटी और जोरहाट में दो उच्च प्रदर्शन खेल प्रशिक्षण और पुनर्वास केंद्रों की स्थापना के लिए अभिनव फ्यूचरिस्टिक प्राइवेट लिमिटेड, ऑयल इंडिया लिमिटेड और नुमलीगढ़ रिफाइनरी लिमिटेड के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। केंद्र में शामिल सुविधाओं में बायोमैकेनिकल और मोशन एनालिसिस लैब, फंक्शनल लैब, गैट लैब, फिजियोलॉजी लैब, रिकवरी लैब, पुनर्वास लैब आदि शामिल हैं। इस अवसर पर बोलते हुए, मुख्यमंत्री डॉ. शर्मा ने कहा कि आज राज्य के खेल परिदृश्य में एक महत्वपूर्ण दिन है। केंद्र में प्रदर्शित सुविधाओं से नई पीढ़ी के खिलाड़ियों को खेलों में प्रतिस्पर्धात्मकता के नए स्तर प्राप्त करने के लिए शारीरिक सहनशक्ति और शारीरिक फिटनेस हासिल करने में मदद मिलेगी। इससे असम को खेलों के चमकदार केंद्र के रूप में उभरने में भी मदद मिलेगी। इस अवसर पर बोलते हुए, मुख्यमंत्री ने खेलों के लिए नए युग की सुविधाएं बनाने के लिए असम सरकार के साथ साझेदारी करने के लिए ओलंपियन अभिनव बिंद्रा को धन्यवाद दिया। ओलंपियन को उनकी उपस्थिति के लिए धन्यवाद देते हुए, मुख्यमंत्री ने कहा कि अभिनव बिंद्रा युवा खिलाड़ियों के लिए प्रेरणा के स्रोत हैं। बीजिंग ओलंपिक में उनके स्वर्ण पदक ने न केवल भारत में खेल के क्षेत्र में एक नया इतिहास रचा बल्कि, देश में खेलों के एक नए युग की शुरुआत भी की। उन्होंने इस पहल के लिए राज्य सरकार के साथ हाथ मिलाने के लिए ऑयल इंडिया लिमिटेड और नुमलीगढ़ रिफाइनरी लिमिटेड को भी धन्यवाद दिया। डॉ. शर्मा ने कहा कि उच्च प्रदर्शन खेल प्रशिक्षण और पुनर्वास केंद्र और ओलंपिक मूल्य शिक्षा कार्यक्रम दोनों उच्च क्षमता वाले खिलाड़ियों के निर्माण में बहुत सहायक होंगे जो प्रमुख खेल आयोजनों में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए आवश्यक ओलंपिक मूल्यों को प्रतिबिंबित करने में सक्षम हैं। सीएम ने कहा कि यह राज्य में समग्र खेल विकास को बढ़ावा देने के अलावा ओलंपिक लोकाचार और मूल्यों को बढ़ावा देने में भी मदद करेगा। मुख्यमंत्री ने राज्य भर के खेल समुदाय से आगे आने और गुवाहाटी और जोरहाट में अत्याधुनिक उच्च प्रदर्शन खेल प्रशिक्षण और पुनर्वास केंद्रों का उपयोग करने का भी आग्रह किया। राज्य सरकार की खेलों के प्रति सर्वोच्च प्राथमिकता को दोहराते हुए सीएम ने कहा कि उनकी सरकार उत्तराखंड संस्करण के बाद राज्य में राष्ट्रीय खेलों के आयोजन के लिए कदम उठाने के अलावा खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स की मेजबानी भी कर रही है। सरकार द्वारा तैयार किए जा रहे खेल के बुनियादी ढांचे का एक स्नैपशॉट देते हुए, डॉ. शर्मा ने कहा कि अमीनगांव में एक बहुउद्देश्यीय स्टेडियम बनाया गया है और इसे चंद्रपुर में बनाया जाएगा जिसमें खिलाड़ियों के छात्रावासों के लिए पर्याप्त सुविधाएं होंगी। उन्होंने यह भी कहा कि सरुसजाई खेल परिसर में 500 आवास सुविधा वाला एक छात्रावास का निर्माण किया जाएगा। इसके अलावा, राज्य के आगामी बजट में राज्य में खेलों को बढ़ावा देने के लिए कई उपायों की घोषणा की जाएगी। ओलंपिक मूल्य शिक्षा कार्यक्रम के संबंध में सीएम ने कहा कि यह कार्यक्रम ओलंपिक फाउंडेशन फॉर कल्चर एंड हेरिटेज और अभिनव बिंद्रा फाउंडेशन ट्रस्ट के सहयोग से चलाया जा रहा है। गतिहीन जीवन शैली की चुनौतियों और युवाओं और एथलीटों के अन्य संबंधित मुद्दों के समाधान के लिए यह कार्यक्रम स्कूलों में शुरू किया जाएगा। खेल और युवा कल्याण विभाग द्वारा आयोजित समारोह में खेल और युवा मामलों के मंत्री नंदिता गार्लोसा, सांसद पबित्र मार्घेरिटा, विधायक अतुल बोरा, ओलंपियन अभिनव बिंद्रा और कई अन्य उपस्थित थे।

भारत-म्यांमार सीमा

अवैध घुसपैठ रोकने के लिए बाड़ लगाने का काम शुरू

गुवाहाटी। सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण भारत-म्यांमार सीमा के बड़े हिस्से पर बाड़ लगाएगा और मणिपुर में 10 किमी के हिस्से में यह काम किया जा चुका है और सुरक्षा के लिए इस भाग को असम राइफल्स को सौंपा जा चुका है। मणिपुर में बाड़ लगाने के लिए 80 किमी क्षेत्र की पहचान की जा चुकी है और इसकी विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) मंत्रालय में भेजी जा चुकी है। यह जानकारी बीआरओ के अतिरिक्त महानिदेशक पूर्व (एडीजी-पूर्व) पीकेएच सिंह ने दी। उन्होंने बताया कि चार भारतीय राज्य अरुणाचल प्रदेश, नगालैंड, मणिपुर और मिजोरम म्यांमार के साथ 1643 किमी लंबी सीमा साझा करते हैं और सरकार म्यांमार के साथ हुए मुक्त आवाजाही समझौते पर पुनर्विचार कर रही है। गृह मंत्रालय ने तकरीबन 1700 किमी क्षेत्र में बाड़ लगाने का जिम्मा बीआरओ को सौंपा है। भारत-म्यांमार सीमा पर बाड़ लगाना बीआरओ के लिए महत्वपूर्ण परियोजना है। इस सीमा के आसपास का क्षेत्र लंबे समय से बाड़ रहित है और इसके आसपास होने वाली गतिविधियों पर निगरानी की जरूरत थी। इससे पहले बीआरओ बीएसएफ के साथ मिलकर भारत-बांग्लादेश में बाड़ लगा चुकी है। एडीजी ने बताया कि संगठन का प्राथमिक उद्देश्य अरुणाचल प्रदेश और सिक्किम में भारत-चीन सीमा सड़कों (आइसीबीआर) का रणनीतिक बुनियादी विकास करना है।

माइक्रोसॉफ्ट ने 1900 कर्मचारियों को निकाला

नई दिल्ली। दिग्गज टेक कंपनी माइक्रोसॉफ्ट ने एक झटके में 1900 कर्मचारियों को नौकरी से निकाल दिया है। दरअसल, माइक्रोसॉफ्ट ने एक्टिविजन ब्लिजार्ड का अधिग्रहण किया था। इसका गेमिंग डिवीजन में करीब 9 प्रतिशत हिस्सा था। माइक्रोसॉफ्ट की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि एक्टिविजन, ब्लिजार्ड और किंग टीमों को माइक्रोसॉफ्ट में शामिल हुए तीन महीने से थोड़ा अधिक समय हो गया है। माइक्रोसॉफ्ट ने कहा कि जैसे-जैसे हम 2024 में आगे बढ़ रहे हैं, माइक्रोसॉफ्ट गेमिंग और एक्टिविजन ब्लिजार्ड का नेतृत्व एक टिकाऊ लागत संरचना के साथ एक रणनीति और एक निष्पादन योजना को संरेखित करने के लिए प्रतिबद्ध है जो हमारे पूरे बढ़ते व्यवसाय का समर्थन करेगा। साथ मिलकर, हमने प्राथमिकताएं तय की हैं, ओवरलैप के क्षेत्रों की पहचान की है, और यह सुनिश्चित किया है कि हम सभी विकास के सर्वोत्तम अवसरों पर एकजुट हैं।

हमें चुनाव में राहुल की जरूरत है : मुख्यमंत्री

गुवाहाटी। भारत जोड़ो न्याय यात्रा बंगाल में प्रवेश कर चुकी है। यात्रा को लेकर असम में काफी बवाल मचा। सीएम हिमंत विश्व शर्मा ने कांग्रेस पर आरोप लगाया कि यात्रा के जरिए पार्टी ने राज्य में अशांति पैदा करने की कोशिश की। गुरुवार को संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए सीएम हिमंत विश्व शर्मा ने कहा कि यह यात्रा क्या थी? इसकी टाइमिंग देखिए। उन्होंने असम में एक बड़ा सांप्रदायिक टकराव भड़काने की साजिश रची थी। इसकी एक झलक हमें गुवाहाटी में मिली थी। उन्होंने आगे कहा कि राम मंदिर प्राण-प्रतिष्ठा और राज्य में टकराव शुरू हो गया। लेकिन हमारी पार्टी के लोगों और राम भक्तों ने खुद को संयमित रखा। उन्होंने असम में कुछ भी अप्रिय नहीं होने दिया। मैं राहुल गांधी से कहना चाहता हूं कि असम की जनता आपके अहंकार को आगामी लोकसभा चुनाव में देख लेगी। सीएम हिमंत ने आगे कहा कि मैं आज आपको यह वचन देता हूं - कांग्रेस को आगामी लोकसभा चुनाव में असम में और भी कम सीटें मिलेंगी और हम उन्हें अच्छे अंतर से हराएंगे। मैं आज आपसे यह वादा करता हूं। बता दें कि न्याय यात्रा के दौरान में अशांति पैदा करने को लेकर राहुल गांधी के अलावा, कई कांग्रेस नेताओं के खिलाफ मामला दर्ज किया गया। राहुल गांधी की गिरफ्तारी पर सीएम हिमंत ने कहा कि हम उन्हें (राहुल गांधी) लोकसभा चुनाव के बाद गिरफ्तार करेंगे। अगर हम उन्हें पहले गिरफ्तार करते हैं, तो इसका राजनीतिकरण हो जाएगा। सीएम हिमंत ने आगे कहा कि अब मामला दर्ज किया गया है, एसआईटी जांच करेगी और हमारे पास सबूत हैं। उनके उकसाने के बाद गुवाहाटी में एक बड़ी घटना हो सकती थी। हम लोकसभा चुनाव से पहले राजनीति नहीं करना चाहते क्योंकि हम यह चुनाव जीतने जा रहे हैं। वहीं, सीएम ने सोशल मीडिया हैंडल एक्स पर शिवसेना यूबीटी नेता प्रियंका चतुर्वेदी के पोस्ट पर लिखा कि भाई चुनाव तक

राहुल गांधी बटद्रवा थान जाना ही नहीं चाहते थे : मुख्यमंत्री

गुवाहाटी (हि.स.)। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने कहा है कि राहुल गांधी बटद्रवा थान जाना ही नहीं चाहते थे। अयोध्या के राममंदिर प्राण-प्रतिष्ठा समारोह के दिन 3 बजे के बाद उन्हें बटद्रवा थान जाने की अनुमति दी गई थी, तो दोपहर बाद राहुल गांधी वहां क्यों नहीं गए। उन्होंने कहा कि मंदिर में जाने का कोई समय नहीं होता है। मुख्यमंत्री डॉ शर्मा गुरुवार को राजधानी दिसपुर के लोक सेवा भवन में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत जोड़ो न्याय यात्रा के दौरान राहुल गांधी ऊपरी असम के शिवसागर जिले से होकर गुजरे, लेकिन चराईदेव मैदाम का दर्शन करने नहीं पहुंचे। वे जोरहाट होकर गुजरे, लेकिन 200 मीटर की दूरी पर स्थित लचित बरफूकन की समाधि लचित मैदाम के दर्शन करने नहीं पहुंचे। वे गुवाहाटी शहर से गुजरे लेकिन *दर्शन* के लिए मां कामाख्या मंदिर नहीं गए। डॉ. भूपेन हजारिका समाधि क्षेत्र के सामने से गुजरे, लेकिन भारत रत्न डॉक्टर भूपेन हजारिका की समाधि पर नहीं गए। राहुल गांधी हाजो गए, लेकिन वहां हिंदू और मुसलमान दोनों की आस्था के विश्व प्रसिद्ध पवित्र स्थल श्रीश्री हयग्रीव माधव मंदिर नहीं गए। वहीं, हाजो में स्थित प्रसिद्ध पोवा मक्का दरगाह सरीफ पर माथा टेकने नहीं गए। बरपेटा होकर गुजरे, लेकिन बरपेटा सत्र जैसी जगहों पर कमसे कम उन्हें जाना चाहिए था। मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि दो दिन पहले नगांव में कार्यक्रम केवल मीडिया का ध्यान आकर्षित करने और राज्य में अस्थिरता पैदा करने के लिए किया गया था। मुख्यमंत्री डॉ शर्मा ने कहा कि अगर राहुल गांधी वास्तव में महापुरुष श्रीमंत शंकरदेव की प्रशंसा करते हैं, तो वह बरपेटा सत्र थान का दौरा कर सकते थे, जिसे शंकरदेव ने बनाया था। उन्होंने एक क्षण भी रुककर जालुकबारी में डॉ. भूपेन हजारिका समाधि क्षेत्र पर श्रद्धांजलि क्यों नहीं दी? यदि वह वास्तव में हिंदू संस्कृति की प्रशंसा करते हैं, तो वे गुवाहाटी के नीलाचल पहाड़ पर मां कामाख्या मंदिर के दर्शन क्यों नहीं किए? मुख्यमंत्री धुबड़ी में जाकर ठहरे, लेकिन विश्व प्रसिद्ध धुबड़ी साहब गुरुद्वारा में नहीं गए।

80 सशस्त्र बलों के कर्मियों को दिया जाएगा वीरता पुरस्कार

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने 75वें गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर 12 मरणोपरांत सहित 80 सशस्त्र बलों के कर्मियों को वीरता पुरस्कारों को मंजूरी दे दी है। इनमें छह कीर्ति चक्र शामिल हैं, जिनमें तीन मरणोपरांत, इसके अलावा दो मरणोपरांत सहित 16 शौर्य चक्र दिया जाएगा, सात मरणोपरांत सहित 53 सेना पदक का भी एलान किया गया है, एक नाव सेना पदक (वीरता) और चार वायु सेना पदक (वीरता) भी दिया जाएगा। बता दें कि भारतीय नौसेना के वाइस चीफ वाइस एडमिरल दिनेश के त्रिपाठी को इस गणतंत्र दिवस पर परम विशिष्ट सेवा पदक से सम्मानित किया गया। भारतीय तटरक्षक बल के मुख्य महानिदेशक राकेश पाल को अति विशिष्ट सेवा पदक से सम्मानित किया गया। वहीं, इस वर्ष 21 पैरा स्पेशल फोर्स के मेजर दिग्विजय सिंह रावत, 4 सिख के मेजर दीपेंद्र विक्रम बासनेत और 21 महार के हवलदार पवन यादव को कीर्ति चक्र से सम्मानित किया गया। 75वें गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने कहा कि हमारा देश स्वतंत्रता की शताब्दी की ओर बढ़ते हुए अमृत काल के प्रारंभिक दौर से गुजर रहा है। यह एक युगांतरकारी परिवर्तन का कालखंड है। हमें अपने देश को नई ऊंचाइयों तक ले जाने का सुनहरा अवसर मिला है। हमारे लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए प्रत्येक नागरिक का योगदान महत्वपूर्ण होगा। इसके लिए मैं सभी देशवासियों से संविधान में निहित हमारे मूल कर्तव्यों का पालन करने का अनुरोध करूंगी। ये कर्तव्य आजादी के 100 वर्ष पूरे होने तक भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने की दिशा में प्रत्येक नागरिक के आवश्यक दायित्व हैं।

न्याय नहीं, अन्याय यात्रा : मंत्री सिंघल

ग्वालपाड़ा (हिंस)। शहरी विकास एवं सिंचाई मंत्री अशोक सिंघल ने कांग्रेस की न्याय यात्रा को अन्याय यात्रा बताया है। मंत्री सिंघल ने राहुल गांधी से मांग की कि वह 60 साल तक लोगों के साथ अन्याय करने के लिए घुटने टेककर माफी मांगें। जिले के अभिभावक मंत्री अशोक सिंघल ने आज जिले में कांग्रेस पार्टी की जमकर आलोचना की।

उज्जैन में सरदार पटेल की मूर्ति गिराई

उज्जैन। मध्य प्रदेश के उज्जैन जिले में गुरुवार सुबह कुछ लोगों द्वारा पूर्व उप प्रधानमंत्री सरदार वल्लभभाई पटेल की प्रतिमा गिराए जाने के बाद दो समुदायों के सदस्य आपस में भिड़ गए और एक-दूसरे पर पथराव किया। उन्होंने बताया कि घटना जिला मुख्यालय से लगभग 50 किलोमीटर दूर स्थित माकड़ोन इलाके में हुई, जहां बड़ी संख्या में सुरक्षाकर्मियों की तैनात की गई है। घटना का एक वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया है, जिसमें लोगों का एक समूह ट्रैक्टर की मदद से खींच कर प्रतिमा को गिराते दिख रहा है। पुलिस सूत्रों ने बताया कि वे चाहते थे कि पटेल की जगह उस स्थान पर डॉ. बी आर आंबेडकर की प्रतिमा स्थापित की जाए। उन्होंने बताया कि पटेल की प्रतिमा बुधवार देर रात माकड़ोन बस स्टैंड के निकट एक स्थल पर स्थापित की गई थी। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) नितेश भार्गव ने पीटीआई-भाषा को फोन पर बताया कि वे पूछताछ कर रहे हैं कि प्रतिमा कब स्थापित की गई थी। उन्होंने कहा कि जांच जारी है जिसके बाद मामले दर्ज किए जाएंगे। यह पूछे जाने पर कि पथराव में कितने लोग घायल हुए हैं, इस पर उन्होंने कहा कि अब तक किसी ने हमें इसकी सूचना नहीं दी है। भार्गव ने कहा कि अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया है। स्थिति पूरी तरह से नियंत्रण में है। हमने माकड़ोन इलाके में दो समुदायों के सदस्यों द्वारा फेंके गए पत्थरों को मौके से हटा दिया है। उन्होंने कहा कि अब तक निषेधाज्ञा (लोगों के जमावड़े पर प्रतिबंध लगाने के लिए) जारी नहीं की गई है।

भगवान की तस्वीरें दिखाने से लोगों का पेट नहीं भरेगा : खड़गे

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधते हुए गुरुवार को कहा कि भगवान की तस्वीरें दिखाकर लोगों का पेट नहीं भरा जा सकता। पार्टी के बूथ स्तर के कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए खड़गे ने यह भी कहा कि लोगों को प्रधानमंत्री मोदी के *जाल* में नहीं फंसना चाहिए। खड़गे ने 22 जनवरी को अयोध्या में राम मंदिर में रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा समारोह का परोक्ष रूप से हवाला देते हुए कहा कि भगवान की तस्वीरें दिखाने से लोगों का पेट नहीं भरेगा। उन्होंने आरोप लगाया कि देश में महंगाई हर दिन बढ़ रही है और लोगों के पास नौकरियां नहीं हैं, जबकि प्रधानमंत्री मोदी संकट के समय पाकिस्तान, चीन जैसे बहाने लेकर आते हैं और भगवान का नाम लेने लगते हैं। कांग्रेस अध्यक्ष ने मोदी पर निशाना साधते हुए कहा कि प्रधानमंत्री ने पहले भी कई गारंटी दी, लेकिन उन्हें कभी पूरा नहीं किया। उन्होंने कहा कि तेलंगाना विधानसभा चुनावों के लिए कांग्रेस पार्टी द्वारा दी गई छह में से दो गारंटी राज्य सरकार द्वारा लागू की गई हैं और अन्य दो को *जल्द* लागू किया जाएगा, जबकि बाकी को दो से तीन महीने में लागू किया जाएगा।

पृष्ठ एक का शेष

यह युगांतरकारी परिवर्तन ...

के बाद मंदिर का निर्माण शुरू हुआ। अब यह एक भव्य इमारत के रूप में खड़ा है, जो न केवल लोगों के विश्वास की अभिव्यक्ति देता है, बल्कि न्यायिक प्रक्रिया में लोगों के भारी विश्वास का प्रमाण भी है। द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि देश अमृत काल के प्रारंभिक वर्षों में है। यह परिवर्तन का समय है। हमें देश को नई ऊंचाइयों पर ले जाने का सुनहरा अवसर दिया गया है। हमारे लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए प्रत्येक नागरिक का योगदान महत्वपूर्ण होगा। उन्होंने कहा कि हमारी विविधता का यह उत्सव, समता पर आधारित है जिसे न्याय द्वारा संरक्षित किया जाता है। यह सब स्वतंत्रता के वातावरण में ही संभव हो पाता है। इन मूल्यों और सिद्धांतों की समग्रता ही हमारी भारतीयता का आधारहै। डॉक्टर बी. आर. आंबेडकर के प्रबुद्ध मार्गदर्शन में प्रवाहित, इन मूलभूत जीवन-मूल्यों और सिद्धांतों में रची-बसी संविधान की भावधारा ने सभी प्रकार के भेदभाव को समाप्त करने के लिए सामाजिक न्याय के मार्ग पर हमें अडिग बनाए रखा है। राष्ट्रपति ने कहा कि मेरा मानना है कि नारी शक्ति वंदन अधिनियम महिला सशक्तिकरण के लिए एक क्रांतिकारी उपकरण साबित होगा। इससे हमारी शासन प्रक्रियाओं को बेहतर बनाने में भी काफी मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि हमारी सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि दर हाल के वर्षों में प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में सबसे अधिक रही है, और हमारे पास यह विश्वास करने के सभी कारण हैं कि यह प्रदर्शन वर्ष 2024 और उसके बाद भी जारी रहेगा। उन्होंने कहा कि हमें अपने वैज्ञानिकों और प्रौद्योगिकी विशेषज्ञों पर सदैव गर्व रहा है, लेकिन अब ये पहले से कहीं अधिक ऊंचे लक्ष्य तय कर रहे हैं और उनके अनुरूप परिणाम भी हासिल कर रहे हैं। मुर्मू ने कहा कि सरकार ने 81 करोड़ से अधिक लोगों को अगले पांच साल तक मुफ्त खाद्यान्न उपलब्ध कराने का निर्णय लिया है। संभवत:, इतिहास में यह अपनी तरह का सबसे बड़ा जन-कल्याण कार्यक्रम है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि *राष्ट्रीय शिक्षा नीति* में डिजिटल विभाजन को पाटने और वंचित वर्गों के विद्यार्थियों के हित में, समानता पर आधारित शिक्षा व्यवस्था के निर्माण को समुचित प्राथमिकता दी जा रही है। उन्होंने जोर दिया कि हमारे खिलाड़ियों ने अंतर-राष्ट्रीय मंचों पर भारत का मान बढ़ाया है। उन्होंने कहा कि वर्धमान महावीर और सम्राट अशोक से लेकर राष्ट्रपिता महात्मा गांधी तक, भारत ने सदैव एक उदाहरण प्रस्तुत किया है कि अहिंसा केवल एक आदर्श मात्र नहीं है जिसे हासिल करना कठिन हो, बल्कि यह एक स्पष्ट संभावना है। हम आशा करते हैं कि संघर्षों में उलझे क्षेत्रों में, उन संघर्षों को सुलझाने तथा शांति स्थापित करने के मार्ग खोज लिए जाएंगे। द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि भारत को ऊर्जा के नवीकरणीय स्त्रोतों को बढ़ावा देने में अग्रणी योगदान देते हुए और वैश्विक जलवायु कार्रवाई को नेतृत्व प्रदान करते हुए देखकर मुझे बहुत प्रसन्नता होती है। उन्होंने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग जैसे तकनीकी बदलाव, असाधारण गति के साथ, सुर्खियों से बाहर आकर, हमारे दैनिक जीवन का अंग बन गए हैं। उन्होंने कहा कि मैं अपने उन किसानों और मजदूर भाई-बहनों के प्रति आभार व्यक्त करती हूं जो, चुपचाप मेहनत करते हैं तथा देश के भविष्य को बेहतर बनाने में बहुत बड़ा योगदान देते हैं। सभी देशवासी हमारे सशस्त्र बलों, पुलिस और अर्ध-सैन्य बलों का भी कृतज्ञता-पूर्वक अभिनंदन करते हैं।

पीएम मोदी और मैक्रों ने जयपुर में किया रोड शो

जयपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जयपुर पहुंच गए हैं जहां वह फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों से मुलाकात की है। मोदी और मैक्रों जयपुर के जंतर मंतर से सांगानेरी गेट तक रोड शो शुरू किया और फिर हवा महल की ओर रुख किया है। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनेल मैक्रॉन इस साल के गणतंत्र दिवस समारोह के मुख्य अतिथि हैं, गुरुवार को जयपुर पहुंचे। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने उनका स्वागत किया। मोदी और मैक्रों जयपुर के ताज रामबाग पैलेस में रात्रिभोज के लिए मिलेंगे, जहां वे चिंता और हित के द्विपक्षीय और वैश्विक मुद्दों पर बातचीत करेंगे। मैक्रों 26 जनवरी को नई दिल्ली में गणतंत्र दिवस समारोह में मुख्य अतिथि होंगे, गुरुवार को आमेर किला, जंतर मंतर और हवा महल का दौरा करके अपनी जयपुर यात्रा शुरू करेंगे। वह गणतंत्र दिवस समारोह में मुख्य अतिथि बनने वाले फ्रांस के छठे नेता होंगे। सूत्रों ने कहा कि मैक्रों की यात्रा एक अद्वितीय पारस्परिक संकेत है जिसमें लगातार राष्ट्रीय दिवसों पर राष्ट्राध्यक्षों की यात्राएं शामिल हैं। पीएम ने पिछले साल 13-14 जुलाई को अपने राष्ट्रीय दिवस पर फ्रांस का दौरा किया था। जंतर मंतर दुनिया की सबसे बड़ी वेधशाला है और इसमें दुनिया की सबसे बड़ी पत्थर की धूपघड़ी है।

चीन ने नेपाल और भारत के पानी को नियंत्रित करने के लिए तिब्बत में बनाया बांध

काठमांडू (हि.स.)। चीन ने नेपाल और भारत के पानी पर नियंत्रण करने के उद्देश्य से तिब्बती क्षेत्र में एक नए बांध का निर्माण पूरा कर लिया है। विशेषज्ञों का मानना है कि चीन का यह ऐसा कदम है, जिससे वह नेपाल और भारत के उत्तरी मैदानों में जल प्रवाह पर नियंत्रण करेगा। 22 जनवरी को उपग्रह चित्रों का हवाला देते हुए बताया गया है कि चीन ने मापचा त्सांगपो नदी पर बांध के निर्माण का काम पूरा कर लिया है। मापचा सांगपो नदी, जिसे भारत में घाघरा और नेपाल में कर्णाली के नाम से जाना जाता है, पश्चिमी नेपाल और भारत के उत्तरी मैदानी इलाकों की आबादी के लिए मीठे पानी का एक महत्वपूर्ण और बारहमासी स्रोत है। वेबसाइट से उपग्रह इमेजरी के विश्लेषण से संकेत मिलता है कि बांध पर निर्माण जुलाई 2021 में शुरू हुआ था।

बिहार में टूट की कगार पर महागठबंधन की गांठ

पटना (हि.स.)। बिहार में सियासी सरगर्मी के बीच मुख्यमंत्री नीतीश कुमार सीएम आवास में गुरुवार शाम पार्टी के खास नेताओं जदयू के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष ललन सिंह, मंत्री संजय झा और प्रदेश जदयू अध्यक्ष उमेश कुशवाहा के साथ बैठक कर रहे हैं। नीतीश कुमार के साथ तीनों नेताओं की यह मुलाकात बेहद खास मानी जा रही है। इससे पूर्व पार्टी के वरिष्ठ नेता केसी त्यागी और भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सम्राट चौधरी दिल्ली रवाना हुए हैं। इससे पता चलता है कि बिहार में महागठबंधन की गांठ टूट के कगार पर है। खास बात तो शाम होते होते सामने आयी जब मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने राहुल गांधी के बिहार में भारत जोड़ो न्याय यात्रा में शामिल होने से इंकार कर दिया। साथ ही उन्होंने बिहार के बाहर अपने सभी कार्यक्रमों को रद्द कर दिया। इतना ही नहीं जदयू के विधायकों और भाजपा के विधायकों को पटना में ही रहने का निर्देश दिया गया है। इस बीच जदयू के वरिष्ठ नेता केसी त्यागी के दिल्ली जाने की सूचना है। खबर ये भी है नीतीश कुमार चार फरवरी को बेतिया में प्रधानमंत्री के कार्यक्रम में शामिल होंगे। इससे पूर्व गुरुवार को सचिवालय में हुई मंत्रिपरिषद की बैठक मात्र औपचारिकता भर ही रही। बैठक मात्र 15 से 20 मिनट ही चली। जदयू के एक मंत्री के अनुसार नीतीश कुमार ने तेजस्वी समेत राजद के किसी मंत्री से कोई बात तक नहीं की। अधिकारियों ने तीन एजेंडों को रखा और उस पर सहमति की औपचारिकता निभायी गई। मंत्रियों और अधिकारियों ने चाय-नाश्ता करते हुए आपस में बातचीत की। नीतीश कुमार ने वहां रखे रजिस्टर पर साइन किया और चैम्बर में कुछ मिनट ठहरने के बाद सीएम आवास के लिए रवाना हो गए। सीएम आवास पहुंचने के बाद नीतीश कुमार को लालू-राबड़ी की बेटी रोहिणी आचार्या के ट्विट की जानकारी दी गई। नीतीश कुमार ने उन ट्विट का प्रिंट आउट मंगवा कर देखा। इसके बाद तिलमिलाते हुए भाव के साथ किसी से फोन पर कुछ देर तक बातें करते रहे। बताया जा रहा है कि नीतीश कुमार के फोन रखने के कुछ देर के बाद ही रोहिणी ने तीनों ट्वीट डिलीट कर दिये।

फिलिप आइलैंड पर बड़ा हादसा, चार भारतीय मरे

केनबरा। ऑस्ट्रेलिया के विक्टोरिया में फिलिप आइलैंड पर हुए एक बड़े हादसे में समुद्र तट पर पानी में डूबकर चार भारतीयों की मृत्यु हो गई। भारतीय उच्चायोग, कैनबरा ने इस घटना की पुष्टि की है। मृतको में फगवाड़ा के समाजसेवी सोंधी परिवार की बहु भी बताई जा रही है जो आस्ट्रेलिया घूमने गई हुई थी। मृतका की पहचान रीमा सोंधी फगवाड़ा (पंजाब) के रूप में हुई है। विक्टोरिया पुलिस के करीबी सूत्रों ने बताया है कि द्वीप के दक्षिण-पूर्वी तट पर स्थित फॉरेस्ट केव्स में चार लोगों जिनमें तीन महिलाएं और एक पुरुष शामिल है को पानी से निकाला गया और सीपीआर दिया गया। बाद में तीन लोगों को घटनास्थल पर ही मृत घोषित कर दिया गया है। इनमे से एक की पहचान फगवाड़ा निवासी रीमा सोंधी है।

भाजपा असम की उन सभी सीटों पर जीत हासिल करेगी जहां से राहुल की यात्रा गुजरी है : हिमंत

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने बृहस्पतिवार को दावा किया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) उन सभी निर्वाचन क्षेत्रों में जीत हासिल करेगी जहां से राहुल गांधी की *भारत जोड़ो न्याय यात्रा* गुजरी है। शर्मा ने यहां संवाददाताओं से बातचीत में कटाक्ष करते हुए कहा कि वह जहां भी प्रचार करेंगे, भाजपा को जीत मिलेगी। इस वजह से भाजपा को उनकी जरूरत है। उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनाव के बाद कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी को गिरफ्तार किया जाएगा। असम पुलिस ने यात्रा के दौरान स्वीकृत मार्ग से हटकर गुवाहाटी शहर में प्रवेश करने के लिए अपने समर्थकों को बैरिकेड तोड़ने के लिए उकसाने के आरोप में राहुल गांधी और कई अन्य कांग्रेस नेताओं के खिलाफ मामला दर्ज किया है। कर्नाटक कांग्रेस के नेता प्रियंक खड़गे ने आश्चर्य जताया कि अगर राहुल गांधी ने कानून तोड़ा है तो उन्हें अभी गिरफ्तार क्यों नहीं किया जा रहा है। उन्होंने सोशल मीडिया में एक पोस्ट पर कहा कि हिमंत जी लोकसभा चुनाव का इंतजार क्यों ? यदि राहुल गांधी जी ने कानून तोड़ा है, तो आप आगे बढ़कर आवश्यक कार्रवाई क्यों नहीं करते ? खड़गे ने कहा कि आप ऐसा नहीं करेंगे, क्योंकि आप पूरी तरह से जानते हैं कि वह (राहुल गांधी) सच बोलते हैं, आप मणिपुर में अपने पड़ोसियों के लिए खड़े नहीं हुए और असम के लोगों को लूट रहे हैं। वह केवल लोगों की भावनाओं को दोहरा रहे हैं जिससे आप भयभीत हो जाते हैं। उनके जवाब में शर्मा ने कहा कि चुनाव के दौरान हमें राहुल गांधी की जरूरत है, भाई। शर्मा के जवाब के बाद खड़गे ने कहा कि भाईसाहब! दस साल बाद भी आपको अपने स्टार प्रचारक गोदी मीडिया, सीबीआई, आईटी, ईडी की जरूरत है। उन्हें समीकरण से बाहर निकालें और देख लें कि आपके महल ढह रहे हैं। उन्होंने कहा कि आपका नेता संवाददाता सम्मेलन नहीं कर सकते और न ही टेलीप्रॉम्प्टर के बिना संबोधित कर सकते है, लोगों के साथ पदयात्रा की बात तो भूल ही जाइए। शर्मा ने आरोप लगाया कि कांग्रेस द्वारा राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह के दौरान असम में यात्रा का आयोजन करना सांप्रदायिक तनाव पैदा करने की राजनीतिक साजिश थी। उन्होंने कहा कि अयोध्या में प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम के दिन उन्होंने (गांधी ने) सांप्रदायिक तनाव भड़काने के लिए अल्पसंख्यक बहुल जिलों नगांव और मोरीगांव की यात्रा करने का फैसला किया था। शर्मा ने कहा, हमें गुवाहाटी में गड़बड़ी पैदा करने के उनके इरादे की झलक मिल गई और हमने ऐसी कोशिशों को नाकाम कर दिया। राज्य सरकार को कानून-व्यवस्था को नियंत्रण में रखना होता है। यह पूछे जाने पर कि क्या कांग्रेस नेता के प्रति उनकी कोई व्यक्तिगत शिकायत है, मुख्यमंत्री शर्मा ने कहा कि हां, मुझे राहुल गांधी पसंद नहीं हैं। यह व्यक्तिगत है, लेकिन यह राजनीतिक रूप से तब परिलक्षित होगा जब पार्टी को 2019 की तुलना में कम वोट मिलेंगे और कांग्रेस ज्यादातर निर्वाचन क्षेत्रों में भारी अंतर से हार जाएगी। उन्होंने कहा कि एक मीडिया संगठन ने दावा किया है कि राहुल गांधी अपनी बस यात्रा के दौरान बॉडी डबल का इस्तेमाल कर रहे थे, जिसका मतलब है कि जो व्यक्ति बस में बैठे थे और खिड़की से लोगों की ओर हाथ हिला रहे थे, वह शायद राहुल गांधी नहीं थे। यह पूछे जाने पर कि क्या राहुल गांधी ने वाकई *बॉडी डबल* का इस्तेमाल किया था, शर्मा ने कहा कि इसकी जांच करना और सच्चाई का पता लगाना मीडिया का काम है। उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस महात्मा गांधी के दर्शन से हटकर शहरी नक्सलियों के दर्शन को मानने लगी है। शर्मा ने असम में भारत जोड़ो न्याय यात्रा के दौरान राहुल गांधी के साथ चल रहे कंटेनर की तस्वीरें दिखाईं और दावा किया, यह एक पांच सितारा यात्रा है जिसकी हम कल्पना भी नहीं कर सकते हैं। वहां एक भोजन कक्ष है और उन्होंने (राहुल गांधी) विभिन्न स्थानों पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं द्वारा तैयार किया गया भोजन नहीं खाया। राहुल की यात्रा राज्य में 18 जनवरी को शुरू हुई थी और बृहस्पतिवार को यात्रा पश्चिम बंगाल में प्रवेश कर गई।

केरिपुबल 129वीं वाहिनी ने राष्ट्रीय मतदाता दिवस मनाया

कोकराझाड़ (हिंस)। जिला के भोटगांव स्थित केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (केरिपुबल) की 129वीं वाहिनी मुख्यालय में आज सुबह राष्ट्रीय मतदाता दिवस मनाया गया। सर्वप्रथम 129वीं बटालियन के द्वितीय कमान अधिकारी अनिल कुमार सिंह, द्वारा उपस्थित सभी अधिकारियों, अधीनस्थ अधिकारियों एवं अन्य कार्मिकों को राष्ट्रीय मतदाता दिवस के महत्व के बारे में अवगत कराया। उन्होंने कहा कि वर्ष 1950 से स्थापित चुनाव आयोग के 61वें स्थापना वर्ष पर 25 जनवरी 2011 को तत्कालीन राष्ट्रपति प्रतिभा देवी सिंह पाटिल ने राष्ट्रीय मतदाता दिवस का शुभारंभ किया गया था। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के अतिरिक्त डॉ. सुनिल धाकड़, मुख्य चिकित्सा अधिकारी (ओजी), उप कमांडेंट सौरभ कुमार, सहित बटालियन के सभी अधीनस्थ अधिकारी एवं जवान सम्मिलित हुए तथा द्वितीय कमान अधिकारी 129वीं बटालियन अनिल कुमार सिंह द्वारा उन्हें मतदाता दिवस की शपथ दिलवाई गई।

बीटीसी प्रमुख प्रमोद बोड़ो ने सचिवालय में ई-ऑफिस प्रबंधन प्रणाली को किया लांच

कोकराझाड़ (विभास)। ई-ऑफिस प्रबंधन प्रणाली आज बोड़ोलैंड टेरिटोरियल काउंसिल (बीटीसी) सचिवालय में बीटीसी प्रमुख प्रमोद बोरो द्वारा लांच की गई, जिससे यह असम सरकार के बाद इस प्रणाली को अपनाने वाली पहली छठी अनुसूची परिषद बन गई। बोरो ने कार्यक्रम शुरू करते समय उल्लेख किया कि ई-ऑफिस ढांचा न केवल तेजी से विकास करेगा बल्कि अधिकारियों के बीच दक्षता भी सुनिश्चित करेगा। उन्होंने उल्लेख किया कि ई-ऑफिस ने बोड़ोलैंड प्रादेशिक क्षेत्र (बीटीआर) के पांच जिलों में रहने वाले लगभग पैंतीस लाख नागरिकों के लाभ के लिए स्मार्ट गवर्नेंस के एक नए युग का मार्ग प्रशस्त किया है। बोरो ने बीटीआर के लोगों की आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए एक समर्थक के रूप में नए शासन उपायों को अपनाने के महत्व को भी रेखांकित किया। बोड़ोलैंड प्रादेशिक परिषद के सभी अधिकारियों को समर्पित व्यक्तिगत लॉगिन पहचान और डिजिटल हस्ताक्षर प्रदान किए गए हैं और बीटीसी सचिवालय के 55 (पचास) विभागों, शाखाओं और कोशिकाओं से 65000 (पैंसठ हजार) से अधिक फाइलों को डिजिटल किया गया है। ई-ऑफिस संचालन की प्रक्रिया को कारगर बनाने के लिए मुख्य कार्यकारी सदस्य, कार्यकारी सदस्यों, बीटीसी विधानसभा अध्यक्ष और अधिकारियों सहित सभी के लिए व्यक्तिगत सूचना प्रबंधन प्रणाली (पीआईएमएस) डेटा तैयार किया गया है। बीटीसी के संयुक्त सचिव भास्करज्योति राजबोंगशी ने उल्लेख किया कि ई-गवर्नेंस की नई मांगों को पूरा करने के लिए आईटी बुनियादी ढांचे को उन्नत किया जा रहा है और बीटीसी के लिए अलग ई-ऑफिस सॉफ्टवेयर का निर्माण 16 दिसंबर 2023 को शुरू और तैनात किया गया था। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि ले आउट बीटीसी सचिवालय में लोकल एरिया नेटवर्क का कार्य भारत सरकार के इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय की सहायक कंपनी के माध्यम से किया गया था। रोल आउट टीम और मास्टर ट्रेनर्स द्वारा बीटीसी सचिवालय में स्थापित ई-लैब में व्यावहारिक प्रशिक्षण आयोजित किया गया। फाइलों को वैज्ञानिक ढंग से संग्रहित करने के लिए एक अत्याधुनिक रिकॉर्ड रूम का भी निर्माण किया गया है। कार्यान्वयन के प्रारंभिक चरण में प्रक्रिया की निगरानी के लिए बीटीसी सचिवालय के कर्मचारियों में से 8 (आठ) मास्टर प्रशिक्षकों की एक टीम का चयन किया गया और दिसपुर में असम सचिवालय (सिविल) की ई-ऑफिस टीम द्वारा प्रशिक्षित किया गया। ई-ऑफिस सरकार के राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस कार्यक्रम के तहत एक मिशन मोड प्रोजेक्ट (एमएमपी) है। यह उत्पाद राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र (एनआईसी) द्वारा विकसित किया गया है और इसका उद्देश्य अधिक कुशल, प्रभावी और पारदर्शी अंतर-सरकारी और अंतर-सरकारी लेनदेन और प्रक्रियाओं को शुरू करना है।

राज्यपाल ने एपीएससी सदस्यों को दिलाई पद एवं गोपनीयता की शपथ

गुवाहाटी (हिंस)। असम के राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया ने आज राजभवन के कॉन्फ्रेंस हॉल में आयोजित एक समारोह में मेजर जनरल (सेवानिवृत्त) भास्कर कलिता और आईपीएस (सेवानिवृत्त) देबोराज उपाध्याय को असम लोक सेवा आयोग (एपीएससी) के नए सदस्यों के रूप में पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। कार्यक्रम के आरंभ में अशम सरकार के मुख्य सचिव असम के पबन कुमार बोरठाकुर ने समारोह की कार्यवाही शुरू करने के लिए राज्यपाल से अनुमति मांगी। समारोह में अन्य लोगों के अलावा एपीएससी के अध्यक्ष भारत भूषण देव चौधरी, एपीएससी के सदस्य और अन्य पदाधिकारी, राज्य सरकार के वरिष्ठ अधिकारी और नए शामिल पदाधिकारियों के परिवार के सदस्य उपस्थित थे।

सीआरपीएफ के 175वें बटालियन का नि:शुल्क कोचिंग क्लास व प्री. रिक्रूटमेंट प्रशिक्षण कार्यक्रम संपन्न

गुवाहाटी। केरिपु बल द्वारा सिविक एक्शन कार्यक्रम करने का मुख्य उद्देश्य आम नागरिकों के साथ मधुर संबंध स्थापित करना एवं उनके मन में बल के प्रति सदभावना व विश्वास बनाये रखना है इसी उदेश्य को लेकर कामरुप (ग्रामीण) जिले में स्थित 175 बटालियन, केरिपु बल, रानी, कामरुप (ग्रामीण) द्वारा शांति एवं कानुन व्यवस्था बनाए रखने के साथ-साथ ग्रामीण इलाको में रहने वाले व आर्थिक रूप से पिछड़े युवाओं हेतु दिनांक 16/01/2024 से 25/01/2024 तक एक सप्ताह के पुलिस, केंद्रीय सुरक्षा बल, सेना में भर्ती होने व अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता पाने हेतु नि:शुल्क कोचिंग क्लासेस एवं प्री. रिक्रूटमेंट प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। जिसमें क्षेत्रों के आर्थिक रूप से कमजोर 8 बोड़ो युवक एवं 03 बोड़ो

युवतियों का चयन करके उन्हे पाठ्य सामग्री देकर अपने कैम्प में अनुभवी प्रशिक्षको की टीम के द्वारा उनकी लिखित परीक्षा व शारीरिक दक्षता की तैयारी कराई गई, ताकि अभ्यर्थी विभिन्न प्रतियोगिता परीक्षाओं के लिखित व शारीरिक परीक्षा में सफलता प्राप्त कर सके। आज दिनांक 25/01/2024 को एक सप्ताह के प्री. रुक्रूटमेंट प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन श्री राजीव कुमार झा, कमांडेंट-175 बटालियन, केरिपु बल, रानी के द्वारा किया गया। श्री राजीव कुमार झा, कमांडेंट ने समापन समारोह कार्यक्रम में शामिल छात्र एवं छात्राओं को संबोधित करते हुऐ उनका मनोबल बढ़ाया और जीवन में सफलता हासिल करने के लिए उन्हें प्रेरित कर उनका समुचित मार्गदर्शन करते हुऐ आश्वासना दिया की भविष्य में किसी भी प्रकार की जरुरत पड़ने पर बटालियन द्वारा उसे पूरा किये जाने का हर संभव प्रयास किया जायेगा। इस कार्यक्रम में बटालियन के श्री केएल धीमान (द्वितीय कमान अधिकारी), डॉ. दीप्ती बुरले (विरिष्ट चिकित्सा अधिकारी), श्री जय प्रकाश कुमार (सहा. कमांडेंट) एवं बटालियन के कार्मिक कार्यक्रम में उपस्थिति रहे। अंत में सभी प्रशिक्षु युवक एवं युवतीयों व बटालियन के कार्मिकों को जलपान भी करवाया गया। प्रशिक्षु युवक एवं युवतीयों द्वारा 175 बटालियन के उनके कैरियर निर्माण में इस मदद व मार्गदर्शन के लिए 175 बटालियन व केरिपु बल का धन्यवाद करते हुऐ भविष्य में भी इस प्रकार के कार्यक्रम आयोजित करने व इस कार्यक्रम की अवधि एक सप्ताह और बढ़ाने का अनुरोध किया।

दो ड्रग्स तस्कर गिरफ्तार

कामरूप (हिंस)। नशे के खिलाफ कामरूप जिले के हाजो पुलिस की छापेमारी जारी है। इस कड़ी में दो ड्रग्स तस्करों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। दोनों ड्रग्स तस्करों के पास से हेरोइन के 11 पैकेट (125.6 ग्राम) बरामद किए गए। इसकी बाजार कीमत करीब 9 लाख रुपए बताई गई है। पुलिस सूत्रों ने आज बताया है कि गिरफ्तार तस्करों की पहचान जियाउर रहमान उर्फ बेंगा और अब्बास अली उर्फ तनु के रूप में की गई। दोनों ड्रग्स तस्करों के पास से 125.6 ग्राम हेरोइन, एक मोबाइल फोन, एक चार पहिया वाहन (एएस-01एफटी-1694) और एक बाइक बरामद की गई है। दोनों ड्रग्स तस्कर शानियादी मरोबाड़ी के निवासी बताए गए हैं। हाजो पुलिस इस संबंध में एक प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच शुरू की है।

रिश्वत लेते गिरफ्तार गांव प्रधान

कामरूप (हिंस)। सतर्कता और भ्रष्टाचार निरोधक निदेशालय द्वारा आज कामरूप जिले के एक ग्राम प्रधान को रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया गया। दी गई औपचारिक जानकारी के अनुसार निदेशालय में एक शिकायत प्राप्त हुई थी, जिसमें आरोप लगाया गया था कि कुमारपाटा और कामरूप जिले के सोताशिल के गांव प्रधान मनुवर इस्लाम ने रिश्वत की मांग की थी। शिकायतकर्ता की भूमि के रूपांतरण के संबंध में ग्राम भूमि प्रबंधन समिति (वीएलएमसी) की रिपोर्ट जारी करने के लिए शिकायतकर्ता से पांच हजार रुपए की रिश्वत मांगी गई। बाद में गांव प्रधान ने रिश्वत की रकम घटाकर तीन हजार रुपए कर दी थी। रिश्वत देने के इच्छुक नहीं होने पर, शिकायतकर्ता ने उपरोक्त लोक सेवक के खिलाफ आवश्यक कानूनी कार्रवाई करने के लिए इस निदेशालय से संपर्क किया। तदनुसार, आज सतर्कता और भ्रष्टाचार निरोधक निदेशालय, असम की एक टीम द्वारा कामरूप में जाल बिछाया गया। मनुवर इस्लाम को जवाहरलाल नेहरू उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, केंदुकोना, जिला- कामरूप के पास रुपए लेते ही स्वतंत्र गवाहों की उपस्थिति में रंगे हाथों पकड़ लिया गया। शिकायतकर्ता से तीन हजार रुपए रिश्वत की मांग की गई। उसके कब्जे से रिश्वत की रकम बरामद कर ली गई है और स्वतंत्र गवाहों की मौजूदगी में उसे जब्त कर लिया गया है। इस संबंध में एसीबी पुलिस स्टेशन में एक मामला दर्ज किया गया है। उपरोक्त लोक सेवक के विरुद्ध पर्याप्त साक्ष्य पाते हुए उसे उपरोक्त मामले के संबंध में गिरफ्तार कर लिया गया है। आवश्यक कानूनी अनुवर्ती कार्रवाई चल रही है।

कछार पुलिस ने दो कुख्यात लुटेरों को किया गिरफ्तार

कछार (हिंस)। कछार पुलिस ने दो कुख्यात लुटेरे को गिरफ्तार कर लिया। सिलचर में लंबे समय से हाइवे पर आतंक का पर्याय बने हाइवे लूटेरे आखिरकार पुलिस की गिरफ्त में आ गए। अब्दुल अजीज और अब्दुल उवाब के रूप में गिरफ्तार लुटेरों की पहचान हुई है। पुलिस ने आज बताया की एक गुप्त सूचना के आधार पर चलाए गए एक अभियान के दौरान बीती रात कछार के काटीगोड़ा से इन दोनों खूंखार लूटेरों को गिरफ्तार किया गया। एक पेट्रोल पंप से इन्हें गिरफ्तार करने में पुलिस को कामयाबी मिली। पुलिस दोनों से पूछताछ में जुटी हुई है।

फैंसी बाजार शनि मंदिर चौराहे पर दो जैन साधुओं का मांगलिक मिलन

गुवाहाटी (विभास)। महानगर में आज फैंसी बाजार शनि मंदिर चौराहे पर दो महान संत जैन आचार्य प्रमुख सागर जी महाराज व जैन मुनि अरिजीत सागर जी महाराज का मंगलमय मिलन हुआ। मुनि अरिजीत सागर जी महाराज नलबाड़ी से कल शाम पांडू जैन मंदिर में पधार चुके थे एवं सुबह 7:30 बजे माछखुवा पेट्रोल पंप पर फैंसी बाजार के लोगों ने उनका भव्य स्वागत करते हुए फैंसी बाजार जैन मंदिर तक साथ चले। इसी दौरान शनि मंदिर चौराहे पर मुनी अरिजीत सागर जी ने आचार्य श्री प्रमुख सागर महाराज के पाद प्रक्षालन कर प्रदक्षिणा कर उनके साथ फैंसी बाजार बड़ा जैन मंदिर में श्री जी के दर्शन कर प्रवचन हाल में पधारे। उल्लेखनीय है कि मुनि अरिजीत सागर जी महाराज गुवाहाटी सकल दिगंबर जैन समाज के अनुरोध पर नलबाड़ी से गुवाहाटी में पूर्वोत्तर दिगंबर जैन समाज के सौजन्य से आयोजित होने वाले श्री सूर्य पहाड़ पंचकल्याणक महोत्सव में भाग लेने के लिए पधारे हैं। इस अवसर पर आचार्य प्रमुख सागर जी महाराज ने कहा कि आज दो जैन साधुओं के संगम से गुवाहाटी एक संगम स्थल बन गया है। पूर्वोत्तर में साधु तो बहुत आते हैं मगर गुवाहाटी में साधुओं का आना बहुत मुश्किल है। गुवाहाटी में अगर आ जाते हैं तो महावीर स्थल में आना मुश्किल है। लेकिन आज एक आश्चर्य से भी आश्चर्य हुआ कि दो मुनियों का संगम हुआ है। इस अवसर पर अरिजीत सागर जी महाराज ने कहा कि आज महावीर स्थल में आकर आचार्य श्री प्रमुख सागर जी के दर्शन कर बहुत आनंदित हुआ हुं। बहुत समय से लंबित इच्छा आज पूर्ण हुई है। इससे पहले आचार्य श्री प्रमुख सागर जी महाराज गाजे बाजे के साथ महावीर स्थल से शनि मंदिर चौराहे पधारे एवं दूसरी और माछखोवा पेट्रोल पंप से अरिजीत सागर जी महाराज गाजे बाजे के साथ शनि मंदिर चौराहे पर पहुंचे। दोनों संतों के मिलन को देखने के लिए सैकड़ों की संख्या में जैन समुदाय के लोग वहां एकत्र हुए। इस अवसर पर दिगंबर जैन पंचायत के अध्यक्ष महावीर जैन,सचिव वीरेंद्र सरावगी, जनसंपर्क समिति के प्रमुख संयोजक ओमप्रकाश सेठी के अलावा समाज के कई वरिष्ठ गणमान्य व्यक्ति पुरुष व महिलाएं उपस्थित थी।

गोलाघाट के देरगांव में एक बुजुर्ग की नृशंस हत्या

गोलाघाट (हिंस)। जिले के देरगांव के निकट बादुलीपुर में एक बुजुर्ग की हत्या का मामला सामने आया है, जहां एक बुजुर्ग का शव उसके घर में कुर्सी से बंधा हुआ मिला। साथ ही उसके आंख पर पट्टी बंधे हुए थे। सूत्रों के अनुसार मृतक बुजुर्ग की उम्र 81 वर्ष है। हत्या की सूचना पाकर पुलिस की एक टीम घटना स्थल पर पहुंची और मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए नजदीकी अस्पताल में भेज दिया। उल्लेखनीय है कि 6 महीने पहले उसकी पत्नी का शव भी उसी घर में मिला था। पुलिस ने इस मामले में प्राथमिकी दर्ज कर इस हत्या के पीछे की वजह का पता लगाने में जुट गई है। इस हत्या की खबर से पूरे इलाके को सन्नाटा पसर गया है।

मैंने एक जॉब से त्यागपत्र दिया है, सेवा से नहीं : आनंद मिश्रा

गुवाहाटी (विभास)। पूर्वोत्तर हिंदुस्तानी सम्मेलन के सौजन्य से फैंसी बाजार सांगानेरिया धर्मशाला में धुबड़ी, नगांव व लखीमपुर के पूर्व पुलिस अधीक्षक आनंद मिश्रा का विदाई समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर पूर्वोत्तर हिंदुस्तानी सम्मेलन के अध्यक्ष देवेंद्र राय, अखिल असम कलवार समाज के अध्यक्ष संतोष जायसवाल, उपाध्यक्ष कन्हैया जायसवाल, अखिल भारतीय मारवाड़ी महिला सम्मेलन मध्य गुवाहाटी की अध्यक्ष रितु अग्रवाल ने दीप प्रज्वलित करके कार्यक्रम का शुभारंभ किया। अपने विदाई संबोधन में बोलते हुए आनंद मिश्रा ने कहा कि पुलिस सेवा में मुझे जो अनुभव मिला, जो आयाम मिला और जो पहचान मिली इसी का मैं सदुपयोग करना चाहता हूं। ताकि इस आयाम को और अधिक ऊंचा ले जाऊं। मैंने एक जॉब से त्यागपत्र दिया है सेवा से नही। बस सेवा का तरीका बदल जाएगा। अभी तो 20 लाख लोगों के लिए काम कर रहा हूं। मौका मिले तो भारत के 20 करोड लोगों के लिए काम करूंगा। इसी उद्देश्य से मै दूसरी लाइन की तरफ मुड़ रहा हूं। राजनीति में प्रवेश के बारे में बोलते हुए कहा कि हम सभी एक राजनीति के माहौल में ही रहते हैं।पर मेरा क्षेत्र सामाजिक होगा। अगर सामाजिक काम करने में राजनीति मंच की आवश्यकता हो तो मुझे इससे कोई परहेज नहीं है। लेकिन में राजनीति सोच के नहीं जा रहा हूं।असम के बारे में बोलते हुए उन्होंने कहा कि असम से मुझे काफी कुछ सीखने को मिला है। मैं अपने सामाजिक सेवा के क्षेत्र में असम को भी शामिल कर रहा हूं। जब भी मौका मिलेगा असम आते जाते रहूंगा। इससे पहले कलवार समाज के अध्यक्ष संतोष जायसवाल ने स्वागत भाषण देते हुए कहा कि पुलिस अधीक्षक आनंद मिश्रा ने पुलिस के इतने बडे पद से त्यागपत्र देकर अपने घर जाकर समाज सेवा करना चाहते हैं। हमें इसे काफी सीख लेने की जरूरत है। हमें भी चाहिए कि हम हिंदी भाषी समाज भी असम के लिए समर्पित होकर सेवा कार्य करें। विदाई सम्मान की कड़ी में राम जानकी मंदिर समिति के जयराम सिंह, बाबोसा भक्त मंडल के गजराज सुराणा व सुनील सेठिया, अखिल भारतीय मारवाड़ी महिला सम्मेलन मध्य गुवाहाटी शाखा की तरफ से रितु अग्रवाल ने आनंद मिश्रा को गमछा, जापी, सराई और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। आनंद मिश्रा के सम्मान में एक संक्षिप्त सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किया गया।

मणिपुर पुलिस ने 228 लोगों को लिया हिरासत में, दो बंकर नष्ट

इंफाल (हिंस)। मणिपुर पुलिस ने राज्य के विभिन्न जिलों के संवेदनशील तथा दुर्गम इलाकों में सघन छापामारी तथा तलाशी अभियान चलाया। अभियान में भारतीय दंड संहिता (संशोधित भारतीय न्याय संहिता) की अलग-अलग धाराओं के उल्लंघन के सिलसिले में 228 लोगों को हिरासत में लिया। इस दौरान चुराचांदपुर जिले के डंपी रेंज में सुरक्षा बलों ने दो बंकर नष्ट किया। पुलिस ने आज बताया कि आवश्यक वस्तुओं के साथ राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 37 पर 228 तथा राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 2 पर 173 वाहनों की आवाजाही सुनिश्चित की गई है। वाहनों की स्वतंत्र और सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित करने के लिए सभी संवेदनशील स्थानों पर कड़े सुरक्षा उपाय किए गए हैं। संवेदनशील क्षेत्रों में सुरक्षा बलों को व्यापक पैमाने पर तैनात किया गया है। पुलिस ने बताया कि पहाड़ी और घाटी दोनों में मणिपुर के विभिन्न जिलों में 136 नाके और जांच चौकियां स्थापित की गई हैं।

मणिराम देवान ट्रेड सेंटर में चार दिवसीय नॉर्थ ईस्ट फूडटेक का शुभारंभ

गुवाहाटी। महानगर के मणिराम देवान ट्रेड सेंटर में 4 दिवसीय नॉर्थ ईस्ट फूडटेक का शुभारंभ हुआ। इस अवसर पर एसोसिएट चैंबर आफ कामर्स एंड इंडस्ट्री असम के अध्यक्ष, टूर ऑपरेटर एसोसिएशन ऑफ़ आसाम के अध्यक्ष देवजीत बोरा, होटल और रेस्टोरेंट एसोसिएशन ऑफ असम के अध्यक्ष मृगांक हजारिका, ऑल असम रेस्टोरेंट एसोसिएशन के अध्यक्ष शेफ अतुल लहकर और नॉर्थ ईस्ट फूड टेक 2024 के मुख्य संयोजक जाकिर हुसैन उपस्थित थे। 4 दिन चलने वाले फूडटेक में पूरे भारत की लगभग 90 कंपनियों ने हिस्सा लिया है, इस प्रदर्शनी का आयोजन होटल एंड रेस्तरां एसोसिएशन ऑफ असम, आल असम रेस्तरां एसोसिएशन के सहयोग से कोलकाता फूडटेक द्वारा किया गया है, बड़े ही विशाल व्यासायिक प्रदर्शनी में खाद्य पदार्थों को बनाने वाली आधुनिक मशीनरी बनाने वाली कंपनियों ने पैकेजिंग तकनीक,पैकेजिंग मशीन, मिठाई एवं बेकरी का सामान बनाने वाली मशीन, खाद्य और पीएफ प्रसंस्करण उपकरण फूड डिस्प्ले सिस्टम, कमर्शियल रेफ्रिजरेशन, किचन उपकरण खाद्य संबंधी सामग्री एवं हॉस्पिटैलिटी इंडस्ट्रीज से संबंधित उपकरण और अन्य मशीनों का प्रदर्शन किया गया है

संपादकीया

बेतुकी सुरक्षा परिषद

दुनिया की सबसे बड़ी आबादी, 142 करोड़ से अधिक, वाला देश भारत संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद का स्थायी, वीटोधारक सदस्य नहीं है, यह बहुत बेतुकी बात है। ऐसी टिप्पणी कई देशों के राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री और राजनयिक कर चुके हैं, लेकिन इस बार दुनिया के सबसे अमीर उद्योगपति एलन मस्क ने यह टिप्पणी की है, तो उसे गंभीरता से लिया गया है। अंतरराष्ट्रीय मीडिया इस पर महत्वपूर्ण टिप्पणियां कर रहा है और भारत की दावेदारी का पक्षधर है। एलन मस्क का सुरक्षा परिषद से कोई प्रत्यक्ष सरोकार नहीं है, लेकिन मस्क मौजूदा दुनिया के एक बेहद प्रभावशाली नागरिक हैं। संयुक्त राष्ट्र के गठन के करीब 80 साल बाद मस्क भी चिंतन कर रहे हैं कि विश्व के यथार्थ के संदर्भ में सुरक्षा परिषद सरीखी संस्थाओं का क्या योगदान और प्रासंगिकता है? भारत सिर्फ सबसे अधिक आबादी वाला देश नहीं है, बल्कि विश्व के औसतन 5 लोगों में एक भारतीय है, भारत की अर्थव्यवस्था विश्व में तीसरे स्थान की तरफ बढ़ रही है और वह शीघ्र ही 5 ट्रिलियन डॉलर का राष्ट्र होगा, भारत उत्पादन और निर्माण में सबसे बड़ा बाजार है, क्या ऐसे देश को नजरअंदाज किया जा सकता है? संयुक्त राष्ट्र के गठन के बाद सुरक्षा परिषद को जब भी बनाया गया होगा, तभी से अमरीका, चीन, रूस, ब्रिटेन और फ्रांस ही उसके स्थायी और वीटोधारक सदस्य-देश हैं और पांचों ही आपस में गिट्टियां खेलते रहते हैं। भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने कहा था कि वे पांच स्वयंभू चौधरी हैं, जो एक साथ बैठ कर पूरी दुनिया के फैसले लेते रहते हैं। रूस की 'अवैधता' पर तो सवाल किए जाते रहे हैं। दरअसल सोवियत संघ स्थायी सदस्य था। उसके विघटन के बाद रूस को सदस्यता स्थानांतरित कर दी गई, क्योंकि रूस सोवियत संघ का सबसे बड़ा देश था। सुरक्षा परिषद का यह कैसा संविधान और नियम है? बहरहाल पांच में से तीन की आर्थिक, व्यापारिक, संगठनात्मक ताकत से ज्यादा भारत आज के बहुध्रुवीय विश्व में प्रभावशाली है। संयुक्त राष्ट्र अथवा सुरक्षा परिषद रूस-यूक्रेन और इजरायल-हमास युद्धों में हस्तक्षेप कर शांति-स्थापना में नाकाम रही है। इजरायल-हमास युद्ध एक स्थायी समाधान, युद्धविराम की स्थिति तक पहुंचने वाला था, लेकिन अमरीका ने 'वीटो' के जरिए उस प्रस्ताव को ही खारिज करवा दिया। चीन भारतीय हितों के लिए अवरोधक बना रहा है और 'वीटो' के जरिए पाकिस्तान के घोषित आतंकियों और आतंकी संगठनों को बचाता रहा है। चीन अमरीका-विरोधी और रूस-समर्थक है, लिहाजा यूक्रेन युद्ध को विराम देने वाले प्रस्ताव नाकाम होते रहे हैं। चीन ही भारत की स्थायी सदस्यता का विरोध करता रहा है। भारत ने जी-20 देशों के शिखर सम्मेलन की अध्यक्षता की थी। भारत हिंद-प्रशांत महासागर क्षेत्र के 'क्वाड' संगठन का सदस्य है, जिसमें अमरीका, जापान, ऑस्ट्रेलिया भी शामिल हैं। करीब 80 साल के बाद संयुक्त राष्ट्र के ढांचे और कार्यप्रणाली में सुधार और बदलाव किए जाने चाहिए, यह प्रस्ताव 2015 में संयुक्त राष्ट्र की ही 193 सदस्यीय आम सभा में पारित किया जा चुका है, लेकिन फिर भी यथास्थिति ही है। भारत ने अटल बिहारी वाजपेयी के प्रधानमंत्री काल में इस सदस्यता के लिए कई अंतरराष्ट्रीय कोशिशें कीं। ये प्रयास डॉ. मनमोहन सिंह के प्रधानमंत्री बनने के बाद भी जारी रहे। गौरतलब है कि जब 2008 में ब्रिटेन के प्रधानमंत्री गॉर्डन ब्राउन भारत आए थे, तब उन्होंने साझा प्रेस ब्रीफिंग में कहा था कि यदि भारत सुरक्षा परिषद की मेज पर नहीं है, तो दुनिया की बहुत सी समस्याएं कभी नहीं सुलझेंगी। अब प्रधानमंत्री मोदी ने यह मुद्दा विश्व के कई मंचों पर उठाया है और कई राष्ट्राध्यक्षों से इसकी वकालत कराई है। न तो संयुक्त राष्ट्र के ढांचे में सुधारों की शुरुआत हो पा रही है और न ही सुरक्षा परिषद खुलासा कर रही है कि आखिर कारण क्या हैं?

> भारत की अर्थव्यवस्था विश्व में तीसरे स्थान की तरफ बढ़ रही है और वह शीघ्र ही 5 ट्रिलियन डॉलर का राष्ट्र होगा, भारत उत्पादन और निर्माण में सबसे बड़ा बाजार है, क्या ऐसे देश को नजरअंदाज किया जा सकता है? संयुक्त राष्ट्र के गठन के बाद सुरक्षा परिषद को जब भी बनाया गया होगा, तभी से अमरीका, चीन, रूस, ब्रिटेन और फ्रांस ही उसके स्थायी और वीटोधारक सदस्य-देश हैं और पांचों ही आपस में गिट्टियां खेलते रहते हैं। भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने कहा था कि वे पांच स्वयंभू चौधरी हैं, जो एक साथ बैठ कर पूरी दुनिया के फैसले लेते रहते हैं। रूस की 'अवैधता' पर तो सवाल किए जाते रहे हैं। दरअसल सोवियत संघ स्थायी सदस्य था। उसके विघटन के बाद रूस को सदस्यता स्थानांतरित कर दी गई, क्योंकि रूस सोवियत संघ का सबसे बड़ा देश था। सुरक्षा परिषद का यह कैसा संविधान और नियम है? बहरहाल पांच में से तीन की आर्थिक, व्यापारिक, संगठनात्मक ताकत से ज्यादा भारत आज के बहुध्रुवीय विश्व में प्रभावशाली है। संयुक्त राष्ट्र अथवा सुरक्षा परिषद रूस-यूक्रेन और इजरायल-हमास युद्धों में हस्तक्षेप कर शांति-स्थापना में नाकाम रही है। इजरायल-हमास युद्ध एक स्थायी समाधान, युद्धविराम की स्थिति तक पहुंचने वाला था, लेकिन अमरीका ने 'वीटो' के जरिए उस प्रस्ताव को ही खारिज करवा दिया। चीन भारतीय हितों के लिए अवरोधक बना रहा है और 'वीटो' के जरिए पाकिस्तान के घोषित आतंकियों और आतंकी संगठनों को बचाता रहा है। चीन अमरीका-विरोधी और रूस-समर्थक है, लिहाजा यूक्रेन युद्ध को विराम देने वाले प्रस्ताव नाकाम होते रहे हैं।

हमें जीवन का वह सत्य सिखाती है जिससे हम जीवन को बेहतर समझ पाने के काबिल हो जाते हैं

विज्ञान, अध्यात्म और हम

पीके खुरराना

> हम दोनों ही अपने-अपने पूर्वाग्रहों के कारण 'संपूर्ण सत्य' या यूं कहें कि असली सच को, सचमुच वाले सच को नहीं देख पाते। फिर भी कुछ चीजें ऐसी हैं जिन्हें कुछ लोगों ने देखा है, समझा है और समझाने की कोशिश की है। जीवन है तो हमें एक शरीर मिला है और इस शरीर की देखभाल करना हमारी जिम्मेदारी है। हम मौसम के हिसाब से खाना खाएं, मौसमी फलों का आनंद लें और देश-दुनिया के जिस भाग में हों उस भाग में प्रचलित पारंपरिक भोजन को अपनाएं क्योंकि वह भोजन स्थानीय जलवायु के अनुरूप होता है और शरीर के ज्यादा माफिक आता है।

संत जन कहते हैं : 'नेति, नेति।' परमात्मा क्या है, हम नहीं जान सकते। अंतिम सत्य क्या है, हम नहीं जान जान सकते। विद्वजन शायद इसीलिए कहते हैं कि किसी भी स्थिति में एक हमारा सच होता है, एक सामने वाले का सच होता है और एक सचमुच का सच होता है। यह 'सचमुच का सच' ही एक ऐसी पहेली है जिस तक हम कभी नहीं पहुंच पाते, क्योंकि हर स्थिति को, हर घटना को हम अपने नजरिये से देखते हैं, अपने नजरिये से परिभाषित करते हैं और सामने वाला अपने नजरिये से परिभाषित करता है। हम दोनों ही अपने-अपने पूर्वाग्रहों के कारण 'संपूर्ण सत्य' या यूं कहें कि असली सच को, सचमुच वाले सच को नहीं देख पाते। फिर भी कुछ चीजें ऐसी हैं जिन्हें कुछ लोगों ने देखा है, समझा है और समझाने की कोशिश की है। जीवन है तो हमें एक शरीर मिला है और इस शरीर की देखभाल करना हमारी जिम्मेदारी है। हम मौसम के हिसाब से खाना खाएं, मौसमी फलों का आनंद लें और देश-दुनिया के जिस भाग में हों उस भाग में प्रचलित पारंपरिक भोजन को अपनाएं क्योंकि वह भोजन स्थानीय जलवायु के अनुरूप होता है और शरीर के ज्यादा माफिक आता है। इस संबंध में यह भी समझना आवश्यक है कि अच्छी सेहत के लिए हमारा खानपान जितना महत्वपूर्ण है उतना ही बल्कि उससे कुछ ज्यादा ही महत्वपूर्ण है खाना खाने का हमारा तरीका। यह स्वयंसिद्ध है कि खाना खाने से हमें पोषण नहीं मिलता, पोषण मिलता है भोजन के उस भाग से जिसे हमने इतना चबा लिया कि वह पच भी गया। उसी से पोषण है, बाकी का भोजन या तो मल-मूत्र आदि के रूप में शरीर से बाहर निकल जाता है या फिर वसा के रूप में शरीर में जमा होकर गंदगी फैलाता है और बीमारियों का कारण बनता है। इसलिए पहला मंत्र है कि खाना खूब चबाकर खाएं। दूसरा मंत्र है कि हम हर रोज कुछ न कुछ व्यायाम अवश्य करें, सैर करें, साइकिल चलाएं, तैराकी करें या किसी खेल में हिस्सा लें। कुछ भी ऐसा करें जिससे शरीर में हरकत हो। तीसरा मंत्र है कि हम ताजी खुली हवा और सूरज की रोशनी में समय बिताएं। अच्छे स्वास्थ्य के लिए शरीर का ध्यान रखना ही काफी नहीं है, बल्कि मन का ध्यान रखना भी उतना ही जरूरी है क्योंकि अंततः विज्ञान भी यह मान रहा है कि अधिकांश लोग मानसिक रूप से बीमार हैं इसीलिए दुखी हैं। यही नहीं, विज्ञान यह भी मानता है कि मानसिक बीमारियां भी बहुत से शारीरिक रोगों का

कारण बनती हैं। चिकित्सा विज्ञान बहुत सी शारीरिक बीमारियों का कारण तक नहीं जान पाता, या यह भी नहीं मान पाता कि व्यक्ति को कोई बीमारी है। ऐसे बहुत से मामले सामने आए हैं जहां किसी व्यक्ति को लगातार बुखार आ रहा है, किसी भी दवाई से बुखार उतर नहीं रहा और बुखार का कोई कारण भी नहीं मिल रहा। कोई दूसरा व्यक्ति कहता है कि वह ठीक नहीं महसूस कर रहा, सभी तरह के लैबारेट्री टैस्ट हो गए और डॉक्टर कहते हैं कि कोई बीमारी है ही नहीं, मन का वहम है, जबकि व्यक्ति ठीक महसूस नहीं कर रहा। चिकित्सा विज्ञान ने बहुत उन्नति की है, इसके बावजूद चिकित्सा विज्ञान की अपनी सीमाएं हैं। तुर्रा यह कि आए दिन यह भी पता लगता है कि फार्मास्युटिकल इंडस्ट्री के स्वार्थों के कारण किसी बड़े सच को छुपा लिया गया, कोई बड़ा झूठ प्रचारित कर दिया गया ताकि ज्यादा से ज्यादा लोग दवाइयों के फेर में पड़ जाएं। अब जब बिना आवश्यकता के दवाइयां शुरू हो गईं तो उनका साइड इफैक्ट भी होगा और एक चंगा-भला व्यक्ति जो पूरी तरह से स्वस्थ था, दवाइयां खाने लग गया और उन दवाइयों के साइड इफैक्ट के कारण सचमुच बीमार हो गया। समस्या यह है कि हमारी शिक्षा पद्धति में ऐसी सीख शामिल ही नहीं है कि व्यक्ति मानसिक विकारों का शिकार होने से बच सके। गलाकाट प्रतियोगिता और दिखावटी जीवन ने ईष्या और द्वेष को जन्म दिया है, जिससे जीवन विषैला हो गया है। आध्यात्मिक चिकित्सा या स्पिरिचुअल हीलिंग की भूमिका यहीं से शुरू होती है। विज्ञान की बात तो छोड़िए, बहुत से धर्म भी पुनर्जन्म को नहीं मानते। धर्म फिर एक शारीरिक चीज है, कर्मकांड है, अध्यात्म उससे कहीं आगे की बात है। यही कारण है कि ऋषियों-मुनियों ने धर्म की नहीं बल्कि अध्यात्म की बात की है। पुनर्जन्म को लेकर विज्ञान तो चुप ही है, या इस विचार को पूरी तरह से नकारता है, लेकिन सच यह भी है कि पुनर्जन्म के बहुत से साक्ष्य दुनिया भर में उपलब्ध हैं और उन पर कोई विवाद नहीं है, तो भी विज्ञान ने इस मामले में अपनी आंखें बंद कर रखी हैं। यही कारण है कि एक सीमा के बाद विज्ञान आगे नहीं बढ़ पाता, तो फिर हमें अध्यात्म का सहारा लेना पड़ता है। अध्यात्म बहुत सहज है, बहुत सरल है, पर उसे समझ पाना आसान नहीं है और आधुनिक जीवनशैली वाले व्यक्ति के लिए उसे अमल में लाना तो और भी कठिन है। पूजा सिर्फ तभी पूजा है, जब हम प्रेममय हो जाते हैं, देश, धर्म, जाति, लिंग, क्षेत्र की बात छोडक़र हर व्यक्ति से प्रेम करने लगते हैं, बिना कारण प्रेम करने लगते हैं, और व्यक्ति से ही नहीं, हर वस्तु से प्रेम करने लगते हैं, हर जड़-चेतन जीवन का सम्मान करने लगते हैं, बिना कारण, बिना लालच, बिना किसी डर के। यह जीवनशैली अपना लें तो मानसिक रोग होते ही नहीं और मन हमेशा प्रसन्न-प्रफुल्लित रहता है। लेकिन अगर मानसिक विकार आ ही गए हों तो फिर आध्यात्मिक चिकित्सा सबसे बढिया उपाय है। आध्यात्मिक चिकित्सा सिर्फ चिकित्सा ही नहीं है बल्कि एक स्वस्थ जीवनशैली है जो मन की स्लेट से मैल हटाकर सारे मानसिक विकारों को साफ कर देती है। आज जब हम आधुनिकता के चक्कर में पडक़र अत्यंत विषैला जीवन जी रहे हैं तो आध्यात्मिक चिकित्सा इसका सबसे बढिया उपचार तो है ही, इससे भी आगे बढक़र यह हमारी विचारधारा को बदल देती है, हमें जीवन का वह सत्य सिखाती है जिससे हम जीवन को बेहतर समझ पाने के काबिल हो जाते हैं। आध्यात्मिक चिकित्सा हमें उस स्तर तक ले जा सकती है जिसे गीता में भगवान श्री कृष्ण ने निष्काम कर्म कहा है। जब सारी दुनिया नाच रही हो तो साथ में नाचने में कोई हर्ज नहीं है, ध्यान इतना ही रखना चाहिए कि हम औरों की तरह नशे में न हों। इस बात का खुलासा यह है कि हम दुनियादारी के सारे काम करें, ईष्या, द्वेष और लालच से मुक्त होकर अपनी जिम्मेदारियां निभाएं, फिर हमारा मन ही मंदिर हो जाता है, हम अध्यात्म की सीढियां चढने लगते हैं और जीवन के अर्थ और लक्ष्य को समझ पाने योग्य हो जाते हैं। आध्यात्मिक चिकित्सा की यह सबसे बड़ी उपलब्धि है और यह हम सबके लिए उपलब्ध भी है।

दृष्टि कोण

लोकतंत्र की जननी है भारत

प्राचीन परंपराओं और ज्ञान की अमूल्य धरोहर समेटे विश्व को ज्ञान, समत्व, ममत्व, त्याग, सहिष्णुता एवं वसुधैव कुटुंबकम का संदेश देने वाला भारत कल अपना 75वां गणतंत्र दिवस मनाने जा रहा है। भला इस तथ्य से कौन इंकार कर सकता है कि युगों युगों से भारत भूमि अपने आंचल में ज्ञान, संस्कार, नैतिकता, नृत्य, संगीत, शिल्पकला, आध्यात्मिकता और अन्य अनेकों संस्कृतिजन्य उपलब्धियों को समेटे हुए है। जब विश्व के अनेक देश गहन अज्ञानता रूपी अंधकार में जी रहे थे तो हमारे यहां वेदों, पुराणों, उपनिषदों और गीता द्वारा सामाजिक सद्भाव एवं मनुष्य के आंतरिक विकास के लिए आध्यात्मिक ज्ञान की अविरल धारा बह रही थी। दूसरों को सम्मान देने एवं विश्वास करने की हमारी सोच के कुछ दुष्परिणाम भी भारतीयों को झेलने पड़े हैं, लेकिन स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद की भयंकर कठिनाइयों से पार पाकर आज भारत अपनी शततमः विकास यात्रा की ओर अग्रसर है तो इसके लिए हमारे पूर्वजों एवं राजनीतिक नेतृत्व की दूरदर्शिता को भी श्रेय जाता है। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का यह कथन महत्वपूर्ण है कि, 'हमारे और राष्ट्र के सपने अलग नहीं हैं। हमारी नीति और राष्ट्रीय सफलताएं अलग नहीं हैं। राष्ट्र की प्रगति में ही हमारी प्रगति है। हमसे ही राष्ट्र का अस्तित्व है और राष्ट्र से ही हमारा अस्तित्व है।' इस बार 75वें गणतंत्र दिवस 2024 की थीम है : 'विकसित भारत' और 'भारत लोकतंत्र की मातृका'। इस थीम को प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के विचारों के अनुरूप चुना गया है कि 'भारत वास्तव में लोकतंत्र की जननी है'। बीते आठ दशकों में लोकतांत्रिक, संप्रभु तथा गणतांत्रिक राष्ट्र भारत मजबूत और शक्तिशाली राष्ट्र बनकर उभरा है। आज विश्व की प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में आर्थिक तौर पर भारत पांचवें स्थान पर है और आने वाले 5-6 वर्षों में अमरीका, चीन के बाद भारत विश्व की तीसरी सबसे बड़ी आर्थिक महाशक्ति बनने की राह पर अग्रसर है। लेकिन इसके लिए भारतीय अर्थव्यवस्था को औसतन 13 प्रतिशत से अधिक की विकास दर से प्रतिवर्ष वृद्धि दर्ज करनी होगी। 26 जनवरी 1950 को भारत का संविधान अस्तित्व में आया था। उस समय राष्ट्र के समक्ष कई भयंकर चुनौतियां मुंहबाए खड़ी थीं। देश को एकजुट, अखंड बनाए रखने के साथ-साथ भारत में अधोसंरचनाओं का आधारभूत ढांचा विकसित करके विकास के पथ पर ले जाने की चुनौती तो थी ही, शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार संबंधी सरोकारों पर भी खरा उतरना था। 1950 में हमारी आर्थिक विकास दर महज 1.9 फीसदी थी, आर्थिक महामंदी और कोरोना महामारी के दौर के बीच में से गुजरने के बाद भी आज हम 7-8 प्रतिशत की विकास दर से आगे बढ़ रहे हैं। 1950 की 18.33 प्रतिशत की साक्षरता दर आज लगभग 80 फीसदी तक पहुंच चुकी है। कृषि आज भी हमारे राष्ट्र की अर्थव्यवस्था की मेरुदंड बनी हुई है। अनाज उत्पादन के मामले में हम लगभग आत्मनिर्भर हो चुके हैं, लेकिन इस निर्भरता का भरोसा जगाने वाले गरीब किसानों के लिए बेहतरीन नीतियों को बनाने की जरूरत है। राष्ट्र आज आर्थिक रूप से मजबूत तो हो रहा है, लेकिन भौतिकतावाद की आंधी के चलते महंगाई, बेरोजगारी और भ्रष्टाचार हमारी दुखती रग बन चुके हैं, इन पर रोक लगना अनिवार्य है। भारत में कई क्षेत्रों में असाधारण प्रगति भी हुई है। स्वच्छ पेयजल, ऊर्जा, रोजगार, अच्छी सडक़ें और रेल पथ के विस्तार जैसे मोर्चों पर हम तीव्र गति से आगे बढ़ रहे हैं। बीते 74 वर्षों में भारत के वैज्ञानिकों ने अंतरिक्ष विज्ञान, सामरिक अनुसंधान, अत्याधुनिक सैनिक उपकरणों, मिसाइलों, तेजस विमानों, सैनिक साजो सामान, कृषि अनुसंधान, वैज्ञानिक खोजों, संचार एवं तकनीक, विदेश व्यापार, परमाणु ऊर्जा तथा परमाणु शक्ति के क्षेत्रों में बेहतरीन काम किया है। हमारी युवा पीढ़ी की अपेक्षाएं एवं आकांक्षाएं भी बढ़ी हैं, उन्हें सही मार्गदर्शन व दिशा दिखाकर उनकी क्षमताओं का समुचित दोहन करने की आवश्यकता है। सेवा क्षेत्र में हमारे युवा नई सोच एवं उच्च शिक्षा से बुलंदियों पर पहुंच रहे हैं। महिला सशक्तिकरण से जुड़ी अनेक योजनाओं पर काम चल रहा है तो वहीं हमारी युवा शिक्षित बेटियां शिक्षा से प्राप्त ताकत के बलबूते पर सफलता की नई-नई गाथाएं लिख रही हैं। कोरोना काल में भारत में विकसित वैक्सीन से न केवल करोड़ों भारतीयों अपितु विश्व भर के करोड़ों नागरिकों के स्वास्थ्य की देखभाल हुई और लोगों की जानें बचीं। विश्व में सस्ती स्वास्थ्य सेवाओं के चलते आज भारत, स्वास्थ्य पर्यटन का पसंदीदा मुल्क बन चुका है। अब मुकम्मल सफलता हासिल करने के लिए हमारे भाग्य विधाताओं को भी महंगाई, भ्रष्टाचार, जातिवाद, संप्रदायवाद, गरीबी, बेरोजगारी से निपटने के अचूक उपायों और विभिन्न विकल्पों के साथ जनता के बीच जाना ही पड़ेगा। विश्व की बहुराष्ट्रीय कंपनियों का नेतृत्व करने वाले भारतीयों के शिक्षण संस्थानों को भी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खड़ा करने के लिए उचित निवेश एवं माहौल तैयार करने की जरूरत है। इस बात की भी जरूरत है कि भारतीय राजनीति को चलाने वालों को अपनी सोच व नीयत को सुधारना एवं बदलना होगा। जो बढ़त आज भारत को वैश्विक मंच पर हासिल है, उसको बरकरार रखने तथा उसमें उत्तरोत्तर प्रगति बनाए रखना महत्वपूर्ण होगा।

कुछ अलग

जलहीन दुख की बदली

बदलते दिनों में आंसुओं की दयनीयता के बखान के स्थान पर इस दुनिया में नवस्थापन और अपने-अपने मूल्यों के प्रतिपादन का एक अचूक हथियार बनते देख मन गदगद हो गया। इससे पहले आंसू बहाना कमजोरी की निशानी माना जाता था, और इसे प्रायः औरतों के त्याज्य स्त्रैण नाव से जोड़ दिया जाता था। प्रेमिका मान-मनुहर हार के लिए इनका सहारा ले लेती थी, और अपने ओ जी, ए जी के पांवों की बेडियां बनती हुई नजर आने लगती। प्रेम के बिछोड़े से लेकर आंसुओं की डगर से अध्यात्म की यात्रा तय हो जाती। मैं नीर भरी दुःख की बदली जैसी अमर कविता पंक्तियों से मित्र दिवस से लेकर प्रभु मिलन के मुक्ति दिवस तक की यात्रा तय हो जाती। लेकिन पुरुषोचित स्वभाव के लिए प्रायः यही कहा जाता रहा कि जो वास्तव में पुरुष है, वह कभी आंसू नहीं बहाता। अपने चौड़े सीने और बलिष्ठ कन्धों पर आपदा और दुर्भाग्य का हर वार सह लेता है, लेकिन कभी आंसू नहीं बहाता। बड़े-बूढ़े भी पीठ थपथपा कर कह देते, 'विषम परिस्थितियों का हंस कर या साहस से मुकाबला करो, मर्दों को घिघिया कर आंसू बहाना शोभा नहीं देता।' लेकिन इस बीच जमाना तेजी से बदल गया महानुभाव। बलिष्ठ कन्धों और चौड़े सीने वाले मर्दों की प्रजाति लुप्त हो गई। उनके स्थान पर नजर आने लगे झुके कन्धों और सींकिया बदन वाले जीने की भीख मांगने से उखड़े और बेकार नौजवान। उनकी पास की हुई डिग्रियां उनके गले का नौक बन गयीं, क्योंकि उनके पास उन्हें दुःखों की वैतरणी पार करवाने के लिए कोई सिफारिशों की नौका या उनके प्रार्थना-पत्रों को गौर के काबिल बनाने के लिए उनके नीचे चांदी के पहिये लगाने की सामथ्र्य नहीं थी। ऐसी हालत में हर दौड़ में फिसड्डी रह जाने वाले इस देश को कुछ सामाजिक सर्वेक्षणों की ताजा रपटों ने रिश्वतखोरी, मध्यजनों के इस्तेमाल और भ्रष्टाचारी देशों में सिरमौर कह सर्वश्रेष्ठ के कोष्टक में डाल दिया है। अब आंसुओं को बहस वाले लोगों के कायाकल्प और रूपान्तरण की बात भी सामने आने लगी। अब आंसू दीनहीनता का परिचायक, श्रृंगार रस में करुणा का समावेश करने वाले नहीं रहे, बल्कि एक हथियार में भी परिवर्तित होने लगे। मांगने वालों को लगा कि अगर अपने प्रार्थना-पत्र के नीचे चांदी के पहियों के साथ आंसुओं का गीलापन भी चस्पां कर दो तो ये ज्यादा तेजी के साथ भागने लगते हैं। महिला सशक्तिकरण और नारी स्वाधीनता तथा पुरुष से समानता के इस नए युग के आविर्भाव के साथ आंसू बहाने का वह कारुणिक रस तो जैसे गायब ही हो गया। हर व्यथागाथा के राजनीतिकरण के इस जमाने में आंसू भी रूप बदल संघर्ष में अपना रास्ता हमवार करने का एक हथियार बनने गले। आंसुओं की बदलती शक्ति की पहचान अभी पिछले सालों में एक किसान नेता के आंसुओं में भी दिखाई दी। जब राष्ट्रीय गरिमा को ठेस पहुंचाने के आरोप से उन्हें अपना आन्दोलन घिरता दिखाई दिया तो उन्होंने इसे षड्यंत्रकारियों की कारस्तानी कह आंसू बहा दिए, कहा कि वह भूखे प्यासे रह, किसी भी सुख-सुविधा को स्वीकार न कर अपने प्राण देंगे। आंसू कमजोरी ही नहीं ईमानदारी उद्गारों का भावुक उद्घोष भी होते हैं। उखड़ते आन्दोलन के पांव फिर से जमा देते हैं। लोग अपने गांव-घरों से पानी के कनस्तर उठा नेता जी के आंसू पोंछने चल दिए। इन आंसुओं ने नेता जी का कद एक बालिश्त बढ़ा दिया। आन्दोलन का केन्द्र बिन्दु भी सरहद के दूसरे मोर्चे से बदल कर उनके मोर्चे की ओर तबदील होता नजर आने लगा। अब आजकल के नेतागण भी अपना महत्व घटता पा अपने लोगों की दुर्दशा पर आंसू बहाने की सोच रहे हैं। चाहे ये आंसू मशालों की रौशनी में हर तरह की याद में ही क्यों न बहा दिए जाएं।

देश दुनीया से

खाद्य सुरक्षा की दिशा में समाज, सरकार और बाजार का एक साथ आना जरूरी

> राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण, 2019-21 बताता है कि एक तरफ 35 फीसदी बच्चे अविकसित, 57 फीसदी महिलाएं और 25 फीसदी पुरुष एनीमिया से पीड़ित हैं, दूसरी ओर असंतुलित आहार और आलसी जीवनशैली के कारण 24 फीसदी वयस्क महिला और 23 फीसदी वयस्क पुरुष मोटापे का सामना कर रहे हैं। इसके साथ बदलती जलवायु, लगातार घटते भूजल, और मिट्टी का गिरता उपजाऊपन जैसी चुनौतियां हमारी खाद्य सुरक्षा को संकट में डाल सकती हैं। ऐसे में, देश की खाद्य प्रणाली को मजबूत बनाने के लिए तीन महत्वपूर्ण कारकों-समाज, सरकार और बाजार-का एक साथ आना बहुत जरूरी है।

भारत ने अपनी खाद्य और पोषण सुरक्षा को मजबूत करने के लिए प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना (पीएमजीकेएवाई) के तहत खाद्य सब्सिडी पर अगले पांच वर्षों में लगभग 12 लाख करोड़ रुपये खर्च करने का फैसला किया है। खाद्यान्न उपलब्धता की दिशा में यह कदम महत्वपूर्ण है। पर भारत के सामने पोषण की चुनौती दोहरी है। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण, 2019-21 बताता है कि एक तरफ 35 फीसदी बच्चे अविकसित, 57 फीसदी महिलाएं और 25 फीसदी पुरुष एनीमिया से पीड़ित हैं, दूसरी ओर असंतुलित आहार और आलसी जीवनशैली के कारण 24 फीसदी वयस्क महिला और 23 फीसदी वयस्क पुरुष मोटापे का सामना कर रहे हैं। इसके साथ बदलती जलवायु, लगातार घटते भूजल, और मिट्टी का गिरता उपजाऊपन जैसी चुनौतियां हमारी खाद्य सुरक्षा को संकट में डाल सकती हैं। ऐसे में, देश की खाद्य प्रणाली को मजबूत बनाने के लिए तीन महत्वपूर्ण कारकों-समाज, सरकार और बाजार-का एक साथ आना बहुत जरूरी है। खाद्य सामग्रियों के उपयोगकर्ता नागरिक, उत्पादनकर्ता किसान और इनकी मदद करने वाली

सिविल सोसाइटी, ये तीनों मिलकर खाद्य प्रणाली के संदर्भ में एक समाज तैयार करते हैं। उपभोक्ता के रूप में नागरिकों को बाजार से अपने खान-पान की सामग्री खरीदने और इस्तेमाल करने के ज्यादा सतर्क विकल्प चुनने चाहिए। जब नागरिक खान-पान के लिए बेहतर विकल्प चुनते हैं, तब यह किसानों और बाजार को उपयुक्त फसलें उगाने और उपभोक्ताओं तक पहुंचाने के लिए प्रेरित करता है। ऐसे ही, किसानों को भी मिट्टी को उपजाऊ बनाए रखने के लिए उर्वरकों और कीटनाशकों के विवेकपूर्ण इस्तेमाल पर ध्यान देना चाहिए। सतत कृषि पर काउंसिल ऑन एनर्जी, एनवायनरमेंट ऐंड वॉटर (सीईईडब्ल्यू) का अध्ययन बताता है कि किसानों को जैविक मल्चिंग और 365 दिनों तक आच्छादित रहने वाली खेती जैसी कृषि पद्धतियों को अपनाना चाहिए। ये मिट्टी की सेहत सुधारने और उसमें लचीलापन बढ़ाने के अलावा पानी और अन्य कृषि सामग्री की खपत घटाने और किसान का मुनाफा बढ़ाने में सहायक हैं। खाद्य प्रणाली को सेहतमंद बनाने और सतत परिणामों की तरफ ले जाने के लिए, केंद्र और राज्य सरकारों को मिड डे मील, आंगनबाड़ी, सामुदायिक रसोई जैसी सेवाओं और रेलवे जैसे विभागों के लिए सतत पद्धतियों से स्थानीय स्तर पर उत्पादित पौष्टिक अनाज और दाल खरीदने की शुरुआत करनी चाहिए। जैसे राजस्थान में बाजरा या छत्तीसगढ़ में राजगीरा की खरीद होती है। बच्चों की खाद्य सामग्री के लिए विशेष सख्त नियम होने चाहिए। साथ ही, सरकारों को किसानों की मदद के लिए नए तरीके विकसित करने चाहिए। जैसे किसानों को सब्सिडी पर उर्वरक देने की जगह पर प्रति हेक्टेयर कृषि योग्य जमीन के आधार पर कृषि सामग्री के लिए नकद सहायता दी जा सकती है। एक सतत खाद्य प्रणाली बनाने में बाजार की भूमिका भी महत्वपूर्ण है। कारोबार को यह समझने की जरूरत है कि अगर वे सतत और पुनरुत्पादक कृषि पद्धतियों को लोकप्रिय बनाने में किसानों के साथ मिलकर काम नहीं करेंगे, तो उनके सामने कच्चे माल की उपलब्धता बाधित होने का जोखिम बना रहेगा। इसके अलावा, उपभोक्ताओं की प्राथमिकताओं को पौष्टिक और सतत उपभोग की तरफ मोड़ने में कंपनियों की भी बड़ी भूमिका है। जब तक स्थानीय दुकानों पर सेहतमंद खाद्य सामग्री के विकल्प उपलब्ध नहीं होंगे, कोई उपभोक्ता चाहकर भी इनका इस्तेमाल नहीं कर पाएगा। जैसे, कंपनियों को चीनी और मैदे से भरे ग्लूकोज बिस्कुट की जगह मोटे अनाज से बने बिस्कुट को प्रोत्साहित करना चाहिए। खाद, बीज और कीटनाशक जैसी कृषि सामग्रियों से जुड़ी कंपनियों के सामने भी अपने बिजनेस मॉडल में धीरे-धीरे बदलाव लाने की जरूरत है। उदाहरण के लिए, उन्हें बाजार में सिर्फ उर्वरक बेचने की जगह पर उसके इस्तेमाल करने की सेवा भी उपलब्ध करानी चाहिए। इस मॉडल पर आंध्र प्रदेश में मिर्च की खेती से जुड़ा एक किसान उत्पादक संगठन (एफपीओ) पहले से काम कर रहा है। अगर हमें एक स्वस्थ धरती पर अपने बच्चों के सेहतमंद भविष्य की परवाह है, तो इसके लिए समाज, सरकार और बाजार को एक साथ मिलकर काम करना होगा।

आप का नजरीया

लौट आई एयरपोर्ट की पैमाइश

अदालत से लौट आई कांगड़ा एयरपोर्ट की पैमाइश। सुप्रीम कोर्ट ने हिमाचल सरकार की राहत एवं पुनर्वास प्रक्रिया के आश्वासन को अहमियत देते हुए हाई कोर्ट द्वारा लगाई गई रोक को निरस्त किया है। अदालत ने एक तरह से संपूर्ण परियोजना के पक्ष से जुड़ी संभावनाओं को बरकरार रखा है। हिमाचल के विकास और भविष्य के लिए सर्वोच्च न्यायालय के इस फैसले का असर केवल कांगड़ा एयरपोर्ट तक ही नहीं, बल्कि इसकी रोशनी में विकास की तमाम अड़चनों की समीक्षा तक यह फैसला पहुंचता है। हिमाचल विशेष भौगोलिक परिस्थितियों में फंसा हुआ ऐसा पर्वतीय राज्य है, जिसकी सत्तर फीसदी जमीन पर वन विभाग का अनावश्यक कब्जा है। दूसरी ओर विकास के जरिए आर्थिकी की खोज में उपयुक्त सार्वजनिक जमीन का टोटा खलल डालता है। ऐसे में भविष्य की जरूरतों को रेखांकित करती परियोजनाओं के साथ नागरिक समाज का योगदान तथा पुनर्वास की कसौटियों का समाधान भी प्रश्नों के दायरे बड़े करता रहेगा। हालांकि भूमि संबंधी हिमाचल की बढ़ती जरूरतें यह मांग कर रही हैं कि प्रदेश के वन क्षेत्र को घटा कर पचासःपचास के आधार पर राज्य सरकार को अतिरिक्त जमीन उपलब्ध हो। इसके अलावा विस्थापन के तर्क अब हिमाचल के लिए एक कड़ा शीर्षासन इसलिए भी हैं क्योंकि राज्य ने लैंड सीलिंग एक्ट के जरिए किसान से खेत छीन कर उसे छोटी-छोटी पट्टी बना दिया जो पारिवारिक बंटवारों में अब सिर्फ अदालती युद्ध है। मुजारों में आबंटित जमीनें या छोटे-छोटे टुकड़ों में विभक्त हैं या भू-माफिया के चंगुल में बिक रही हैं। कांगड़ा, हमीरपुर, बिलासपुर, ऊना व अन्य जिलों में अब खेत खेती के लिए नहीं, बिकने के लिए हाजिर हैं। राज्य ने पहले ही नौतोड़ के तहत जमीन बांटकर इन्हें सौदागरों के हाथ में पहुंचा दिया। बहरहाल जिस प्रदेश में अनाज, दालें, दूध, ब्रेड और सब्जियां तक दूसरे राज्यों से आते हों वहां किसान का किरदार इतना भी मोहताज नहीं कि हर जमीन के टुकड़े को बेडियां पहना दी जाएं। अलबत्ता उपलब्ध जमीन को नए रोजगार से जोडऩे की संभावनाएं तथा नकदी फसलों के लिए लैंड पूलिंग के जरिए कोआपरेटिव खेती की तरफ बढऩा होगा। हिमाचल में कई प्रगतिशील किसान लीज पर जमीन लेकर व्यापार कर रहे हैं, तो कृषि उत्पादन की प्रवृत्ति बदल रही है। हम यह इसलिए कह रहे हैं कि अब हिमाचल में खेत को खेती की नुमाइश में नहीं, व्यापार की आजमाइश में बांटा और काटा जा रहा है। खैर कांगड़ा एयरपोर्ट विस्तार की चूलें हिलाने के लिए जनांदोलन व न्याय के रास्ते पर खड़े सबूत सुप्रीम कोर्ट ने अलग परिप्रेक्ष्य में देखें हैं, तो सरकार की ईमानदार कोशिश से पुनर्वास का समर्थन भी हो रहा है। सरकार उचित मुआवजे के साथ-साथ विस्थापितों को बसाने के लिए जमीन तय कर चुकी है, जबकि कुछ जेब खर्चा परिवार के सदस्यों को कुछ समय तक मिलता रहेगा। यह दीगर है कि सरकार को कांगड़ा एयरपोर्ट के विस्थापितों को रोजगार के बदले रोजगार से जोडऩे के लिए जिला की पर्यटन परियोजनाओं से जोडऩा होगा। मसलन एयरपोर्ट के साथ एक व्यापारिक कोरिडोर बना कर विस्थापित हो रही व्यापारिक इकाइयों का पुनर्वास किया जा सकता है। इसके अलावा धर्मशाला तथा पालमपुर में प्रस्तावित पर्यटन गांव की संभावना में पुनर्वास को वरीयता दी जाए।

प्रधानमंत्री ने उप्र के बुलंदशहर में कहा

मोदी चुनाव का नहीं, विकास का बिगुल फूंकता है

रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा के बाद अब राष्ट्र-प्रतिष्ठा का काम करना है

बुलंदशहर/नई दिल्ली (हिंस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को पश्चिमी उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर में एक जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि मेरी रैली के पहले कहा जा रहा था कि आज मोदी चुनाव का बिगुल फूकेंगे। उन्होंने कहा कि लेकिन, मोदी तो चुनाव का नहीं बल्कि विकास का बिगुल फूंकता है। प्रधानमंत्री ने बुलंदशहर में 19,100 करोड़ रुपए से अधिक की विभिन्न विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। जनसभा को संबोधित करते हुए, प्रधानमंत्री ने बुलंदशहर के लोगों, विशेषकर भारी संख्या में उपस्थित माताओं और बहनों द्वारा दिखाए गए स्नेह और विश्वास के लिए आभार व्यक्त किया। मोदी ने 22 जनवरी को भगवान श्री राम के दर्शन और आज के अवसर पर उत्तर प्रदेश के लोगों की उपस्थिति के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने रेलवे, हाईवे, पेट्रोलियम पाइपलाइन, पानी, सीवेज, मेडिकल कॉलेज और औद्योगिक टाउनशिप के क्षेत्रों में आज 19,100 करोड़ रुपए से अधिक की विकास परियोजनाओं के लिए बुलंदशहर और पूरे पश्चिमी उत्तर प्रदेश के लोगों को बधाई दी। उन्होंने यमुना और राम गंगा नदियों के स्वच्छता अभियान से जुड़ी परियोजनाओं के उद्घाटन का भी जिक्र किया। पूर्व मुख्यमंत्री कल्याण सिंह को याद करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि इस क्षेत्र ने देश को कल्याण सिंह जैसा सपूत दिया है, जिन्होंने अपना जीवन राम काज और राष्ट्र काज दोनों के लिए समर्पित किया। प्रधानमंत्री ने इस बात पर खुशी जताई कि देश ने कल्याण सिंह और उनके जैसे लोगों का अयोध्या धाम का सपना पूरा किया है। मोदी ने कहा कि एक सशक्त राष्ट्र और सच्चे सामाजिक न्याय का उनका सपना पूरे करने के लिए हमें अपनी गति और बढ़ानी है। अयोध्या में प्राण प्रतिष्ठा समारोह के समापन पर बात करते हुए, प्रधानमंत्री ने *राष्ट्र प्रतिष्ठा* को प्राथमिकता देने और इसे नई ऊंचाइयों पर ले जाने पर जोर दिया। मोदी ने 2047 तक भारत को विकसित भारत में बदलने के सरकार के संकल्प पर प्रकाश डालते हुए कहा कि हमें देव से देश और राम से राष्ट्र के मार्ग को आगे बढ़ाना चाहिए। उच्च लक्ष्यों को पूरा करने के बारे में बोलते हुए, प्रधानमंत्री ने भावना के साथ सभी आवश्यक संसाधनों को

इकट्ठा करने पर जोर दिया। मोदी ने कृषि, विज्ञान, शिक्षा, उद्योग और उद्यम के क्षेत्रों को फिर से मजबूत करने की आवश्यकता पर ध्यान देते हुए कहा कि विकसित भारत के निर्माण के लिए उत्तर प्रदेश का तेज गति से विकास जरूरी है। उन्होंने कहा कि आज का अवसर इस दिशा में एक बड़ा कदम है। प्रधानमंत्री ने आजादी के बाद के भारत में विकास के क्षेत्रीय असंतुलन का जिक्र करते हुए कहा कि सबसे ज्यादा आबादी वाले राज्य उत्तर प्रदेश की उपेक्षा की गई। प्रधानमंत्री ने *शासक* मानसिकता की आलोचना की, और पहले के समय की सत्ता की खातिर सामाजिक विभाजन को बढ़ावा दिया, जिसके परिणामस्वरूप राज्य और देश को भारी कीमत चुकानी पड़ी। प्रधानमंत्री ने पूछा, *अगर देश का सबसे बड़ा राज्य कमजोर था, तो देश कैसे मजबूत हो सकता था?* 2017 में उत्तर प्रदेश में डबल इंजन सरकार के गठन के साथ, प्रधानमंत्री ने रेखांकित किया कि राज्य ने पुरानी चुनौतियों से निपटने के नए तरीके खोजे हैं और आर्थिक विकास को गति प्रदान की है और आज का अवसर सरकार की प्रतिबद्धता का प्रमाण है। पश्चिमी उत्तर प्रदेश में हाल के विकास का उदाहरण देते हुए, प्रधानमंत्री ने भारत में दो रक्षा गलियारों में से एक के विकास और कई नए राष्ट्रीय राजमार्गों के निर्माण का उल्लेख किया। उन्होंने आधुनिक एक्सप्रेसवे के माध्यम से यूपी के सभी हिस्सों में कनेक्टिविटी बढ़ाने, पहली नमो भारत ट्रेन परियोजना की शुरुआत, कई शहरों में मेट्रो कनेक्टिविटी और राज्य को पूर्वी और पश्चिमी समर्पित माल गलियारों का केंद्र बनाने पर सरकार के जोर को रेखांकित किया। प्रधानमंत्री ने कहा कि सरकार के प्रयासों से आज पश्चिमी उत्तर प्रदेश देश में प्रमुख रोजगार प्रदाता क्षेत्रों में से एक बन रहा है। पहले के समय में कनेक्टिविटी की कमी के कारण कृषि पर पड़ने वाले प्रतिकूल प्रभाव की चर्चा करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि इसका समाधान नए हवाई अड्डे और नए समर्पित माल गलियारे में देखा जा सकता है। प्रधानमंत्री ने गन्ने की कीमतों में बढ़ोतरी और मंडी में उपज बिकने के बाद सीधे किसानों के खाते में त्वरित भुगतान सुनिश्चित करने के लिए डबल इंजन सरकार की सराहना की। इसी तरह, इथेनॉल पर ध्यान देना गन्ना किसानों के लिए लाभदायक साबित हो रहा है। मोदी ने जोर देकर कहा कि किसानों का कल्याण सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि सरकार किसानों के लिए एक सुरक्षा कवच बनाने का प्रयास कर रही है और भारतीय किसानों के लिए कम लागत वाले उर्वरक उपलब्ध कराने के लिए करोड़ों रुपए खर्च करने का उल्लेख किया है। प्रधानमंत्री ने कहा कि यह मोदी की गारंटी है कि हर नागरिक को सरकारी योजनाओं का लाभ मिले। आज देश मोदी की गारंटी को किसी भी गारंटी के पूरा होने की गारंटी मानता है। उन्होंने कहा कि सरकार के वास्तविक प्रयासों से पिछले 10 वर्षों में 25 करोड़ लोगों को गरीबी से बाहर निकाला गया।

जम्मू-कश्मीर पुलिस ने पाकिस्तान प्रायोजित छद्म युद्ध में 1600 से अधिक कर्मियों को खोया : डीजीपी

जम्मू (हिंस)। जम्मू-कश्मीर पुलिस के महानिदेशक आरआर स्वैन ने गुरुवार को कहा कि 33 वर्षों में जम्मू-कश्मीर पुलिस ने पाकिस्तान प्रायोजित छद्म युद्ध में 1600 से अधिक कर्मियों को खो दिया है जो जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा बलों में सबसे बड़ा आंकड़ा है। पीएचक्यू जम्मू में पत्रकारों से बात करते हुए डीजीपी ने कहा कि 1600 कर्मियों को खोना वास्तव में राष्ट्रीय सुरक्षा प्रयासों के प्रति प्रतिबद्धता प्रदर्शित करने के संदर्भ में एक उदाहरण है। डीजीपी ने कहा कि अपने जीवन का बलिदान देने के अलावा कई लोगों को ड्यूटी के दौरान चोटें, विस्थापन और विभिन्न प्रकार के तिरस्कार और धमकी का सामना करना पड़ा। उन्होंने कहा कि कई लोगों ने अपने परिवारों पर हमले झेले हैं, पुलिस में काम करने और जम्मू-कश्मीर में राष्ट्रीय सुरक्षा प्रयासों के लिए काम करने के कारण कई कर्मियों ने अपने परिवार के सदस्यों को खो दिया है डीजीपी ने कहा कि जम्मू-कश्मीर पुलिस को भारत के राष्ट्रपति और भारत सरकार द्वारा 72 वीरता पदकों से सम्मानित किया गया है जो जम्मू कश्मीर पुलिस के लिए सम्मान और गर्व की बात है। डीजीपी आरआर स्वैन ने कहा कि वह सभी अधिकारियों और जवानों की सराहना करते हैं और पुरस्कार विजेताओं को बधाई देते हैं। गणतंत्र दिवस की सुरक्षा तैयारियों के बारे में डीजीपी ने आश्वासन दिया कि सभी सुरक्षा उपाय किए गए हैं। विभिन्न स्तरों पर बैठकें आयोजित की गई हैं, जिनमें सेना, सीआरपीएफ के नेतृत्व वाले सीएपीएफ और अन्य खुफिया एजेंसियों के साथ चर्चा शामिल है। हमने आयोजन स्थल की सुरक्षा सुनिश्चित की है और सभी संभावित खतरे के परिदृश्यों पर विचार किया है। हम आश्वासन देते हैं कि उत्सव शांतिपूर्ण होगा और हम नागरिकों को इसे पूरे उत्साह के साथ मनाने के लिए प्रोत्साहित करते हैं।

फ्रांस के राष्ट्रपति मैक्रों ने आमेर किला देखा, राजस्थानी परंपरा से हुआ स्वागत

जयपुर (हिंस)। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों भारत के दो दिवसीय दौरे पर गुरुवार दोपहर ढाई बजे जयपुर पहुंचे। मैक्रों पेरिस से दिल्ली न जाकर सीधे जयपुर आए हैं। जयपुर हवाई अड्डे से मैक्रों सीधे आमेर किला पहुंचे। यहां उनका राजस्थानी रीति-रिवाज से स्वागत किया गया। इस दौरान विदेश मंत्री एस जयशंकर और राजस्थान की उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी भी उनके साथ मौजूद रहीं। आमेर किले पर मैक्रों ने छात्र- छात्राओं से मुलाकात की। उन्होंने यहां पर राजस्थान का पारंपरिक कच्छी घोड़ी लोक नृत्य और राजस्थान के कलाकारों द्वारा बनाई गई पेंटिंग भी देखी। इस दौरान कलाकारों से बातचीत की और पेंटिंग की तारीफ की। इससे पहले जयपुर हवाई अड्डे पर विदेश मंत्री एस जयशंकर, राज्यपाल कलराज मिश्र और राज्य के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने मैक्रों का स्वागत किया। हवाई अड्डे से मैक्रों सबसे पहले आमेर किला पहुंचे। वह यहां करीब दो घंटे रुके। उधर, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी जयपुर पहुंच गए हैं। प्रधानमंत्री मोदी साढ़े पांच बजे जंतर-मंतर पर मैक्रों का स्वागत करेंगे। यहां से दोनों नेता रोड शो निकालेंगे। यह रोड शो जंतर मंतर से सांगानेरी गेट तक निकलेगा। यहां से दोनों नेता रामबाग होटल में पहुंचेंगे। यहां दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय वार्ता होगी। मैक्रों और प्रधानमंत्री आज रात को ही दिल्ली रवाना हो जाएंगे।

बिहार में राहुल गांधी की न्याय यात्रा में शामिल नहीं होंगे नीतीश, प्रधानमंत्री के कार्यक्रम में करेंगे शिरकत

केंद्रीय नेतृत्व के बुलावे पर प्रदेश भाजपा अध्यक्ष दिल्ली रवाना

पटना (बिहार) (हिंस)। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने राहुल गांधी के बिहार में भारत जोड़ो न्याय यात्रा में शामिल होने से इंकार कर दिया है जबकि वे फरवरी माह के प्रथम सप्ताह में बेतिया आ रहे प्रधानमंत्री के कार्यक्रम में शामिल होंगे। बिहार सरकार में वित्त सह संसदीय कार्य मंत्री और नीतीश के सबसे करीबी मंत्री विजय चौधरी ने गुरुवार को कहा कि ये जरूरी नहीं कि दूसरी पार्टी के कार्यक्रम में नीतीश कुमार शामिल हों। क्या दूसरी पार्टी के नेता जदयू के कार्यक्रम में शामिल होते हैं। इसका मतलब साफ है कि नीतीश कुमार राहुल गांधी की सभा और यात्रा में शामिल नहीं होने जा रहे हैं। हालांकि, नीतीश कुमार ने चार फरवरी को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यक्रम में शामिल होने का फैसला कर लिया है। दूसरी ओर, केंद्रीय नेतृत्व के बुलावे पर गुरुवार दोपहर बिहार भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सम्राट चौधरी दिल्ली रवाना हो गए। प्रदेश भाजपा

कार्यालय के सूत्रों के मुताबिक केंद्रीय नेतृत्व का फोन आया और उन्हें तुरंत दिल्ली आने को कहा गया। इसके बाद वे दिल्ली के लिए निकल गए। आज शाम ही वे राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा और अन्य नेताओं से मिल सकते हैं। सम्राट चौधरी जिस फ्लाइट से दिल्ली जा रहे हैं उसी फ्लाइट से जदयू के वरिष्ठ नेता केसी त्यागी भी दिल्ली जा रहे है। दोनों दलों के दो बड़े नेताओं के एक साथ दिल्ली जाने को बड़ा सियासी घटनाक्रम माना जा रहा है। इस सियासी उथल-पुथल के बीच गुरुवार को पीएम मोदी और बिहार के सीएम नीतीश की फोन पर बातचीत हुई। नीतीश कुमार ने भूतपूर्व मुख्यमंत्री कर्पूरी ठाकुर को भारत रत्न देने के लिए पीएम मोदी को धन्यवाद दिया। इसके पहले नीतीश कुमार ने पटना में एक रैली में भी पीएम मोदी को धन्यवाद कहा था। उल्लेखनीय है कि 2022 के अगस्त में भाजपा से नाता तोड़ कर राजद के साथ जाने के बाद नीतीश कुमार लगातार नरेंद्र मोदी और अमित शाह से परहेज करते रहे हैं। वे प्रधानमंत्री द्वारा बुलाई गई कई बैठकों में शामिल नहीं हुए। अमित शाह का सामना करने से भी नीतीश बचते रहे। हालांकि, पिछले वर्ष 10 दिसंबर को जब पटना में पूर्वी क्षेत्रीय बैठक हुई तो उसमें नीतीश कुमार अमित शाह के साथ दिखे थे लेकिन नीतीश पहली दफे चार फरवरी को प्रधानमंत्री के साथ दिखेंगे।

मुख्यमंत्री ने ईडी के पत्र का भेजा जवाब

रांची (हिंस)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की ओर से भेजे गए पत्र का मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने जवाब दिया है। सीएमओ का कर्मी गुरुवार को पत्र लेकर ईडी ऑफिस पहुंचा। मौके पर पत्रकारों ने सीएमओ कर्मी से पत्र के बारे में पूछा तो कर्मी ने कुछ भी बताने से इनकार कर दिया। जमीन घोटाला मामले में ईडी ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को बीते 22 जनवरी को फिर से पत्र (समन) भेजा था। ईडी ने मुख्यमंत्री को पत्र भेजकर 27 से 31 जनवरी के बीच पूछताछ के लिए जगह बताने को कहा था। बीते 20 जनवरी को ईडी ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से उनके आवास पर जाकर सात घंटे तक पूछताछ की थी। ईडी के अधिकारियों ने सीएम आवास में एक अलग कमरे में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से मामले में पूछताछ की थी। इस दौरान राजधानी सहित दिल्ली आए ईडी के अधिकारी पहुंचे थे।

पहले नौकरी के लिए भटकते थे युवा, आज नौकरी दे रहे हैं : स्वाती सिंह

लखनऊ (हिंस)। कभी हमारे युवा नौकरी के लिए भटका करते थे। आज वही नौकरी देने के लायक बन रहे हैं। यह हमारे प्रधानमंत्री के विश्व व्यापी छवि का ही परिणाम है कि इजारयल जैसा देश हमारे देश से मजदूर मांग रहा है। उसमें यूपी के युवाओं ने बढ़-चढ़कर उत्साह दिखाया। ये बातें उप्र सरकार की पूर्व मंत्री व वरिष्ठ भाजपा नेता स्वाती सिंह ने कहीं। वे लखनऊ के सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कालेज, इंदिरानगर में राष्ट्रीय मतदाता दिवस पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नवमाताओं से वर्चुअली संवाद कार्यक्रम में

की संख्या में युवाओं ने प्रतिभाग सुना। इस अवसर पर स्वाती सिंह ने कहा कि आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत विश्व गुरु बनने की ओर अग्रसर है। इस बीच कुछ लोगों यह हजम नहीं हो पा रहा है और वे प्रधानमंत्री का विरोध करते-करते राष्ट्र का विरोध करने पर भी उतारू हो जाते हैं। इसका कारण है कि उनको कभी राष्ट्र प्रेम नहीं रहा। वे तो हमेशा गद्दी से प्रेम करते थे। जब जनता उन्हें समझ गई तो गद्दी से उतार दिया। इसके बावजूद आज भी वे लोग तानाशाह की तरह बात करते हैं। स्वाती सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री गरीबों का जीवन स्तर ऊंचा करने और समाज की मुख्य धारा से उन्हें जोड़ने के लिए दिन-रात एक कर रहे हैं। आज हर गरीब तक मेडिकल सुविधाएं पहुंच रही हैं। इससे जीवन प्रत्याशा बढ़ी है। आयुष्मान कार्ड के कारण हर गरीब का भी उच्च स्तरीय इलाज संभव हो सका है। यही नहीं पहले की अपेक्षा दवाएं सस्ती हुई हैं। जो स्टंट पहले चार-चार लाख खर्च करने पर लगते थे। वे आज सत्तर हजार में लग जाते हैं। इस अवसर भाजयुमो नगर अध्यक्ष वैभव सिंह, प्रधानाचार्य गोपाल राम मिश्र, अंगद गिरी, दीपक यादव, रघुनाथ राय आदि लोग उपस्थित थे।

करनाल में हुए घोटालों पर सरकार डाल रही है पर्दा : कुमारी सैलजा

करनाल (हिंस)। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की महासचिव कुमारी सैलजा ने कहा कि राहुल गांधी जनता के हित में अगर संसद में आवाज उठाएं तो भाजपा उन्हें बाहर कर देती है और संसद के बाहर आवाज उठाए तो भाजपा को परेशानी होती है। करनाल में हुए घोटालों पर भाजपा सरकार पर्दा डाल रही है। पूर्व केन्द्रीय मंत्री कुमारी सैलजा गुरुवार की सुबह करनाल में पत्रकारों से बातचीत कर रही थीं। इसके बाद उन्होंने पंजाबी धर्मशाला में एक जनसभा को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि भारत जोड़ो न्याय यात्रा को मिल रहे जनसमर्थन को देखकर डरी हुई भाजपा यात्रा को किसी ने किसी बहाने से रोकना चाहती है। राहुल गांधी न कभी रुके थे और न ही कभी रुकेंगे। उन्होंने कहा कि हरियाणा में मुख्यमंत्री के गृह शहर करनाल में एक से बढ़कर एक घोटाला हुए हैं, सरकार उन सभी पर पर्दा डालना चाहती है, उनकी जांच से कतरा रही है। सरकार बताए कि आखिर वह क्या छुपाना चाहती है। करनाल में सड़कें उखाड़ दी गई है, सफाई व्यवस्था चौपट है। अगर सीएम सिटी का यह हाल है तो प्रदेश के दूसरे जिलों के हाल का अंदाजा लगाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि परिवार पहचान पत्र और प्रॉपर्टी आईडी की त्रुटिया कौन ठीक करेगा।

महिला स्पेशल कैंपस ड्राइव में 17 महिला का चयन, मिली नौकरी

लखनऊ (हिंस)। युवाओं और महिलाओं के लिए रोजगार उपलब्ध कराने के लिए योगी सरकार लगातार प्रयत्नशील है। गुरुवार को लखनऊ में महिला स्पेशल कैंपस ड्राइव का आयोजन किया गया। जिसमें 17 महिला अभ्यर्थियों का चयन किया गया। प्रधानाचार्य राजकुमार यादव ने बताया कि राजकीय आईटीआई अलीगंज लखनऊ में सीखो एवं कमाओ योजना (एनएपीएस) के तहत दो अथवा तीन वर्षीय डिप्लोमा प्रोग्राम के लिए टाटा मोटर्स लि. लखनऊ की ओर से महिला स्पेशल कैंपस ड्राइव का आयोजन किया गया। ट्रेनिंग काउंसिलिंग एंड प्लेसमेंट आफिसर एमए खां ने बताया कि कैंपस ड्राइव में कुल 54 महिला अभ्यर्थियों ने प्रतिभाग किया। इसमें से 17 महिला अभ्यर्थियों का साक्षात्कार के उपरांत चयन किया गया। सभी चयनित अभार्थियों के लिए 13605 रुपए प्रतिमाह वेतन एवं कैंटीन फ्री, ट्रासपोर्ट फ्री, इन्श्योरेंस सात लाख, मेडिकल क्लेम एक लाख, तीन सेट यूनीफॉर्म प्रतिवर्ष, जूते, पीपीई किट एवं कम्पनी द्वारा निर्धारित छूट्टियां तथा सुविधाएं प्रदान की जाएंगी।

फतेहाबाद में सेम समस्या के निदान को सीएम ने बुलाई बैठक

फतेहाबाद (हिंस)। फतेहाबाद के भट्टू इलाके में सेम की समस्या को लेकर पिछले 66 दिनों से उपतहसील कार्यालय, भट्टू के बाहर धरने पर बैठे किसानों की आखिरकार विधायक और प्रशासन ने सुध ली है। धरने पर बैठे किसानों की समस्याओं के समाधान के लिए विधायक दुड़ाराम ने मुख्यमंत्री मनोहर लाल से आग्रह किया। विधायक के आग्रह पर मुख्यमंत्री ने किसानों के प्रतिनिधि मंडल को 27 जनवरी को चंडीगढ़ में बातचीत के लिए समय दिया गया है। बैठक में किसानों और मुख्यमंत्री कार्यालय में उच्चाधिकारियों के साथ सेम की समस्या को लेकर बातचीत होगी। इस बैठक में भट्टू इलाके के जिला के किसानों की सेम की समस्या के निदान बारे विस्तार से चर्चा की जाएगी। मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने भी गत दिवस जिला के गांव डूल्ट में आयोजित विशाल जनसभा के दौरान भी अपने संबोधन में कहा कि भट्टू इलाके में सेम की समस्या को लेकर धरने पर बैठे किसानों के मामले में उन्हें स्थानीय विधायक दुड़ाराम व उपायुक्त अजय सिंह तोमर ने अवगत कराया है। 27 जनवरी को चंडीगढ़ में उच्चाधिकारियों के साथ आयोजित इस बैठक में सेम की समस्या के हल बारे विस्तार से चर्चा की जाएगी। विधायक दुड़ाराम ने कहा कि किसानों की सेम की समस्या को लेकर मुख्यमंत्री मनोहर लाल व सरकार गंभीर है। सरकार चाहती है कि किसानों की इस सेम की समस्या का जल्द से जल्द समाधान हो।

राज्य सरकार ने किए दो आईएएस के तबादले, बारह को सौंपा अतिरिक्त चार्ज

जयपुर (हिंस)। राज्य सरकार ने गुरुवार को भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) के दो अधिकारियों का स्थानांतरण किया है। वहीं एक अधिकारी का स्थानांतरण निरस्त किया है। साथ ही, 12 आईएएस अधिकारियों को अतिरिक्त चार्ज दिया है। कार्मिक विभाग ने इसके आदेश जारी कर दिए हैं। कार्मिक विभाग के आदेशानुसार केन्द्रीय प्रतिनियुक्ति से लौटने के बाद एपीओ चल रहे सीनियर आईएएस आलोक को दिल्ली में चीफ रेजिडेंट कमिश्नर के पद पर पोस्टिंग दी गई है। स्टेट हेल्थ इंश्योरेंस एजेंसी के जॉइंट सीईओ जसमीत संधू का तबादला सलूंबर कलेक्टर के पद पर किया गया है। मुकुल शर्मा का निदेशक सिविल एविएशन और जीएडी उपसचिव से सलूंबर कलेक्टर के पद पर किया गया तबादला निरस्त कर दिया गया है। जोधपुर कलेक्टर गौरव अग्रवाल को जोधपुर ग्रामीण जिले के कलेक्टर का अतिरिक्त चार्ज दिया गया है। सूची में जिन 12 आईएएस को अतिरिक्त चार्ज दिया गया है, उनमें सामाजिक न्याय व अधिकारिता विभाग के एसीएस कुलदीप रांका को राज्य आयुक्त विशेष योग्यजन, परिवहन विभाग की एसीएस श्रेया गुहा को अध्यक्ष राज्य बस टर्मिनल विकास प्राधिकरण, एसीएस होम आनंद कुमार को आयुक्त नागरिक सुरक्षा विभाग, उद्योग विभाग के प्रमुख सचिव अजिताभ शर्मा को अध्यक्ष राजसीको और आयुक्त राजस्थान फाउंडेशन का अतिरिक्त चार्ज दिया गया है। कृषि विभाग के प्रमुख सचिव वैभव गालरिया को अध्यक्ष बीज निगम, यूडीएच के प्रमुख सचिव टी रविकांत को अध्यक्ष जयपुर सिटी ट्रांसपोर्ट सर्विसेज लिमिटेड (जेसीटीसीएल), आईटी विभाग की प्रमुख सचिव आरती डोगरा को अध्यक्ष राजकॉम्प इंफो सर्विसेज लिमिटेड, उद्यानिकी आयुक्त लक्ष्मण सिंह कुड़ी को निदेशक कृषि विपणन और प्रशासक कृषि विपणन बोर्ड का अतिरिक्त चार्ज दिया गया है। इसी तरह देवस्थान आयुक्त प्रज्ञा केवलरमानी को निदेशक खान, पर्यटन विभाग की निदेशक रश्मि शर्मा को सीईओ मेला विकास प्राधिकरण, जोधपुर कलेक्टर गौरव अग्रवाल को जोधपुर ग्रामीण कलेक्टर और बीडा के सीईओ सलोनी खेमका को डिप्टी सीईओ खुशखेड़ा-भिवाड़ी-नीमराना क्षेत्रीय विकास प्राधिकरण का अतिरिक्त चार्ज दिया गया है।

ट्रिपल आईटी निदेशक ने मतदाता दिवस की शपथ दिलाई

प्रयागराज (हिंस)। भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (ट्रिपल आईटी) में गुरुवार को 14वें राष्ट्रीय मतदाता दिवस के अवसर पर निदेशक प्रो. मुकुल शरद सुतावने ने संकाय परिवार के सदस्यों को मतदाता की शपथ दिलायी। इस अवसर पर भारत के नागरिक लोकतंत्र में अपनी पूर्ण आस्था रखते हुए सभी ने शपथ लिया कि *हम अपने देश की लोकतांत्रिक परम्पराओं की मर्यादा को बनाये रखेंगे तथा स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण निर्वाचन की गरिमा को अक्षुण्ण रखते हुए, निर्भीक होकर, धर्म, वर्ग, जाति, समुदाय, भाषा अथवा अन्य किसी भी प्रलोभन से प्रभावित हुए बिना सभी निर्वाचनों में अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे।* इसके पूर्व डॉ. संजय सिंह ने बताया कि इस वर्ष की थीम *वोट जैसा कुछ नहीं, वोट जरूर डालेंगे हम*। उन्होंने लोकतंत्र में मतदान के महत्व पर प्रकाश डाला और कहा कि हमारा देश विश्व का सबसे बड़ा एवं समृद्ध लोकतंत्र हैं। उन्होंने बताया कि संस्थान में 26 जनवरी को 75वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर प्रो. मुकुल शरद सुतावने, निदेशक झलवा परिसर में प्रशासनिक भवन के सामने प्रातः 10 बजे ध्वजारोहण करेंगे। उसके पश्चात 10.30 बजे एनसीसी भवन पर झंडारोहण करेंगे।

भारत में दुनिया का सबसे बड़ा, जीवंत और स्थिर लोकतंत्र : अभय सिंह यादव

नारनौल (हिंस)। चौधरी बैजनाथ राजकीय महिला महाविद्यालय नांगल चौधरी में गुरूवार को राष्ट्रीय मतदाता दिवस मनाया गया। इस मौके पर नांगल चौधरी के विधायक एवं पूर्व आईएएस डॉ. अभय सिंह यादव ने बतौर मुख्यातिथि शिरकत की। विधायक ने युवाओं को राष्ट्रीय मतदाता दिवस की बधाई देते हुए कहा कि आज का दिन भारत के जीवंत लोकतंत्र का जश्न मनाने का है। उन्होंने कहा कि भारत में निर्वाचन आयोग के स्थापना दिवस पर प्रत्येक वर्ष 25 जनवरी को मतदाता दिवस मनाया जाता है। इसका उद्देश्य चुनाव व्यवस्था के बारे में नागरिकों को जागरुक करना और चुनावी प्रक्रिया में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करना है। उन्होंने कहा कि भारत के लोकतंत्र को दुनिया के सबसे बड़े, जीवंत और स्थिर लोकतंत्र के रूप में सम्मान दिया जाता है। उन्होंने कहा कि दुनिया के सबसे बड़े

लोकतांत्रिक देश में निर्वाचन प्रक्रिया के माध्यम से सामाजिक क्रांति संभव हो पाई है। उन्होंने कहा कि यह हमारे लोकतंत्र की एक बड़ी सफलता है कि दूरदराज क्षेत्रों में रहने वाला आम मतदाता भी यह महसूस करता है कि यह तय करने में उसकी एक प्रमुख भूमिका है कि देश या राज्य पर कौन और कैसे शासन करेगा। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में मतदान या चुनाव लोकतंत्र के आधार स्तंभ होते हैं और इसे सुचारू रूप से चलाने के लिए मतदाता ही सबसे अहम होता है। वोट देना या मतदान करना अधिकार ही नहीं बल्कि एक कर्तव्य भी है। बहुत से लोग इसके महत्व और शक्ति को नजर अंदाज कर देते हैं। ऐसे में जरूरी है कि देश के एक-एक मतदाता को वोट डालने के लिए प्रेरित किया जाए। इस मौके पर शहीद मेजर सतीश दहिया महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अनिल यादव, कन्या महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. राष्ट्रपाल यादव, डॉ. हरनाम यादव, पंचायत समिति चेयरमेन निजामपुर विनोद यादव, पंचायत समिति चेयरमेन नांगल चौधरी कर्मपाल यादव सहित अनेक गांवों के सरपंच मौजूद रहे।

हेल्थ इंश्योरेंस से अब सभी हॉस्पिटल में मिलेगा कैश-लेस ईलाज पहले टाइ-अप वाले अस्पताल में ही मिलती थी यह सुविधा

नई दिल्ली।
हेल्थ इंश्योरेंस पॉलिसी धारक अब देश के किसी भी हॉस्पिटल में कैश-लेस इलाज करा सकेंगे। यानी बीमार होने पर किसी भी हॉस्पिटल में आपको इलाज के लिए पैसे नहीं देने पड़ेंगे। अब आपके इलाज का पूरा खर्चा बीमा कंपनी आपके बीमा कवर से कैश-लेस रूप में हॉस्पिटल को दे देगी। जनरल इंश्योरेंस काउंसिल ने कैशलेस एवरीवेयर नाम से नए इनिशिएटिव की शुरुआत की है। इस बात की जानकारी जनरल इंश्योरेंस काउंसिल के चेयरमैन तपन सिंघल ने दी है। जीआईसी को इंश्योरेंस रेगुलेटरी एंड डेवलपमेंट अथॉरिटी ऑफ इंडिया ने 2001 में गठित किया था। यह आईआरडीएआई और लाइफ इंश्योरेंस इंडस्ट्री के बीच लिंक का काम करती है।

अभी तक क्या सुविधा थी - हेल्थ इंश्योरेंस पॉलिसी होल्डर्स को पहले ये सुविधा तभी मिलती थी, जब उनके इंश्योरेंस कंपनी का पहले से अस्पताल से टाई-अप होता था। अगर इंश्योरेंस कंपनी का पहले से हॉस्पिटल से टाई-अप नहीं है, तो यह सुविधा उनको नहीं मिलती है। इलाज का बिल जेब से भरना होता है, जिसका सेटलमेंट क्लेम के जरिए बाद में करना होता है।

किन हॉस्पिटल्स में मिलेगी सुविधा - अगर आपने किसी भी कंपनी की हेल्थ इंश्योरेंस ली है, तो 15 से ज्यादा बेड वाले देश के वो सभी अस्पताल जो अपनी स्टेट की हेल्थ अथॉरिटी से रजिस्टर्ड हैं। उनमें आप कैश-लेस इलाज का लाभ ले पाएंगे।

क्या यह सुविधा इमरजेंसी में मिलेगी - अगर आपके बीमा कंपनी का टाइ-अप आपके इलाज कराने वाले अस्पताल से नहीं है, तो इलेक्टिव सर्जरी या इलाज शुरू होने के 48 घंटे पहले बीमा कंपनी को बताना होगा। इमरजेंसी की स्थिति में भी बीमा कंपनी को 48 घंटे के भीतर जानकारी देनी होगी तभी आप इस सुविधा का लाभ ले सकेंगे।

सभी पॉलिसी होल्डर्स को मिलेगी यह सुविधा
नहीं लगेगा एक्स्ट्रा चार्ज - यह सुविधा मौजूदा पॉलिसी होल्डर सहित आज के बाद पॉलिसी लेने वाले लोगों को भी मिलेगी। इसके लिए प्रीमियम में या अलग से कोई अतिरिक्त चार्ज नहीं देना होगा।

अभी केवल 67 प्रतिशत बीमा धारक ही ले रहे लाभ - जीआई काउंसिल के हेल्थ इंश्योरेंस के डायरेक्टर सेगर संपतकुमार ने बताया कि आज से इंश्योरेंस कंपनियां अस्पतालों में यह सुविधा देने के लिए काम शुरू करेंगी। अभी करीब 63 प्रतिशत लोग टाइअप अस्पतालों में कैशलेस सुविधा का लाभ ले रहे हैं। लेकिन 37 प्रतिशत लोग अब भी इस सुविधा से वंचित है।

न्यूज ब्रीफ

16 साल के शीर्ष पर पहुंच सकता है सरकार का सकल कर राजस्व, जीडीपी में 11.6 फीसदी हो सकती है हिस्सेदारी

नई दिल्ली । केंद्र सरकार का सकल कर राजस्व चालू वित्त वर्ष में 16 साल के शीर्ष पर पहुंच सतता है। एसबीआई रिपोर्ट के अनुसार सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के अनुपात में इसके 11.6 फीसदी रहने की उम्मीद है। 2024-25 में सकल कर राजस्व दो दशकों में सर्वाधिक रहने की उम्मीद है। चालू वित्त वर्ष में टैक्स बजट अनुमान से 80,000 करोड़ रुपये ज्यादा रह सकता है। गैर टैक्स राजस्व 50,000 करोड़ ज्यादा रहने की उम्मीद है। इस दौरान केंद्र का खर्च भी 60,000 करोड़ बढ़ सकता है। राजकोषीय घाटा चालू वित्त वर्ष में कम होकर जीडीपी के अनुपात में 5.9 फीसदी रह सकता है। अंतरिम बजट में इसका लक्ष्य 5.5 फीसदी हो सकता है। जुलाई में पेश होने वाले पूर्ण बजट में यह और कम होकर 5.3 से 5.4 फीसदी के लक्ष्य पर आ सकता है। 2024-25 में केंद्र सरकार बाजार से 11.7 लाख करोड़ रुपये की उधारी ले सकती है। 3.6 लाख करोड़ का पुनर्भुगतान भी कर सकती है। सकल उधारी इस दौरान 15.3 लाख करोड़ रुपये रहने की उम्मीद जताई गई है। 2024-25 में अर्थव्यवस्था सालाना आधार पर 11 फीसदी बढ़कर 329 लाख करोड़ हो सकती है। इस दौरान कर राजस्व 10.5 फीसदी की तेजी के साथ 26.6 लाख करोड़ रह सकता है। गैर कर राजस्व बढ़कर 3.6 लाख करोड़ रहने की उम्मीद है। 2024-25 में केंद्र सरकार का खर्च 7.3 फीसदी बढ़कर 48.9 लाख करोड़ रहने का अनुमान है। वित्त वर्ष 2025 में वास्तविक जीडीपी की वृद्धि दर 6.8 फीसदी रह सकती है।

चीन के सेंट्रल बैंक ने घटाई ब्याज दरें, 5 फरवरी से होंगी लागू

मुंबई । चीन ने अर्थव्यवस्था की सेहत बनाने के लिए रिजर्व रेश्यो की जरूरत (आरआरआर) में 50 बेसिस प्वॉइंट की कटौती करने का फैसला किया है। ये कटौती 5 फरवरी से लागू होंगी। दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था करीब एक लाख करोड़ यूआन (चीन की करेंसी) लंबी अवधि की पूंजी के तौर पर जारी करेगी। हाल ही में चीन ने घरेलू और विदेशी बाजारों के जरिए अपने बाजार को मजबूती देने के लिए कुछ कदम उठाए थे। बताते चलें कि चीन की अर्थव्यवस्था पर जोखिम लगातार बढ़ रहा है। यहां के कुछ बड़े रिटल एस्टेट डेवलपर्स पर गंभीर कर्ज का संकट मंडरा रहा है। चीन की सरकार अब यहां की रियल-एस्टेट सेक्टर से कर्ज का बोझ घटाने पर जोर दे रही है। आरआरआर में कटौती से लिक्विडिटी बढ़ेगी और फिर बैंक ग्राहकों को लोन जारी कर सकेंगे और अर्थव्यवस्था को सपोर्ट करने के लिए और भी अधिक बॉन्ड्स खरीद सकेंगे। चीन के केंद्रीय बैंक ने 2023 में आरआरआर में दो बार कटौती की थी।

विप्रो के फाउंडर फाउंडर अजीम प्रेमजी ने बेटों को गिफ्ट किए 500 करोड़ रुपये के शेयर

नई दिल्ली। आईटी सेक्टर की दिग्गज कंपनी विप्रो के फाउंडर अजीम प्रेमजी है। बीते दिन विप्रो फाउंडर ने अपने दोनों बेटों को 500 करोड़ रुपये के शेयर तोहफे में दिये हैं। इसकी जानकारी कंपनी ने नियामक फाइलिंग में बताई है। स्टॉक एक्सचेंज की फाइलिंग के अनुसार अजीम प्रेमजी ने अपने दोनों बेटों (रिशद प्रेमजी और तारिक प्रेमजी) को 500 करोड़ रुपये के मूल्य के शेयर उपहार के तौर पर दिये हैं। इन्होंने रिशद और तारिक को लगभग 10.2 मिलियन शेयर गिफ्ट किया है। यानी कि हर बेटे को 51,15,090 शेयर दिए। यह कंपनी के शेयर पूंजी का 0.02 फीसदी है। बता दें कि रिशद प्रेमजी विप्रो के अध्यक्ष हैं। वहीं, तारिक प्रेमजी अजीम प्रेमजी एंडोमेंट फंड में उपाध्यक्ष हैं। अजीम प्रेमजी एंडोमेंट फंड परोपकारी पहलुओं को निधि देने वाली फंड है। तारिक प्रेमजी अब अजीम प्रेमजी फाउंडेशन और अजीम प्रेमजी एंडोमेंट फंड के बोर्ड के मेंबर है। अजीम प्रेमजी द्वारा दिए गए गिफ्ट के बाद अजीम प्रेमजी की फैमिली के पास कंपनी की 4.4 फीसदी हिस्सेदारी है। जिसमें अजीम प्रेमजी के पास 4.3 फीसदी हिस्सेदारी है। उनकी पत्नी यासमीन प्रेमजी के पास 0.05 फीसदी और दोनों बेटों के पास 0.03 फीसदी हिस्सेदारी है। बता दें कि इस शेयर ट्रांजेक्शन का कंपनी के प्रमोटर और प्रमोटर ग्रुप पर कोई असर नहीं पड़ेगा। यह शेयर ट्रांजेक्शन ग्रुप के भीतर हुआ है इस वजह से इसका प्रमोटर पर कोई असर नहीं पड़ेगा। विप्रो के शेयर 8.85 अंक बढ़कर 478.75 रुपये प्रति शेयर पर बंद हुए।

ग्रामीण अर्थव्यवस्था के लिए सरकार के रुख पर रहेगी नजर, कृषि क्षेत्र को बजट से हैं ये अपेक्षाएं

नई दिल्ली ।
सरकार ग्रामीण अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने के लिए अंतरिम बजट में कृषि क्षेत्र की प्रमुख योजनाओं के लिए आवंटन में उल्लेखनीय वृद्धि कर सकती है और ऋण सुविधा में इजाफा कर सकती है, क्योंकि कृषि क्षेत्र में वृद्धि 2023-24 में एक साल पहले के 4 प्रतिशत की तुलना में घटकर 1.8 प्रतिशत रहने का अनुमान है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण 1 फरवरी 2024 को अंतरिम बजट पेश करने वाली हैं। यह 2024 के लोकसभा चुनाव से पहले नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार का आखिरी प्रमुख आर्थिक दस्तावेज होगा।

किसान सम्मान निधि की सहायता राशि में इजाफे की उम्मीद - 2019 के आम चुनावों से पहले अंतरिम बजट में, सरकार ने पीएम-किसान सम्मान निधि की घोषणा की थी, जिसके तहत छोटे किसानों को सालाना 6,000 रुपये तक की वित्तीय सहायता दी जाती है। चुनावी साल में उम्मीद की जा रही है कि आगामी बजट में सरकार सहायता राशि में इजाफा करने की घोषणा कर सकती है। साथ ही, सरकार अगले वित्त वर्ष के लिए कृषि ऋण लक्ष्य को पर्याप्त रूप से 22-25 लाख करोड़ रुपये तक बढ़ाने की घोषणा कर सकती है। सह यह कदम उठाकर यह सुनिश्चित कर सकती है कि प्रत्येक पात्र किसान की संस्थागत ऋण तक पहुंच हो। सरकार ने चालू वित्त वर्ष में कृषि ऋण 20 लाख करोड़ रुपये रखने का लक्ष्य रखा है। चालू वित्त वर्ष में, दिसंबर 2023 तक 20 लाख करोड़ रुपये के कृषि ऋण लक्ष्य का लगभग 82 प्रतिशत हासिल किया गया है। बर्बादी को कम करने के लिए वेयरहाउसिंग को बढ़ावा दिया जाना चाहिए: सीआईआई उद्योग मंडल सीआईआई के महानिदेशक चंद्रजीत बनर्जी ने कहा कि अंतरिम बजट में समावेशी वृद्धि को आगे बढ़ाने के लिये कृषि और ग्रामीण क्षेत्रों को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। उन्होंने कहा, कृषि क्षेत्र में, बर्बादी को कम करने के लिए वेयरहाउसिंग को बढ़ावा दिया जाना चाहिए। इलेक्ट्रॉनिक नेगोशिएबल वेयरहाउस रिसिप्ट्स (ईएनडब्ल्यूआर) का कवरेज बढ़ाया जाना चाहिए, और हमने उन्हें वित्त, व्यापार और व्यापार के निपटान के लिए उपयोग करने की अनुमति देने की सिफारिश की है। उद्योग मंडल ने किसानों को नकद हस्तांतरण के रूप में सीधे उर्वरक सब्सिडी देने की दिशा में आगे बढ़ने की भी वकालत की है।

बेहतर सिंचाई सुविधाएं और बेहतर ग्रामीण बुनियादी ढांचे से आएगा बड़ा बदलाव - द ऑर्गेनिक वर्ल्ड के संस्थापक और प्रबंध निदेशक गौरव मनचंदा ने कहा कि भारत को परिचालन का अनुकूलन करने और उभरते बाजार के अवसरों का दोहन करने के लिए बजटीय समर्थन और मजबूत किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओ) की आवश्यकता है। उन्होंने कहा, उच्च कृषि बीमा परिव्यय, ग्रामीण रोजगार योजनाओं में अधिक निवेश, बेहतर सिंचाई सुविधाएं और बेहतर ग्रामीण बुनियादी ढांचे से बड़ा बदलाव आ सकता है। 2023-24 के केंद्रीय बजट में, सीतारमण ने कृषि शिक्षा और अनुसंधान सहित कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय को 1.25 लाख करोड़ रुपये आवंटित किए। सरकार ने 2013-14 के आवंटन 27,662.67 करोड़ रुपये को कई गुना बढ़ा दिया है।

ग्रामीण क्षेत्रों से जुड़ी योजनाओं पर खर्च के लिए बढ़ाया जा सकता है आवंटन - धानुका एग्रीटेक के प्रबंध निदेशक एमके धानुका ने अंतरिम बजट में उम्मीद जताई है कि सरकार कृषि प्रोत्साहन के लिए उठाए गए कदमों को जारी रखेगी। उन्होंने कहा, विशेष रूप से, हम पीएम-किसान सम्मान निधि में कुछ वृद्धि और ग्रामीण खर्च में इजाफा करने उम्मीद करते हैं। ग्रामीण क्षेत्रों से जुड़ी योजनाओं पर खर्च के लिए आवंटन बढ़ाया जा सकता है। इसके अलावे ग्रामीण बुनियादी ढांचे में सुधार एक प्रमुख सरकारी प्राथमिकता बने रहने की संभावना है।

बीज क्षेत्र में अधिक प्रत्यक्ष विदेशी निवेश को आकर्षित करने की बने नीति - पिछले बजट में प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि (पीएम-किसान) के लिए 60,000 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। योजना के तहत प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण (डीबीटी) के माध्यम से 30 नवंबर, 2023 तक 11 करोड़ से अधिक किसानों को 2.81 लाख करोड़ रुपये से अधिक की राशि जारी की जा चुकी है। फेडरेशन ऑफ सीड इंडस्ट्री ऑफ इंडिया (एफएसआईआई) के अध्यक्ष और सवाना सीड्स के सीईओ अजय राणा ऐसे नीतिगत माहौल पर जोर देने की वकालत की बीज क्षेत्र में अधिक प्रत्यक्ष विदेशी निवेश को आकर्षित करने में मदद मिले। उन्होंने कहा, इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि उत्पादकता और किसानों की आय बढ़ाने के लिए हमें अधिक नवाचार की जरूरत है। हमें एक ऐसी नीति की ओर बढ़ने की जरूरत है जो बौद्धिक संपदा और विदेशी निवेश के संरक्षण को प्रोत्साहित करे। यह और अधिक निवेशकों को भारत में निवेश करने के लिए प्रोत्साहित करेगी, जिससे हमारी अर्थव्यवस्था, किसानों और समग्र उत्पादकता को लाभ होगा।

खाद्य और उर्वरक सब्सिडी को तर्कसंगत बनाया जाना चाहिए - आईडी फ्रेश फूड के वैश्विक सीईओ पीसी मुस्तफा ने कहा कि सरकार को खाद्य सुरक्षा मानकों को बढ़ावा देने और प्रौद्योगिकी में पर्याप्त निवेश को प्राथमिकता देनी चाहिए। उन्होंने कहा, मेक इन इंडिया ब्रांड के रूप में हमें उम्मीद है कि बजट नवाचार को बढ़ावा देगा और नियामकीय प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित करेगा।

सेबी पर सोनी के साथ विलय नाकाम करने के प्रयास का लगाया गया था आरोप

नई दिल्ली ।
सोनी पिक्चर्स के साथ 10 अरब डॉलर का प्रस्तावित सौदा रद्द होने के कुछ दिन पहले जी समूह के संस्थापक सुभाष चंद्रा ने वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को पत्र लिखकर बाजार नियामक सेबी पर इस सौदे को नाकाम करने की कोशिश का आरोप लगाया था। सोनी पिक्चर्स नेटवर्क (अब कल्वर मैक्स) ने जी समूह की मीडिया फर्म जी एंटरटेनमेंट एंटरप्राइजेज लिमिटेड के साथ विलय समझौते को खत्म करने की घोषणा कर दी है। उसने विलय प्रक्रिया को निर्धारित समयसीमा के भीतर न पूरा किए जाने पर इसे रद्द कर दिया है। दोनों पक्षों के बीच दिसंबर, 2021 में 10 अरब डॉलर का विलय समझौता हुआ था और इसे दो साल में पूरा किया जाना था। एक महीने की विस्तारित समयसीमा पूरी होने के बाद भी नई इकाई के नेतृत्व पर सहमति नहीं बन पाई थी। चंद्रा ने 16 जनवरी को लिखे इस पत्र में भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) पर पूर्व-निर्धारित सोच से काम करने का आरोप लगाते हुए जी एंटरटेनमेंट के अल्पांश शेयरधारकों के हितों की रक्षा के लिए जरूरी कदम उठाने का अनुरोध किया था। इस पत्र में चंद्रा ने कहा कि जी एंटरटेनमेंट और अन्य सभी लोग कंपनी का पैसा दूसरी जगह भेजने के मामले की जांच में सहयोग कर रहे हैं। उन्होंने कंपनी के पूर्व निदेशकों को सेबी की तरफ से नया नोटिस भेजे जाने पर चिंता भी जताई। उन्होंने कहा कि मेरी चिंता इस नए नोटिस के समय और इसकी तात्कालिकता को लेकर है क्योंकि यह जी एंटरटेनमेंट और कल्वर मैक्स के विलय के पूरा होने की समयसीमा से मेल खाता है। चंद्रा ने कहा कि नोटिस में ऐसा कोई बिंदु नहीं है जो पहले से ही कंपनी के रिकॉर्ड का हिस्सा नहीं है। चंद्रा ने सेबी पर पूर्वाग्रह से ग्रस्त होकर काम करने का आरोप लगाते हुए कहा कि अपीलीय न्यायाधिकरण सैट ने उन्हें और उनके बेटे पुनीत गोयनका को किसी भी सूचीबद्ध इकाई में प्रमुख पद रखने पर प्रतिबंध लगाने के सेबी के आदेश पर रोक लगा दी थी। चंद्रा ने कहा था कि मेरा दृढ़ विश्वास है कि इस स्तर पर जी एंटरटेनमेंट के पूर्व निदेशकों को नोटिस भेजना मीडिया मंचों के जरिये मामले को सनसनीखेज बनाने की एक कवायद प्रतीत होता है।

16 साल के शीर्ष पर पहुंच सकता है सकल कर संग्रह, जीडीपी में 11.6 फीसदी हो सकती है हिस्सेदारी

नई दिल्ली ।
चालू वित्त वर्ष में केंद्र सरकार का सकल कर राजस्व 16 साल के शीर्ष पर रह सकता है। एसबीआई रिपोर्ट के अनुसार, सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के अनुपात में इसके 11.6 प्रतिशत रहने की उम्मीद है। 2024-25 में सकल कर राजस्व दो दशकों में सर्वाधिक रहने की उम्मीद है।

चालू वित्त वर्ष में शुद्ध टैक्स बजट अनुमान से 80,000 करोड़ रुपये ज्यादा रह सकता है। गैर टैक्स राजस्व 50,000 करोड़ ज्यादा रहने की उम्मीद है। इस दौरान केंद्र का खर्च भी 60,000 करोड़ बढ़ सकता है। राजकोषीय घाटा चालू वित्त वर्ष में कम होकर जीडीपी के अनुपात में 5.9 प्रतिशत रह सकता है। अंतरिम बजट में इसका लक्ष्य 5.5 प्रतिशत हो सकता है। जुलाई में पेश होने वाले पूर्ण बजट में यह और कम होकर 5.3 से 5.4 फीसदी के लक्ष्य पर आ सकता है।

2024-25 में केंद्र सरकार बाजार से 11.7 लाख करोड़ रुपये का उधारी ले सकती है। 3.6 लाख करोड़ का पुनर्भुगतान भी कर सकती है। सकल उधारी इस दौरान 15.3 लाख करोड़ रुपये रहने की उम्मीद जताई गई है। 2024-25 में अर्थव्यवस्था सालाना आधार पर

11 प्रतिशत बढ़कर 329 लाख करोड़ हो सकती है। इस दौरान कर राजस्व 10.5 फीसदी की तेजी के साथ 26.6 लाख करोड़ रह सकता है। गैर कर राजस्व बढ़कर 3.6 लाख करोड़ रहने की उम्मीद है।

49 लाख करोड़ रुपये खर्च का अनुमान

2024-25 में केंद्र सरकार का खर्च 7.3 प्रतिशत बढ़कर 48.9 लाख करोड़ रहने का अनुमान है। वित्त वर्ष 2025 में वास्तविक जीडीपी की वृद्धि दर 6.8 प्रतिशत रह सकती है। सरकार छोटी बचत योजनाओं को बढ़ाने के लिए जोर दे सकती है।

एनपीए घटने से तीन बैंकों का मुनाफा बढ़ा, पेट्रोल-डीजल की कीमतों में बदलाव न करना बना कारण, जानिए कैसे

नई दिल्ली ।
मजबूत कर्ज वृद्धि से चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में तीन सरकारी बैंकों का शुद्ध मुनाफा बढ़ा है। बेहतर प्रावधान से इन बैंकों के एनपीए में भी कमी आई है। हालांकि, यूको बैंक का मुनाफा 23 फीसदी घट गया है।

केनरा बैंक

सरकारी बैंक का शुद्ध मुनाफा तीसरी तिमाही में 29 फीसदी बढ़कर 3,656 करोड़ रुपये पहुंच गया। कुल आय 26,218 करोड़ से बढ़कर 32,334 करोड़ रुपये पहुंच गई। शुद्ध ब्याज आय 9.5 फीसदी बढ़कर 9,417 करोड़ रही है। सकल एनपीए 5.89 फीसदी से घटकर 4.39 फीसदी रह गया।

इंडियन बैंक

शुद्ध लाभ 52 फीसदी बढ़कर 2,119 करोड़ रुपये पहुंच गया। कुल आय 13,551 करोड़ से बढ़कर 16,099 करोड़ पहुंच गई। सकल एनपीए 6.53 फीसदी से घटकर 4.47 फीसदी रह गया।

आईओबी

इंडियन ओवरसीज बैंक (आईओबी) का शुद्ध लाभ 30 फीसदी बढ़कर 723 करोड़ पहुंच गया। ब्याज आय 6,176 करोड़ पहुंच गई। सकल एनपीए 8.19 फीसदी से घटकर 3.90 फीसदी रह गया।

यूको बैंकः मुनाफा 23 फीसदी घटा

बैंक का शुद्ध लाभ 23 फीसदी घटकर 503 करोड़ रुपये रह गया। हालांकि, कुल आय 5,451 करोड़ से बढ़कर 6,413 करोड़ पहुंच गई। सकल एनपीए 5.63 फीसदी से घटकर 3.85 फीसदी रह गया।

आईओसी, 8,063 करोड़ का मुनाफा

इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन (आईओसी) को 8,063 करोड़ का मुनाफा हुआ है। एक साल पहले की समान तिमाही में यह सिर्फ 448 करोड़ था। मुनाफे में बढ़त पेट्रोल-डीजल की कीमतों में पिछले करीब दो साल से कोई बदलाव नहीं करने से हुआ है।

हिंडनबर्ग रिपोर्ट का एक साल, अडाणी बोले- आरोप झूठे थे

कहा- अनुभव शेयर कर रहा; क्योंकि ऐसा किसी और के साथ भी हो सकता है

नई दिल्ली।
अडाणी ग्रुप पर हिंडनबर्ग रिपोर्ट को 24 जनवरी को एक साल हो गया। इस रिपोर्ट के आने के बाद कंपनी के ज्यादातर शेयरों की कीमत आधे से ज्यादा गिर गई थी। संसद से लेकर सड़क तक हंगामा हुआ था।

इस मौके पर अडाणी ग्रुप के चेयरमैन गौतम अडाणी ने कहा कि इस अनुभव ने कंपनी को अहम सबक सिखाया है। अडाणी ने लिखा कि हमारे खिलाफ झूठ और बेबुनियाद आरोप कोई नई बात नहीं थी। इसलिए विस्तार से जवाब जारी करने के बाद मैंने इसके बारे में और कुछ नहीं सोचा। अडाणी ने ये भी कहा कि हमारी कंपनियों के प्रदर्शन से पता चलता है कि आरोप निराधार थे।

गौतम अडाणी के लेटर की 5 खास बातें

मीडिया में कुछ लोगों की मदद से हमारे खिलाफ ये झूठ इतने तीखे थे कि हमारे पोर्टफोलियो के मार्केट कैप में काफी कमी आई। मुझे इस बात की ज्यादा परेशानी थी कि हजारों छोटे निवेशकों ने अपनी बचत खो दी। हमारे विरोधियों की योजना अगर पूरी तरह से सफल हो जाती तो इससे बड़ी समस्या हो सकती थी। इस संकट से निपटने के लिए कोई रोडमैप नहीं था। अपने कारोबार पर विश्वास ने हमें अलग राह अपनाने की हिम्मत दी। सबसे पहले तो हमने 20,000 करोड़ रुपए का एफपीओ लाने के बाद, उस रकम को वापस लौटाने का फैसला लिया। यह कॉर्पोरेट इतिहास में नया कदम था, जो दिखाता है कि हम निवेशकों के हित और नैतिक कारोबार को लेकर कितने गंभीर हैं। हमने तथ्यों को पारदर्शी ढंग से रखा और कहानी का अपना पक्ष बताने पर ध्यान दिया। इससे हमारे ग्रुप के खिलाफ चलाए जा रहे निगेटिव कैंपेन का प्रभाव कम हो गया। पिछले साल की कठिनाइयों ने हमें महत्वपूर्ण सबक सिखाया, मजबूत बनाया। हालांकि, हम पर यह हमला और हमारे मजबूत जवाबी कदम निस्संदेह एक केस स्टडी बनेंगे। मुझे अपनी सीख साझा करने के लिए मजबूर होना पड़ा, क्योंकि, आज हम थे, कल कोई और हो सकता है। मैं इस भ्रम में नहीं हूं कि यह ऐसे हमलों का अंत है। मेरा मानना है कि हम इस अनुभव से और ज्यादा मजबूत होकर उभरे हैं और भारत की विकास गाथा में अपना विनम्र योगदान जारी रखने के अपने संकल्प में और अधिक दृढ़ हैं।

सेबी कर रहा मामले की जांच

24 जनवरी 2023 को हिंडनबर्ग रिसर्च ने अडाणी ग्रुप पर मनी लॉन्ड्रिंग से लेकर शेयर मैनिपुलेशन जैसे आरोप लगाए थे। केस की जांच के लिए सुप्रीम कोर्ट ने 6 सदस्यीय कमेटी बनाई थी। इसके अलावा मार्केट रेगुलेटर सेबी को भी जांच करने के लिए कहा था।

सेबी जांच में अब तक क्या-क्या हुआ

2 मार्च को सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में एक कमेटी बनाई थी और सेबी को भी जांच के लिए 2 महीने का समय दिया था। सेबी को 2 मई तक अपनी रिपोर्ट सौंपनी थी, लेकिन सेबी ने सुनवाई के दौरान जांच के लिए 6 महीने की मोहलत मांगी। बेंच ने इसे अगस्त तक बढ़ा दिया। यानी सेबी को अपनी जांच कर रिपोर्ट सौंपने के लिए कुल 5 महीने का समय मिला। 14 अगस्त को सेबी ने अपनी जांच पूरी करने और रिपोर्ट सौंपने के लिए सुप्रीम कोर्ट से 15 दिन का समय और मांगा। 25 अगस्त को सेबी ने सुप्रीम कोर्ट में स्टेटस रिपोर्ट फाइल की। बताया कि 22 जांच फाइनल हो चुकी हैं और 2 अधूरी हैं। 24 नवंबर 2023 को सुप्रीम कोर्ट ने फैसला सुरक्षित रखा था। कहा था कि हिंडनबर्ग की रिपोर्ट को सही मानने की जरूरत नहीं है। सुप्रीम कोर्ट ने 3 जनवरी को सेबी को बचे हुए 2 मामलों की जांच के लिए 3 और महीने का समय दिया है।

मेरे बयान को गलत तरीके से पेश किया गया, मैरी कॉम ने संन्यास से किया इनकार, कही यह बात

नई दिल्ली । भारत की महान मुक्केबाज मैरी कॉम ने संन्यास की बात कर के तहलका मचा दिया था। मीडिया रिपोर्ट्स में यह बताया गया था कि इस ओलंपिक पदक विजेता मुक्केबाज ने संन्यास ले लिया है। इसको लेकर सब हैरान थे, लेकिन अब मैरी कॉम ने एक और बयान देकर सबको चौंका दिया है। उन्होंने कहा है कि उनके संन्यास वाले बयान को गलत तरीके से पेश किया गया। उन्होंने अभी संन्यास नहीं लिया है। उन्होंने कहा कि जब भी वह संन्यास लेंगी तो खुद मीडिया के सामने आएंगी। दरअसल, भारत की सबसे लोकप्रिय खिलाड़ियों में से एक मैरी कॉम ने कहा था कि कैसे आयु सीमा उन्हें अधिकांश टूर्नामेंट में भाग लेने से रोकती है और करियर लगभग समाप्त हो चुका है। हालांकि मैरी कॉम ने पुष्टि की कि वह अभी तक रिटायर नहीं हुई हैं, लेकिन इसको लेकर योजना जरूर बना रही हैं। इस दिग्गज मुक्केबाज ने कहा, मैंने कुछ मीडिया रिपोर्ट देखी हैं, जिनमें कहा गया है कि मैंने संन्यास ले लिया है। मेरे बयान को गलत तरीके से पेश किया गया। मैं संन्यास लेने की कगार पर हूं, लेकिन अभी संन्यास नहीं लिया है। इससे पहले मैरी ने एक इवेंट में कहा था, मुझ में अभी भी भूख है, लेकिन दुर्भाग्य से उम्र सीमा तय होने के कारण मैं किसी भी टूर्नामेंट में हिस्सा नहीं ले सकती। मैं ज्यादा से ज्यादा मैच खेलना चाहती हूं, लेकिन मुझे (आयु सीमा के कारण) खेल छोड़ने के लिए मजबूर किया जा रहा है। मुझे रिटायर होना है। मैंने अपने जीवन में सब कुछ हासिल किया है। मैरी कॉम का आरोप है कि उनके इस बयान को गलत तरीके से पेश किया गया। उन्होंने इसके पीछे की पूरी कहानी भी बताई। अपने इस बयान के बारे में मैरी ने कहा– मैं 24 जनवरी को डिब्रूगढ़ में एक स्कूल के कार्यक्रम में हिस्सा लेने गई थीं। तब मैं बच्चों को प्रेरित कर रही थी। तब मैंने कहा था– मुझ में अभी भी खेलों में उपलब्धि हासिल करने की भूख है, लेकिन ओलंपिक में उम्र सीमा की वजह से भाग नहीं ले सकती। हालांकि, मैं खेलना जारी रख सकती हूं। मैं अभी भी फिटनेस पर ध्यान दे रही हूं और जब भी संन्यास लूंगी तो सभी को इसकी जानकारी दे दूंगी।

मैरी कॉम बॉक्सिंग इतिहास में पहली महिला मुक्केबाज हैं जिन्होंने विश्व कप में छह बार स्वर्ण पदक जीते हैं। पांच बार की एशियाई चैंपियन 2014 एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीतने वाली भारत की पहली महिला मुक्केबाज रही हैं। अनुभवी मुक्केबाज ने लंदन 2012 ओलंपिक खेलों में भी कांस्य पदक जीता। ऐसा कोई भी रिकॉर्ड या खिताब नहीं जिसे मैरी कॉम ने नहीं जीता हो।

न्यूज ब्रीफ

शीतकालीन खेलों के लिए तैयार नहीं गुलमर्ग की वादियां, जम्मू कश्मीर प्रशासन ने आयोजन आगे बढ़ाने का खेल मंत्रालय से किया आग्रह

श्रीनगर। खेलो इंडिया शीतकालीन खेल 2024 का कश्मीर में न सिर्फ स्थानीय खिलाड़ियों और आम लोगों को बेसब्री से इंतजार होता है, बल्कि देश भर के खेल प्रेमी इसे देखने के लिए पहुंचते हैं। इस बार उनका यह इंतजार लंबा हो सकता है, क्योंकि वर्ल्ड प्रसिद्ध स्की रिसोर्ट गुलमर्ग की पहाड़ियां इन खेलों के लिए अब तक तैयार नहीं हैं। गुलमर्ग समेत पूरा कश्मीर इस समय हिमपात के लिए तरस रहा है। यहां बर्फ की मोटी चादर बिछे बिना खेल नहीं हो सकते। इसे देखते हुए जम्मू कश्मीर प्रशासन ने खेल मंत्रालय से खेलो इंडिया शीतकालीन खेल 2024 के आयोजन को कुछ समय के लिए स्थगित करने का आग्रह किया है। पूरे देश में गुलमर्ग को शीतकालीन खेलों की राजधानी के रूप मे जाना जाता है। यहां हर वर्ष शीतकालीन खेलों का आयोजन होता है। खेलो इंडिया भी यहां हर वर्ष आयोजित किया जाता है। इस वर्ष इसका चौथा संस्करण दो से छह फरवरी तक गुलमर्ग में होना है। इस खेल महोत्सव के अंतर्गत दो खेल प्रतियोगिताएं आइस हाकी और आइस स्केटिंग लद्दाख में आयोजित होंगी। गुलमर्ग में प्रस्तावित खेल महोत्सव में देश के विभिन्न राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के 400 से ज्यादा खिलाडी स्कीइंग, स्नो बोर्डिंग, स्नो रग्बी, स्नो माउंटेनियरिंग, एल्पाइन स्कीइंग, नार्डिक स्कीइंग जैसे खेलों में भाग लेने के लिए आएंगे।

लक्ष्य और किरण दूसरे दौर में, प्रणय और श्रीकांत बाहर

जकार्ता । भारतीय खिलाड़ी लक्ष्य सेन और किरण जॉर्ज ने यहां इंडोनेशिया मास्टर्स सुपर 500 बैडमिंटन टूर्नामेंट के दूसरे दौर में जगह बनाई। वहीं, स्टार खिलाड़ी एचएस प्रणय और किदांबी श्रीकांत शुरुआती दौर में हारकर बाहर हो गए। दुनिया के 19वें नंबर के खिलाड़ी सेन ने चीन के वेंग होंग यांग से मलयेशिया ओपन के पहले दौर में मिली हार का बदला चुकता किया। उन्होंने चीन के खिलाड़ी पर 24-22, 21-15 से जीत हासिल की। 2022 ओडिशा ओपन और 2023 डेनमार्क मास्टर्स में सुपर 100 खिताब जीतने वाले 23 साल के जॉर्ज ने पहले दौर में एक गेम से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए फ्रांस के टोमा जूनियर पोपोव को 18-21, 21-16, 21-19 से शिकस्त दी। जॉर्ज ने दो जीत दर्ज करने के बाद मुख्य ड्रॉ में प्रवेश किया। अब जॉर्ज की भिड़ंत चीन के लु गुआंग जू से होगी। सेन का सामना अगले दौर में डेनमार्क के मलयेशिया ओपन विजेता एंडर्स एंटोनसेन या इंडोनेशिया के चिको औरा ड्वी वारडोयो के बीच होने वाले मुकाबले के विजेता से होगा। दुनिया के आठवें नंबर के खिलाड़ी प्रणय को पहले दौर में सिंगापुर के पूर्व विश्व विजेता लोह कीन यिऊ से 18-21, 21-19, 10-21 से हार गए। इस महीने के शुरू में इंडिया ओपन सुपर 750 के सेमीफाइनल में पहुंचे प्रणय मलयेशिया ओपन सुपर 1000 टूर्नामेंट के भी पहले दौर में हार गए थे।

ज्वेरेव ने अल्कारेज को हराकर किया बाहर, एलेक्जेंडर का सेमीफाइनल में मेदवेदेव से होगा सोमना

मेलबर्न । जर्मनी के एलेक्जेंडर ज्वेरेव ने यहां क्वार्टर फाइनल में दूसरे वरीय कार्लोस अल्कारेज को हराकर ऑस्ट्रेलियाई ओपन से बाहर कर दिया। ज्वेरेव ने यह मैच में चार सेटों में 6-1, 6-3, 6-7(2), 6-4 जीतकर सेमीफाइनल में जगह पक्की की जहां उनका सामना दानिल मेदवेदेव से होगा। वहीं, मेदवेदेव ने नौवीं वरीयता प्राप्त हुबर्ट हुरकाज को करीब साढे चार घंटे तक चले मुकाबले में 7-6, 2-6, 6-3, 5-7, 6-4 से हराकर चार साल में तीसरी बार ऑस्ट्रेलियाई ओपन के सेमीफाइनल में जगह बनाई। इस मैराथन मुकाबले में मेदवेदेव ने हुरकाज की वापसी के हर प्रयास को नाकाम कर दिया। अमेरिकी ओपन 2021 चैंपियन मेदवेदेव दो बार ऑस्ट्रेलियाई ओपन में उपविजेता रह चुके हैं। पहली बार किसी ग्रैंडस्लैम के सेमीफाइनल में यास्त्रेम्स्का : इससे पहले यूक्रेन की डायना यास्त्रेम्स्का ने लिंडा नोस्कोवा को हराकर महिला एकल सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया और वह पहली बार किसी ग्रैंडस्लैम के अंतिम-चार में पहुंची हैं। यूक्रेन की 93वीं रैंकवाली डायना ने क्वालिफायर के जरिये मुख्य ड्रॉ में प्रवेश किया था। अब वह 12वीं रैंकिंग वाली झेंग किंवेन या अन्ना कालिंस्काया से खेलेंगी। वह 1978 में क्रिस्टीन स्टोरी के बाद ओपन युग में ऑस्ट्रेलियाई ओपन महिला एकल के सेमीफाइनल में पहुंचने वाली दूसरी क्वालिफायर हैं। नोस्कोवा ने क्वार्टर फाइनल में पहुंचने की राह में शीर्ष वरीयता प्राप्त इगा स्वियातेक को मात दी थी।

हैदराबाद टेस्ट का पहला दिन भारत के नाम

इंग्लैंड की पहली पारी 246 पर सिमटी ; भारत 119/1, जायसवाल 76 रन पर नाबाद लौटे

बैजबाल पर भारी पड़े जडेजा-अश्विन ; यशस्वी

हैदराबाद। इंग्लैंड की आक्रामक बैजबाल शैली पर भारतीय स्पिनर भारी पड़ गए। अनुभवी स्पिनर रविचंद्रन अश्विन और रवींद्र जड़ेजा ने तीन-तीन विकेट लिए, जिससे भारत ने इंग्लैंड को गुरुवार को पहले क्रिकेट टेस्ट के पहले दिन चायकाल के बाद 246 रन पर समेट दिया। भारत ने इसके जवाब में पहले दिन स्टंप्स तक एक विकेट खोकर 119 रन बना लिए हैं और वह पहली पारी में 127 रन से पीछे है जबकि उसके नौ विकेट बाकी हैं।

भारत ने इंग्लैंड को समेटने के बाद यशस्वी जायसवाल के आक्रामक अर्धशतक से 23 ओवर में 119 रन बना लिए हैं। यशस्वी ने 70 गेंदों में नौ चौकों और तीन छक्कों की मदद से 76 रन बना लिए हैं। यशस्वी ने कप्तान रोहित शर्मा के साथ पहले विकेट के लिए 80 रन की साझेदारी की। रोहित 24 रन बनाकर स्पिनर जैक लीच की गेंद पर बड़ा शॉट खेलने की कोशिश में स्टोक्स के हाथों कैच आउट हुए। स्टंप्स तक यशस्वी के साथ शुभमन गिल 14 रन बनाकर क्रीज पर हैं।

सुबह पहले सत्र में मामला बराबर का था। लेकिन दूसरे सेशन में भारत इंग्लैंड के ऊपर हावी हो गया। हालांकि तीसरे सेशन की शुरुआत में स्टोक्स ने कुछ बड़े शॉट्स ज़रूर खेले, स्टोक्स की अर्धशतकीय पारी की बदौलत इंग्लैंड ने स्कोरबोर्ड पर 246 का आंकड़ा छू लिया था लेकिन भारत और ख़ासकर यशस्वी जायसवाल ने जिस तरह की शुरुआत की, उसने इंग्लैंड को बैकफुट पर खड़ा कर दिया।

अगर इंग्लैंड को इस मैच में बने रहना है तो उसे कल पहले सेशन में भारत पर हावी होना होगा, अन्यथा यह मैच इंग्लैंड के हाथों से काफ़ी जल्दी निकल जाएगा।

बेन स्टोक्स ने 88 गेंदों में 70 रनों की पारी खेलकर उस समय एक्सीलरेटर बटन दबाया, जब शीर्ष स्कोर की सबसे ज्यादा जरूरत थी। राजीव गांधी अंतर्राष्ट्रीय स्टेडियम में खेले जा रहे पहले टेस्ट में इंग्लैंड ने टुकड़ों-टुकड़ों में शानदार प्रदर्शन किया – शुरुआती साझेदारी में 55 रन बने जबकि जो रूट और जॉनी बेयरस्टो के बीच चौथे विकेट के लिए 61 रनों की साझेदारी हुई। इंग्लैंड के कप्तान स्टोक्स ने लंच के बाद अपना 31वां टेस्ट अर्धशतक पूरा किया, जबकि निचले क्रम के साथ कीमती रन बनाकर इंग्लैंड को 200 के पार पहुंचाया।

अपने बैजबाल युग में भारतीय स्पिनरों का सामना करने में इंग्लैंड की चुनौती 246 रन पर सिमट गयी। इंग्लैंड के आठ विकेट स्पिन के कारण गिरे क्योंकि उन्हें दो बार 60-3 और 155-7 पर परेशानी का सामना करना पड़ा। जडेजा और अश्विन ने क्रमशः तीन-तीन विकेट लिए, हालांकि स्टोक्स के आक्रमण की लाइन में आने के कारण जडेजा थोड़े महंगे रहे। अक्षर पटेल ने दो विकेट लिए, जबकि तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को भी दो विकेट मिले।

पिछले साल बाएं घुटने की सर्जरी के बाद एक्शन में वापस आने वाले स्टोक्स ने इंग्लैंड के लिए देर से जवाबी हमला करने के लिए छह चौके और तीन छक्के लगाकर साबित कर दिया कि उनके पास अभी भी उनके प्रसिद्ध लड़ने के गुण हैं। उन्होंने धीमी गति से शुरुआत करने के अपने सर्व-परिचित पैटर्न का पालन किया, पहले त्वरक को एक उच्च गियर में प्रवेश करने के लिए दबाया और आक्रामक स्ट्रोक-प्ले के साथ सीमा रेखाओं को पार किया, जिसमें उन्होंने अपनी अंतिम 36 गेंदों पर अंतिम 53 रन बनाए।

लंच के बाद, तीसरे सत्र की पहली गेंद पर केएस भरत द्वारा राहत दिए जाने के बाद, स्टोक्स ने लेग साइड पर लगातार दो बड़े छक्के लगाकर अपना अर्धशतक पूरा किया। मार्क वुड को अश्विन द्वारा 11 रन पर आउट करने के बाद, स्टोक्स ने ऑफ स्पिनर को छह रन के लिए उछाल दिया और फिर बुमराह की गेंद पर चौका लगाया। आखिरकार, बुमराह ने स्टोक्स को बाहरी किनारे पर बड़े पैमाने पर हराया और 64.3 ओवर में इंग्लैंड की पारी को समेटने के लिए स्टोक्स का ऑफ स्टंप उड़ा दिया।

संक्षिप्त स्कोरः इंग्लैंड 64.3 ओवर में 246 (बेन स्टोक्स 70, बेन डकेट 35; रविचंद्रन अश्विन 3-68, रवींद्र जड़ेजा 3-88) भारत एक विकेट पर 119 (यशस्वी जायसवाल नाबाद 76, रोहित शर्मा 24, शुभमन गिल 14 नाबाद) ।

जूनियर पुरुष राष्ट्रीय शिविर के लिए 40 सदस्यीय संभावित स्क्वॉड का हुआ ऐलान

बेंगलुरू। हॉकी इंडिया ने भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) सेंटर में 29 जनवरी से शुरू होने वाले आगामी जूनियर पुरुष राष्ट्रीय कोचिंग शिविर के लिए 40 खिलाड़ियों के संभावित समूह की घोषणा की. इस नए कोर ग्रुप का चयन 2023 में आयोजित घरेलू चैंपियनशिप के दौरान उनके उल्लेखनीय प्रदर्शन के आधार पर किया । कोच जनार्दन सीबी के मार्गदर्शन में मुख्य संभावित समूह के खिलाड़ियों को 29 जनवरी को 20 दिवसीय प्रशिक्षण शिविर के लिए जुड़ना है, जो 17 फरवरी को समाप्त होगा। आगामी शिविर के बारे में कोच जनार्दन सीबी ने कहा, घरेलू चैंपियनशिप में उनके प्रदर्शन को देखते हुए चयन प्रक्रिया कठोर थी. हालांकि, मुझे विश्वास है कि चयनित 40 खिलाड़ी प्रतिभा और समर्पण का खजाना लेकर आएंगे। अब, जैसे ही हम कोचिंग शिविर के लिए तैयार हो रहे हैं. हमारा ध्यान कौशल को निखारने, जागरूकता पैदा करने और इन युवा एथलीटों के बीच जीतने की मानसिकता को बढ़ावा देने पर होगा।

40 सदस्यीय कोर-संभावित समूह में खिलाड़ियों की सूचीः

गोलकीपरः प्रिंस दीप सिंह, बिक्रमजीत सिंह, आदर्श जी, अश्वनी यादव, अली खान

डिफेंडरः शारदा नंद तिवारी, आमिर अली, मनोज यादव, सुखविंदर, रोहित, योगेम्बर रावत, अनमोल एक्का, प्रशांत बारला, आकाश सोरोंग, सुंदरम राजावत, आनंद वाई, तालेम प्रियो बार्टा

मिडफील्डरः बिपिन बिलवारा रवि, वचन एच ए, अंकित पाल, रोसन कुजूर, मुकेश टोप्पो, रितिक कुजूर, थौनाओजाम इंगलेम्बा लुवांग, थोकचोम किंगसन सिंह, अंकुश, जीतपाल, चंदन यादव, मनमीत सिंह, गोविंद नाग।

विराट के बाहर रहने के कारणों पर बोले डिविलियर्स, हमें जल्द ही कुछ अच्छा सुनने को मिलेगा

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली ने निजी कारणों से इंग्लैंड के खिलाफ पहले दो टेस्ट मैचों से अपना नाम वापस ले लिया है। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के अनुसार विराट निजी कारणों से इंग्लैंड के खिलाफ पहले दो टेस्ट नहीं खेल रहे और प्रशंसकों के साथ ही सभी को उनकी निजता का सम्मान करना चाहिये। इसी को लेकर आईपीएल टीम रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के उनके साथी रहे दक्षिण अफ्रीका के पूर्व कप्तान ए बी डिविलियर्स ने कहा है कि विराट ने क्यों ब्रेक लिया है, वह नहीं जानते पर अगर जानते भी होते तो बताते नहीं।

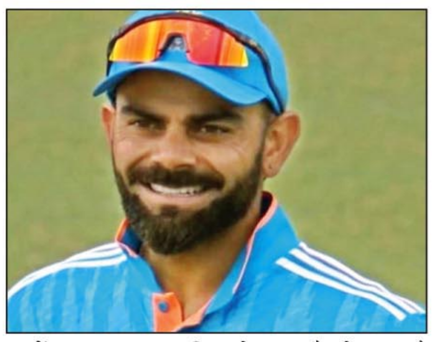

डिविलियर्स ने कहा, किसी को नहीं पता है कि क्या हुआ है पर मैं जानता हूं कि हमें जल्द ही कुछ अच्छा सुनने को मिलेगा। जब विराट निजी कारणों से ब्रेक ले रहे हैं तो इसमें एक अच्छा कारण छिपा हो सकता है। हो सकता है कि वे थक गए हो और उन्हें आराम की जरूरत हो क्योंकि वह लगातार क्रिकेट खेल रहे हैं। इसके अलावा ये भी हो सकता है कि उनका परिवार किसी परेशानी में हो। मैं जल्द ही इस बारे में पता कर लूंगा पर उसका खुलासा नहीं करुंगा क्योंकि विराट की दोस्ती मेरे लिए काफी अहम है।

वहीं इंग्लैंड के पूर्व कप्तान केविन पीटरसन ने विराट के फैसले को लेकर कहा, अगर एक खिलाड़ी निजी कारणों से अपना नाम वापस लेता है तो उसका सम्मान करो। गौरतब है कि कोहली और पीटरसन काफी अच्छे दोस्त रहे हैं। दोनों ही खिलाड़ी आईपीएल 2009 में रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर का हिस्सा थे।

टाटा स्टील मास्टर्स : प्रगनाननंदा ने महिला विश्व चैंपियन वेन जुन हराया, नाम की खास उपलब्धि

नीदरलैंड । आर प्रगनाननंदा ने चार बार की महिला विश्व चैंपियन चीन की वेन जुन को हराकर टाटा स्टील मास्टर्स शतरंज टूर्नामेंट में संयुक्त रूप से बढ़त बना ली है। वह नौ दौर के बाद 5.5 अंकों के साथ नीदरलैंड के अनीश गिरी, भारत के डी गुकेश, उज्बेकिस्तान के नोदिरबेक अब्दुसत्तारोव के साथ बढ़त पर हैं। गुकेश ने साथी खिलाड़ी विदित गुजराती के साथ ड्रॉ खेला। गुजराती के पांच अंक हैं। प्रगनाननंदा ने वेनजुन को हराने में सिर्फ 33 चालों का सहारा लिया। वह हाल के वर्षों में पुरुष और महिला वर्ग के विश्व चैंपियनों को हराने वाले खिलाड़ी बन गए हैं। उन्होंने विश्व चैंपियन चीन के डिंग लिरेन को भी इसी टूर्नामेंट में हराया था।

बचपन से कमाल कर रहे हैं प्रगनाननंदा

प्रगनाननंदा 12 साल की उम्र में ही ग्रैंडमास्टर बन गए थे। उनका जन्म 10 अगस्त 2005 को चेन्नई में हुआ था। वह तीन साल उम्र में ही शतरंज से जुड़ गए थे। प्रगनाननंदा के पिता रमेशबाबू बैंक में करते हैं। उन्होंने पोलियो से ग्रसित होने के बावजूद हिम्मत नहीं हारी और बच्चों का अच्छे से पालन-पोषण किया। प्रगनाननंदा की बड़ी बहन वैशाली को भी यह खेल पसंद था और उन्हें देखकर ही प्रगनाननंदा ने शतरंज खेलना शुरू किया। प्रगनाननंदा के लिए साल 2018 खास रहा। वह महज 12 साल की उम्र में ही ग्रैंडमास्टर बन गए थे। वह भारत के सबसे युवा ग्रैंडमास्टर बने थे। इस मामले में उन्होंने विश्वनाथन आनंद को पीछे छोड़ा था।

आनंद 18 साल की उम्र में ग्रैंडमास्टर बने थे। प्रगनाननंदा दुनिया के दूसरे सबसे युवा ग्रैंडमास्टर बने थे। उनसे आगे सिर्फ यूक्रेन के सिर्जी कर्जाकिन हैं। वह साल 1990 में सिर्फ 12 साल की उम्र में ग्रैंडमास्टर बन गए थे। पिछले साल वह फिडे विश्वकप शतरंज के फाइनल में हार गए। उन्होंने सेमीफाइनल में दुनिया के तीसरे नंबर के खिलाड़ी फैबियानो कारुआना को हराया था, लेकिन फाइनल में नॉर्वे के मैग्नस कार्लसन की चुनौती को नहीं तोड़ पाए। वह दुनिया के नंबर-1 खिलाड़ी के खिलाफ टाईब्रेकर में हार गए।

बोपन्ना-एबडेन की जोड़ी ऑस्ट्रेलियन ओपन के फाइनल में, दूसरी वरीयता प्राप्त झीझेन-मैचेक को दी शिकस्त

मेलबर्न । रोहन बोपन्नी और मैथ्यू एबडेन की जोड़ी ऑस्ट्रेलियन ओपन के पुरुष युगल स्पर्धा के फाइनल में पहुंच गई है। मेलबर्न के रोड लेवर एरेना में खेले गए सेमीफाइनल मुकाबले में इस जोड़ी ने दूसरी वरीयता प्राप्त झैंग झीझेन और थॉमस मैचेक की जोड़ी को 6-3, 3-6, 7-6 (10-7) से हरा दिया। बोपन्ना पहली बार इस ग्रैंडस्लैम के किसी भी स्पर्धा के फाइनल में पहुंचे हैं। वहीं, एबडेन के साथ वह लगातार दूसरे ग्रैंडस्लैम के पुरुष युगल के फाइनल में पहुंचे हैं।

फाइनल में इनसे हो सकता है सामना – फाइनल में बोपन्ना-एबडेन की जोड़ी का सामना जर्मनी के डोमिनिक कोएफर और यानिक हानमैन और इटली के आंद्रे वावासोरी और साइमन बोलेली की जोड़ी के बीच होने वाले दूसरे सेमीफाइनल के विजेता से होगा। बोपन्ना-एबडेन की जोड़ी ने छठी वरीयता प्राप्त अर्जेंटीना के मैक्सिमो गोंजालेस और आंद्रेस मोल्तेनी को एक घंटे 46 मिनट तक चले क्वार्टर फाइनल में 6-4, 7-6 से हराया था। सेमीफाइनल में पहला सेट 32 मिनट में 6-3 से आसानी से जीतने के बाद दूसरे सेट में 3-6 से हार गए थे। इसके बाद तीसरा सेट 6-6 से बराबर रहने पर मैच टाईब्रेकर में गया, जिसे बोपन्ना-एबडेन ने 10-7 से और सेट 7-6 से जीत लिया। इसी के साथ मैच भी अपने नाम कर लिया।

2023 में भी ऑस्ट्रेलियन ओपन के फाइनल में पहुंचे – 43 साल के बोपन्ना 2023 में भी ऑस्ट्रेलियन ओपन के फाइनल में पहुंचे थे, लेकिन मिश्रित युगल स्पर्धा में। तब बोपन्ना सानिया मिर्जा के साथ मिश्रित युगल के फाइनल में पहुंचे थे, लेकिन फाइनल में उन्हें हार का सामना करना पड़ा था। वहीं ओवरऑल यह बोपन्ना का पुरुष युगल में तीसरा ग्रैंडस्लैम फाइनल है। इससे पहले वह 2023 में एबडेन के साथ ही यूएस ओपन के फाइनल में पहुंचे थे, जहां उन्हें राजीव राम और जोए सैलिसबरी की जोड़ी के हाथों हार का सामना करना पड़ा था। इसके अलावा बोपन्ना पाकिस्तान के ऐसाम उल हक कुरैशी के साथ ग्रैंडस्लैम (यूएस ओपन) फाइनल में भी पहुंच चुके हैं।

बोपन्ना का ऑस्ट्रेलियन ओपन में पुरुष युगल में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन – ऑस्ट्रेलियन ओपन में पहली बार बोपन्ना 2008 में खेले थे और 17 बार यह ग्रैंडस्लैम खेलने के बाद यह उनका सबसे शानदार प्रदर्शन है। इससे पहले उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन तीसरे राउंड तक पहुंचने का था। बोपन्ना एबडेन के साथ पहली बार पुरुष युगल ग्रैंडस्लैम ट्रॉफी जीतना चाहेंगे। हालांकि, वह मिश्रित युगल में ग्रैंडस्लैम जीत चुके हैं। उन्होंने 2017 फ्रेंच ओपन ग्रैब्रिएला डैब्रोस्की के साथ जीता था। वहीं, एबडन एक बार ग्रैंडस्लैम पुरुष युगल का खिताब जीत चुके हैं। उन्होंने 2022 में ऑस्ट्रेलिया के ही मैक्स पुर्सेल के साथ विम्बलडन का खिताब जीता था। मार्च में 44 साल के होने वाले बोपन्ना अगर ऑस्ट्रेलियन ओपन जीतने में कामयाब होते हैं तो ग्रैंडस्लैम पुरुष युगल का खिताब जीतने वाले दुनिया के सबसे उम्रदराज खिलाड़ी भी बन जाएंगे।

राम 38 वर्ष की उम्र में बने थे नंबर एक – इससे पहले भारत के दिग्गज टेनिस खिलाड़ी रोहन बोपन्ना पुरुष युगल रैंकिग में नंबर एक पर काबिज होने वाले सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बनने की ओर अग्रसर हैं। 43 वर्ष के बोपन्ना टूर्नामेंट से पहले विश्व रैंकिंग में तीसरे स्थान पर थे। अब टूर्नामेंट के खत्म होने के बाद बोपन्ना युगल रैंकिंग में शीर्ष पर पहुंच जाएंगे। इससे पहले अमेरिका के राजीव राम अक्तूबर 2022 में विश्व रैंकिंग में शीर्ष पर पहुंचने वाले सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बने थे। उनकी उम्र 38 थी और करियर में पहली बार शीर्ष पर पहुंचे थे। एबडेन रैंकिंग में दूसरे स्थान पर पहुंचेंगे।

युगल में नंबर एक खिलाड़ी बनने वाले होंगे चौथे भारतीय – बोपन्ना 2013 में पहली बार विश्व रैंकिंग में तीसरे स्थान पर पहुंचे थे। वह युगल रैंकिंग में शीर्ष पर पहुंचने वाले लिएंडर पेस, महेश भूपति और सानिया मिर्जा के बाद चौथे भारतीय होंगे। वह अमेरिका के आस्टिन क्राइजेक से शीर्ष स्थान लेंगे जो क्रोएशिया के इवान डोडिज के साथ दूसरे दौर में हार गए थे।

बोपन्ना के करियर की अहम उपलब्धि – बोपन्ना ने 2017 में कनाडा की गैब्रियला डाब्रोवस्की के साथ फ्रेंच ओपन मिश्रित युगल खिताब जीता।

वह पुरुष युगल में 2010 अमेरिकी ओपन में पाकिस्तान के ऐसाम उल हक कुरैशी के साथ और 2023 में एबडेन के साथ उपविजेता रहे थे।

गणतंत्र दिवस और स्वतंत्रता दिवस पर राष्ट्रीय ध्वज फहराने के नियमों में होता है अंतर

पूरा देश कल यानी शुक्रवार को 75वां गणतंत्र दिवस का जश्न मनाने के लिए तैयार है। 26 जनवरी 1950 को देश का संविधान लागू हुआ था और भारत गणतंत्र बना था। इसीलिए हर साल 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस के रूप में मनाया जाता है। क्या आप जानते हैं कि गणतंत्र दिवस और स्वतंत्रता दिवस पर राष्ट्रीय ध्वज को फहराने के नियम और तरीके अलग-अलग हैं। अगर नहीं तो चलिए हम आपको बताते हैं कि कि गणतंत्र दिवस और स्वतंत्रता दिवस पर ध्वजारोहण के अंतर...

गणतंत्र दिवस और स्वतंत्रता दिवस राष्ट्रीय उत्सव हैं। दोनों ही अवसर पर देशभक्ति की भावना से ओतप्रोत देशवासी जश्न मनाते हैं। स्वतंत्रता सेनानियों और राष्ट्र निर्माताओं के महान बलिदान व योगदान को याद करते हैं। जहां गणतंत्र दिवस पर लोगों को भव्य परेड का इंतजार रहता है तो वहीं स्वतंत्रता दिवस पर लाल किले की प्रचारी से प्रधानमंत्री के राष्ट्र के नाम संबोधन का। गणतंत्र दिवस और स्वतंत्रता दिवस- दोनों ही अवसर पर राष्ट्रीय ध्वज फहराया जाता है, उसका सम्मान किया जाता है, लेकिन दोनों के तौर-तरीके बहुत अलग होते हैं। राष्ट्रीय की स्थिति मायने रखती है।

अंतर-1

स्वतंत्रता दिवस पर राष्ट्रीय ध्वज फहराने से पहले उसे बांधकर पोल (खंभे) के पास रखा जाता है। जब प्रधानमंत्री राष्ट्रीय ध्वज फहराने के लिए डोरी खींचते हैं तो पहले तिरंगा ऊपर उठता है और फिर फहराता है, इसे ध्वजारोहण (फ्लैग होस्टिंग) कहते हैं। वहीं गणतंत्र दिवस पर झंडा फहराने के से पहले उसे बांधकर पोल के शीर्ष पर बांध दिया जाता है, जब राष्ट्रपति डोरी खींचते हैं तो वह फहरने लगता है। इसे झंडा बंधन या झंडा फहराना (अन्फर्ल) कहा जाता है। इसके पीछे की वजह है कि जब देश आजाद हुआ था, तब तत्कालीन प्रधान मंत्री जवाहरलाल नेहरू ने ब्रिटिश सरकार का झंडा उतारकर भारत के झंडे को ऊपर चढ़ाकर फहराया था। उस वक्त भारत का कोई आधिकारिक राष्ट्रपति नहीं था। उस वक्त लॉर्ड माउंटबेटन भारत के गर्वनर थे, लेकिन वे ब्रिटिश सरकार के अफसर थे। इसलिए यह काम पीएम ने किया था। जब डॉ. राजेंद्र प्रसाद देश के पहले राष्ट्रपति बने तो उन्होंने 26 जनवरी, 1950 को पहले गणतंत्र दिवस पर झंडा फहराया, उस वक्त राष्ट्रीय ध्वज पहले से ही ऊपर बंधा था तो उसे खोलकर फहराया गया था, ऊपर उठाकर नहीं। तब से हर साल गणतंत्र दिवस पर राष्ट्रपति झंडा फहराते हैं।

गणतंत्र दिवस और स्ववतंत्र दिवस के कार्यक्रमों में है ये अंतर

स्वतंत्रता दिवस ध्वजारोहण लाल किले की प्राचीर से किया जाता है, जबकि गणतंत्र दिवस तिरंगा राजपथ पर फहराया जाता है।

26 जनवरी को राष्ट्रपति ध्वज फहराते हैं, जबकि 15 अगस्त पर देश के प्रधानमंत्री ध्वजारोहण करते हैं।

गणतंत्र दिवस के अवसर पर दूसरे देश के राजनयिकों को आमंत्रित किया जाता है, जबकि स्वतंत्रता दिवस पर किसी भी अतिथि को नहीं बुलाया जाता है।

गणतंत्र दिवस समारोह का समापन 29 जनवरी को बीटिंग रिट्रीट समारोह के साथ होता है, स्वतंत्रता दिवस पर आयोजन 15 अगस्त को खत्म हो जाता है।

गणतंत्र दिवस पर देश की सैन्य ताकत व सांस्कृतिक समृद्धि की झलक देशवासियों के सामने झांकियों के माध्यम से प्रस्तुत की जाती है जबकि स्वतंत्रता दिवस पर देश की उपलब्धियां प्रधानमंत्री बताते हैं।

गणतंत्र दिवस परेड से एक दिन पहले आईएएफ ने बिहाइंड द सीन का वीडियो जारी किया

गणतंत्र दिवस के इस परेड में भारतीय वायुसेना के कुल 51 एयरक्राफ्ट हिस्सा लेंगे, जिसमें 29 लड़ाकू विमान, आठ परिवहन विमान और 13 हेलीकॉप्टर शामिल रहेंगे। इन सभी एयरक्राफ्ट को छह अलग-अलग बेस से संचालित किया जाएगा। गणतंत्र दिवस के एक दिन पहले भारतीय वायुसेना ने एक वीडियो जारी किया है। सोशल मीडिया पर एक पोस्ट करते हुए भारतीय वायुसेना ने कहा कि यह साल का वह समय है, जब 54 एयरक्राफ्ट कर्तव्य पथ पर अपना प्रदर्शन दिखाएंगे। इसकी एक छोटी सी बिहाइंड द सीन बीटीएस झलक है। बता दें कि राजधानी दिल्ली के कर्तव्य पथ पर गणतंत्र दिवस परेड का फुल ड्रेस फाइनल रिहर्सल पूरा हो चुका है। इस साल गणतंत्र दिवस का कार्यक्रम महिलाओं पर केंद्रित है। पहली बार भारतीय सेना की आर्टिलरी रेजिमेंट में शामिल होने वाली पांच महिला अधिकारियों में से चार इस साल गणतंत्र दिवस परेड में हिस्सा ले रही हैं। इसमें लेफ्टिनेंट दीप्ति राणा, अनिका सेवदा, आद्या झा और सीएच एनोनी शामिल हैं। इस साल के परेड में महिला फाइटर पायलटों को भी गणतंत्र दिवस परेड में शामिल किया गया है। इस परेड में 48 महिला अग्निवीर भी हिस्सा ले रहीं है। परेड के दौरान स्वदेशी हथियार जैसे एलसीएच प्रचंड हेलीकॉप्टर, पिनाका मल्टी बैरल रॉकेट लॉन्चर और एंटी टैंक मिसाइल नाग का प्रदर्शन किया जाएगा। मेड इन इंडिया हथियारों में टी-90 टैंक, बीएमपी-2 इंफेंट्री कॉम्बैट वाहन, ड्रोन जैमर्स, एडवांस्ड सर्वत्र ब्रिज, सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइलें और मल्टी फंक्शन रडार आदि का भी प्रदर्शन किया जाएगा। गणतंत्र दिवस के लिए फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों को मुख्य अतिथि के तौर पर शामिल किया गया है। इस कार्यक्रम को खास बनाने के लिए फ्रांसीसी सेना की एक टुकड़ी भी इसमें शामिल हो रही है। परेड में फ्रांसीसी वायुसेना की राफेल लड़ाकू विमान और मल्टीरोल टैंकर ट्रांसपोर्ट एयरक्राफ्ट का भी प्रदर्शन किया जाएगा।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**